सब का सपना

निष्पक्ष व निडर- हिंदी दैनिक समाचार पत्र

अंडर-19 टीम के साथ इंग्लैंड दौरे की तैयारियों में लगे हैं वैभव -पेज: 7

अब खुद को 'अनुराग बसु की हीरोइन कह सकती हू -पेज: 8

वर्ष: 01 | अंक: 65 | शुक्रवार 13 जून 2025 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 8 | मूल्य : 4 रुपए

अहमदाबाद में मेडिकल कॉलेज हॉस्टल पर यात्री विमान क्रैश, 100 की मौत; 242 लोग थे सवार

अहमदाबाद (एजेंसी): अहमदाबाद के सरदार वल्लभभाई पटेल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर आज एयर इंडिया का विमान क्रैश हो गया। अहमदाबाद-लंदन जाने वाला विमान उड़ान भरते समय दुर्घटनाग्रस्त हो गया। 242 यात्री थे सवार, लंदन जा रहा था विमान समाचार एजेंसी एएनआई के अनुसार प्लेन में 242 यात्री सवार थे। मेघानी नगर के रिहायशी इलाके में प्लेन क्रैश के बाद कई किलोमीटर तक धुएं के गुबार दिखाई दे रहे हैं। एयर इंडिया का बी787 विमान वीटी-एएनबी अहमदाबाद से लंदन जा रहा था। विमान में सवार 100 लोगों की मौत की खबर है। विमान में 169 भारतीय नागरिक सवार थे। बाकी विदेशी नागरिक थे। फ्लाइट एआई171ने दोपहर 1 बजकर 38 मिनट पर उड़ान भरी थी और उसके 5 मिनट बाद क्रैश हो गया। अडानी एयरपोर्ट पर एयर इंडिया के विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने की प्रारंभिक सूचना के आधार पर अहमदाबाद फायर टीम मौके पर पहुंच गई है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार,

अहमदाबाद से एक दुखद खबर सामने आई है। मेघानी नगर के रिहायशी इलाके में एक विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया है। दुर्घटना के बाद कई किलोमीटर तक धुएं का गुबार देखा गया। आशंका है कि प्लेन में 242 लोग सवार थे। घटना की विस्तृत जानकारी अभी आनी बाकी है।

यह घटना नियमित परिचालन के दौरान हुई, जिसके बाद तत्काल आपातकालीन प्रतिक्रिया की गई। अहमदाबाद अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवा विभाग ने घटनास्थल पर पांच से अधिक अग्निशमन वाहन तैनात किए। डीजीसीए ने बताया कि हादसे के वक्त प्लेन में दो पायलट और 10 सहायक स्टाफ भी मौजूद थे। विमान के पायलट कैप्टन सुमीत सभरवाल थे और उसके साथ फर्स्ट ऑफिसर क्लाइव कुंदर थे। विमान में 53 ब्रिटिश, 1 कनाडा और 7 पुर्तगाल के लोग सवार थे। पीएम मोदी ने हादसे के बाद अमित शाह से फोन पर बात की और जानकारी ली। गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल अहमदाबाद के असरवा सिविल अस्पताल पहुंचे, जहां विमान दुर्घटना में घायलों को लाया गया है। अमित शाह ने की गुजरात के सीएम से बात हादसे के तुरंत बाद केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने विमान दुर्घटना के संबंध में गुजरात के मुख्यमंत्री, गृह मंत्री और पुलिस कमिश्नर से बात की है। उन्होंने केंद्र सरकार की सहायता उपलब्ध कराने का आश्वासन भी दिया है। कई दमकल गाड़ियां तैनात अधिकारियों ने पुष्टि की कि अलर्ट के बाद दमकल गाड़ियों को तुरंत तैनात किया गया और आपातकालीन टीमें घटनास्थल पर पहुंच गई हैं। अग्निशमन विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, विभिन्न शहर प्रभागों से पांच से अधिक अग्निशमन वाहनों की एक टीम घटनास्थल पर पहुंच गई है। एहतियात के तौर पर आग पर नियंत्रण के उपाय किए जा रहे हैं। अभी तक, किसी के घायल होने या हताहत होने की कोई खबर नहीं है। घटना का कारण और विमान को हुए नुकसान की आधिकारिक पुष्टि होना बाकी है। हवाई अड्डे के अधिकारियों ने आंतरिक जांच शुरू कर दी है, जबकि एक तकनीकी टीम स्थिति का आकलन कर रही है।

राहुल गांधी ने बेरोजगारी के मुद्दे पर सरकार पर साधा निशाना - पीएम ने 11 सालों में हर वादा तोड़ा

नई दिल्ली (एजेंसी): कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने बेरोजगारी के मुद्दे को लेकर बृहस्पतिवार को सरकार पर निशाना साधा और आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बीते 11 वर्षों में अपना हर वादा तोड़ा है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने एक खबर का हवाला भी दिया जिसमें दावा किया गया है कि पिछले सात वर्षों में 18 लाख उद्यम बंद हो गए। राहुल गांधी ने फेसबुक पोस्ट में कहा, मोदी जी ने 11 साल में हर वादा तोड़ा । दो करोड़ नौकरियां? (वादा) जुमला बन गया । पकोड़े तलवाए, फॉर्म भरवाए, लेकिन कोई दिशा नहीं दी। उन्होंने दावा किया, डिग्री के बाद भी नौकरी नहीं, तैयारी के बाद भी भर्ती नहीं, मेहनत के बाद भी सम्मान नहीं। यह सिर्फ.बेरोजगारी नहीं, यह देश के युवाओं की उपेक्षा है। उन्हें एक सपना दो। उन्हें राष्ट्रनिर्माण में भागीदार बनाओ। कांग्रेस नेता ने कहा कि रोजगार क्रांति अब जरूरी है, लेकिन यह सरकार इस समस्या को सुलझा नहीं सकती, क्योंकि वह खुद इसका कारण है।

विमान क्रैश के बाद एयर इंडिया ने जारी किया हेल्पलाइन नंबर, यात्रियों के परिजन यहां करें संपर्क

अहमदाबाद (एजेंसी): गुरुवार को गुजरात के अहमदाबाद में एक बड़ा विमान हादसा हो गया। एयर इंडिया का एक विमान 242 लोगों को लेकर लंदन के गैटविक हवाई अड्डे के लिए उड़ान भरने वाला था, जो दोपहर में उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद शाहीबाग हवाई अड्डे के निकट दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इसी बीच एयर इंडिया ने यात्रियों के परिजनों और आम लोगों को जानकारी देने के लिए एक हेल्पलाइन नंबर 1800 5691 444 जारी किया है। एयर इंडिया ने जारी किया हॉटलाइन नंबर एयर इंडिया ने अहमदाबाद विमान दुर्घटना के बारे में अधिक जानकारी प्रदान करने के लिए एक हॉटलाइन नंबर 1800 5691 444 जारी किया है। यह नंबर उन लोगों के लिए है, जो

दुर्घटना से प्रभावित यात्रियों के बारे में जानकारी प्राप्त करना चाहते हैं। घटना का विवरण यह विमान अहमदाबाद के सरदार वल्लभभाई पटेल अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे से उड़ान भर रहा था। बताया जा रहा है कि उड़ान भरने के कुछ ही मिनटों बाद विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया और शाहीबाग हवाई अड्डे के पास जा गिरा। हादसे के कारणों की अभी पुष्टि नहीं हो पाई है, लेकिन प्रारंभिक रिपोर्टों में इंजन में खराबी या विमान के पिछले हिस्से के टकराने जैसी बातें सामने आ रही हैं। राहत और बचाव कार्य जारी दुर्घटना की खबर मिलते ही राहत और बचाव दल तुरंत मौके पर पहुंच गया। घायलों को सिविल अस्पताल में भर्ती कराया जा रहा है। एयरपोर्ट को फिलहाल बंद कर दिया गया है और यात्रियों को एयरपोर्ट जाने से पहले उड़ान संबंधी जानकारी लेने की सलाह दी गई है।

गृह मंत्री अमित शाह अहमदाबाद के लिए रवाना

इस गंभीर हादसे के बाद गृह मंत्री अमित शाह अहमदाबाद के लिए रवाना हो गए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी इस घटना का संज्ञान लिया है और गृह मंत्री तथा नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू से बात कर प्रभावित लोगों को हर संभव सहायता सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है। विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो (AAIB) की एक टीम भी जांच के लिए अहमदाबाद पहुंच गई है।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से मिले हरियाणा विस स्पीकर हरविंदर कल्याण, कई मुद्दों पर हुई चर्चा

चंडीगढ़ (एजेंसी): हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने नई दिल्ली में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के साथ आधिकारिक बैठक की। इस दौरान दोनों नेताओं के बीच गुरुग्राम में होने वाले शहरी स्थानीय निकायों के राष्ट्रीय सम्मेलन के सफल आयोजन को लेकर चर्चा हुई। बैठक में यह तय हुआ कि शहरी स्थानीय निकायों के राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन आगामी 3 और 4 जुलाई को गुरुग्राम में किया जाएगा। इस महत्वपूर्ण राष्ट्रीय आयोजन की मेजबानी हरियाणा विधानसभा करेगी। विस अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने हरियाणा विधानसभा की ओर से मेजबानी का अवसर प्रदान करने के लिए लोकसभा अध्यक्ष का आभार व्यक्त किया। कल्याण ने कहा कि इस

सम्मेलन में देशभर से शहरी स्थानीय निकायों से जुड़े जनप्रतिनिधि, विशेषज्ञ और नीति निमार्ता भाग लेंगे। यह सम्मेलन शहरी विकास, स्थानीय स्वशासन और नागरिक सेवाओं के सशक्तिकरण पर केंद्रित होगा। गौरतलब है कि हरियाणा विधान सभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण शहरी स्थानीय निकायों के राष्ट्रीय सम्मेलन को कामयाब बनाने के लिए बड़े स्तर पर तैयारी कर रहे हैं। इस सिलसिले में उन्होंने बीते सोमवार को विधान सभा सचिवालय में प्रदेश सरकार और हरियाणा विधान सभा के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक कर प्रत्येक व्यवस्था पर विस्तार से चर्चा की थी। इस बैठक में शहरी स्थानीय निकाय विभाग के आयुक्त एवं सचिव विकास गुप्ता, अतिरिक्त निदेशक वाई. एस. गुप्ता, सूचना, जनसंपर्क, कला एवं सांस्कृतिक कार्य विभाग के महानिदेशक के.एम. पांडुरंग समेत अनेक वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे थे। इससे पूर्व 5 जून को गुरुग्राम में इस सम्मेलन की तैयारियां को लेकर बैठक की गई थी। इस बैठक में सम्मेलन की व्यवस्था को लेकर बारीकी से चर्चा की गई थी। प्रत्येक व्यवस्था के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त किए जा रहे हैं।

भारत को पड़ोसियों की निगरानी क्षमताओं के बढ़ाना होगा, एयर मार्शल दीक्षित ने चीन को लेकर कही ये बात

नई दिल्ली (एजेंसी): चीफ ऑफ इंटीग्रेटेड डिफेंस स्टाफ एयर मार्शल आशुतोष दीक्षित ने बुधवार को कहा कि भारत जब अपनी निगरानी क्षमताओं पर विचार करता है तो उसे तेजी से विकसित हो रहे खतरे के परिदृश्य, खासकर उत्तरी पड़ोसियों द्वारा की गई उल्लेखनीय प्रगति को समझना होगा। दीक्षित ने चीन को लेकर कही ये बात थिंक टैंक सेंटर फॉर एयर पावर स्टडीज और इंडियन मिलिट्री रिव्यूज द्वारा सर्विलांस एंड इलेक्ट्रो-आप्टिक्स पर आयोजित एक सेमिनार में एयर मार्शल दीक्षित ने चीन के सैन्य अंतरिक्ष कार्यक्रम के विस्तार का उल्लेख करते हुए कहा कि उसने हाल ही में पृथ्वी की निचली कक्षाओं में अपने उपग्रहों की परिष्कृत करीबी लड़ाई को प्रदर्शित किया है। चीन 2010 में सिर्फ 36 उपग्रह संचालित कर रहा था, 2024 में ये एक हजार से अधिक थे और इनमें 360 से अधिक खुफिया जानकारी जुटाने, निगरानी करने और टोही कार्यों

चीफ ऑफ इंटीग्रेटेड डिफेंस स्टाफ एयर मार्शल आशुतोष दीक्षित ने बुधवार को कहा कि भारत जब अपनी निगरानी क्षमताओं पर विचार करता है तो उसे तेजी से विकसित हो रहे खतरे के परिदृश्य खासकर उत्तरी पड़ोसियों द्वारा की गई उल्लेखनीय प्रगति को समझना होगा। दीक्षित ने चीन के सैन्य अंतरिक्ष कार्यक्रम के विस्तार का उल्लेख करते हुए

(आइएसआर) के लिए समर्पित थे। चीन के उपग्रह निगरानी को लेकर की ये बात एयर मार्शल दीक्षित ने कहा, उन्होंने किल चेन से किल मेश तक विकास किया है जो एक एकीकृत नेटवर्क है। यह आईएसआर उपग्रहों को हथियार प्रणालियों से सहजता से जोड़ता है। चुनौतियों को स्वीकार करना चाहिए उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर की सफलता पर जोर देते हुए कहा कि इन चुनौतियों को स्वीकार करना चाहिए और अपनी उपलब्धियों का जश्न भी मनाना चाहिए। इस सफलता के केंद्र में इंटीग्रेटेड एयर कमांड एंड कंट्रोल सिस्टम (आइएसीसीएस) था, जो भारतीय भारतीय इंजीनियरिंग की उत्कृष्टता एवं रणनीतिक दृष्टिकोण का उदाहरण है।

टेक ऑफ के 8 मिनट बाद ही क्रैश हुआ विमान, दो मंजिला इमारत से जा टकराया

अहमदाबाद (एजेंसी): गुजरात के अहमदाबाद एयरपोर्ट से लंदन के लिए उड़ान भरने वाला एअर इंडिया का विमान अचानक क्रैश हो गया। इस विमान में 230 यात्रियों समेत कुल 242 लोग सवार थे। बताया जा रहा है कि हादसा दोपहर 1 बजे से 2 बजे के बीच हुआ। एअर इंडिया के विमान एआई 171 में गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रुपाणी भी सवार थे। हादसे की जो तस्वीरें सामने आई हैं, वो किसी की भी रूह कंपा देने के लिए काफी हैं। हादसा कैसे हुआ, इसके बारे में अभी तक कोई जानकारी सामने नहीं आई है। देखिए हादसे की तस्वीरें... विमान में 169 भारतीय यात्री सवार थे। इसके अलावा ब्रिटेन के 53 और कनाडा का 1 नागरिक विमान में सवार था। बताया जा रहा है कि विमान में दोपहर 1 बजकर 30 मिनट पर उड़ान भरी थी और इसके ठीक 8 मिनट बाद यानी 1 बजकर 38 मिनट पर यह

क्रैश हो गया था। गृह मंत्री अमित शाह ने बयान जारी कर हादसे पर दुख जताया है। राहत और बचाव का कार्य जारी है। अहमदाबाद के सिविल अस्पताल में एंबुलेंस का तांता लगा हुआ है। प्रशासन के अनुसार, घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया है। नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने हादसे के बाद हेल्पलाइन नंबर जारी कर दिए हैं। हेल्पलाइन नंबर 011-24610843 और 9650391859 पर कॉल किया जा सकता है। एअर इंडिया ने दुर्घटना के संबंध में अधिक जानकारी उपलब्ध कराने के लिए हॉटलाइन नंबर 1800 5691 444 जारी किया है।

पीएम मोदी, अमित शाह और केजरीवाल ने विमान हादसे पर जताया दुख, ममता समेत बाकी नेताओं का भी आया बयान

नई दिल्ली (एजेंसी): 240 से अधिक यात्रियों को लेकर लंदन जा रहा एअर इंडिया का विमान अहमदाबाद एअरपोर्ट से उड़ान भरने के तुरंत बाद हादसे का शिकार हो गया। दुर्घटना के बाद आपातकालीन सेवाओं को राहत एवं बचाव कार्य में लगाया गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक्स पर पोस्ट कर लिखा, अहमदाबाद में हुई त्रासदी ने हमें स्तब्ध और दुखी कर दिया है। यह शब्दों से परे हृदय विदारक है। इस दुख की घड़ी में मेरी संवेदनाएं इससे प्रभावित सभी लोगों के साथ हैं। मैं मंत्रियों और अधिकारियों के संपर्क में हूं जो प्रभावित लोगों की सहायता के लिए काम कर रहे हैं। विमान हादसे को लेकर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने एक्स पर पोस्ट कर लिखा, अहमदाबाद में हुए दुखद विमान हादसे को मैं शब्दों में बयां नहीं कर सकता। आपदा प्रतिक्रिया बलों को तुरंत दुर्घटनास्थल पर भेज दिया गया है। स्थिति का आकलन करने के लिए गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल, गृह मंत्री हर्ष संघवी और अहमदाबाद के पुलिस आयुक्त से बात की। इस हादसे के बाद देशभर के तमाम बड़े नेताओं ने दुख प्रकट किया और शोक व्यक्त किया। गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया। उन्होंने लिखा, अहमदाबाद में एयर इंडिया

विमान दुर्घटना से मुझे गहरा दुख हुआ है। मैंने अधिकारियों को तत्काल बचाव और राहत कार्य शुरू करने और घायल यात्रियों का युद्ध स्तर पर उपचार सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। घायलों को अस्पतालों तक पहुंचाने के लिए ग्रीन कॉरिडोर की व्यवस्था की गई है, जहां सभी आवश्यक उपचार व्यवस्थाओं को प्राथमिकता दी जा रही है। उन्होंने यह भी कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने उनसे बात की है और बचाव और राहत प्रयासों के लिए राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) और केंद्र सरकार की ओर से पूर्ण समर्थन का आश्वासन दिया है। गुजरात के गृह मंत्री का बयान महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने भी अपनी चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा, अहमदाबाद में एयर इंडिया यात्री विमान की घटना के बारे में जानकर दुख हुआ और स्तब्ध हूं। सभी की सुरक्षा के लिए प्रार्थना करता हूं। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने घटना को लेकर कहा, आज अहमदाबाद में हुए दुखद एअर इंडिया विमान हादसे से स्तब्ध और गहरा सदमा लगा है। यह हम सभी के लिए दिल दहला देने वाली खबर है। मैं पीड़ितों के परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करती हूं। जबकि हम जीवित बचे लोगों के विवरण की प्रतीक्षा कर रहे हैं, मैं सभी की सुरक्षा के लिए प्रार्थना करना जारी रखूंगी। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने भी पोस्ट कर लिखा, उड़ान के दौरान हुई इस दुर्घटना ने मुझे अंदर तक झकझोर दिया है। रिपोर्ट्स के अनुसार विमान में 242 यात्री सवार थे। मैं उन सभी के लिए प्रार्थना करता हूँ। आप नेता मनीष सिसोदिया ने कहा, अहमदाबाद से दिल दहला देने वाली खबर। उड़ान के दौरान एक यात्री विमान रिहायशी इलाके के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गया। धुएं और तबाही की तस्वीरें बेहद परेशान करने वाली हैं। मैं सभी यात्रियों की सुरक्षा के लिए प्रार्थना करता हूं।

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने भी अपनी चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा अहमदाबाद में एयर इंडिया यात्री विमान की घटना के बारे में जानकर दुख हुआ और स्तब्ध हूं। सभी की सुरक्षा के लिए प्रार्थना करता हूं।

संपादकीय

कड़ा जवाब

यूरोप के दौरे पर गए वित्त मंत्री एस जयशंकर ने पाकिस्तान को चेताया है कि भारत को आतंकवादी हमलों के जरिए उकसाया गया तो हम पाकिस्तान के भीतर जाकर हमला करने में हिचकि चाएंगे नहीं। यूरोपीय संघ के उच्चस्तरीय व्यापार संवादों में भाग लेते हुए उन्होंने ब्रसेल्स में एक सवाल के जवाब में कहा कि उन्हें संदेश है कि अप्रैल जैसी बर्बर हरकत को जारी रखा गया तो जवाबी कार्रवाई का सामना करना होगा जो आतंकवादी संगठनों व आतंकवादी नेतृत्व के खिलाफ होगी। जयशंकर ने कहा, हमें परवाह नहीं कि वे कहां हैं। अगर वे पाकिस्तान के भीतर हैं तो हम पाकिस्तान में अंदर तक जाएंगे। उन्होंने पड़ोसी दुश्मन मुल्क में आर्तकियों को दिए जा रहे प्रशिक्षण और उनके भारत में घुसपैठ करने पर कड़ी कार्रवाई की बात भी दोहराई। उन्होंने भारतीय एयर स्ट्राइक से हुई पाकिस्तान को क्षति के आरोपों का भी अपने अंदाज में करारा जवाब दिया। कहा कि सबूत तो वही एयर फील्ड हैं, जो अब काम नहीं कर रहे। पाकिस्तान की हवाई पट्टियों को नुकसान को गूगल सैटेलाइट से देखने की सलाह भी दे डाली। बेशक, भारत के ऑपरेशन सिंदूर को सारी दुनिया ने देखा जब 6-7 मई की दरमियानी रात भारतीय सशस्त्र बलों ने दुश्मन देश के भीतर घुस कर पच्चीस मिनट में नौ आतंकी ठिकानों को नेस्तनाबूद कर दिया था। इनमें से पांच तो पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में ही थे। जयशंकर ने भारत का रुख स्पष्ट करते हुए विदेशी मीडिया को साफ संकेत दिया कि पाकिस्तानी वायु सेना को भारतीय लड़ाकू विमानों व मिसाइलों ने जबरदस्त क्षति पहुंचाई। अल्पभाषी जयशंकर स्पष्ट और सटीक बात करने के मामले में अपने समकालीन राजनेताओं से बिल्कुल भिन्न हैं। जैसा कि उन्होंने विदेशी मीडिया के समक्ष न सिर्फ भारत का रुख स्पष्ट किया बल्कि उन संदेहों को भी साफ किया जो पाकिस्तान जानबूझकर फैला रहा है। दोनों मुल्कों के दरम्यान हुए युद्ध विराम व तमाम आरोपों-प्रत्यारोपों के बावजूद दुनिया की महाशक्तियों के समक्ष भारत सरकार ने नये प्रतिमान गढ़ने का अपना इरादा डंके की चोट पर प्रदर्शित ही नहीं किया बल्कि देश की सुरक्षा और अपने नागरिकों की हत्या के खिलाफ की कड़ी कार्रवाई को न्यायोचित ठहराने में कोई कोताही भी नहीं कर रहा है। आतंकवाद समूची दुनिया के लिए जबरदस्त चुनौती है जिसके प्रति कोई भी सहिष्णुता दशार्ने को राजी नहीं है। पाकिस्तान के प्रति सहानुभूति रखने वाले भी इस मुद्दे पर बगले झांकते नजर आते हैं।

व्यवहारिक शिक्षा और ज्ञान के साथ किताबी ज्ञान की डिग्री सोने पर सुहागा

किशन सनमुखदास भावनानीं

सृष्टि में अनमोल बौद्धिक ज्ञान का धनी मानवीय प्राणी को जन्म से ही परिवार, समाज, मानवीय संपर्कों से व्यवहारिक शिक्षा और ज्ञान मिलना शुरू हो जाता है। याने जैसे जैसे मानुष बाल्य काल से बचपन और फिर युवा होता है, वैसे-वैसे व्यवहारिक ज्ञान शिक्षा के माध्यम से ऑटोमेटिक अली स्वत संज्ञान से उसकी बौद्धिक क्षमता परिपक्व होती जाती है और फिर स्कूल कॉलेज से लेकर अनेक डिग्रियों यानें किताबी ज्ञान पाकर सोने पर सुहागा की कहावत हम पूरी करते हैं। इस तरह हम देखते हैं कि, शिक्षा दो तरह की होती है। एक किताबी शिक्षा और दूसरी व्योहारिक शिक्षा। अगर किताबी शिक्षा के साथ साथ हमको व्याहारिक शिक्षा का ज्ञान नहीं है तो हम शिक्षित होते हुए भी अशिक्षित की श्रेणी में आयेंगे। और अगर हमको शिक्षा के साथ साथ व्योहारिक ज्ञान भी है तो हम शिक्षित लोगो की श्रेणी में आयेंगे।

साथियों हम आम तौर पर देखते हैं कि स्थिति बिगड़ती देख अच्छे-अच्छे व्यवहारिक ज्ञान वाले व्यक्तिभी किताबी ज्ञान वालों को कहते हैं तुम तो पढ़े लिखे हो! हम को क्या समझता है हम तो अनपढ़ हैं, बस !इसी वाक्य में वे अपनी जवाबदारी से पीछा छुड़ाकर किताबी ज्ञान वालों के ऊपर डाल देते हैं और जब स्थिति अपने पक्ष में हो रही तो कहते हैं, देखो मैंने यह किया,फि र तुम्हारी पढ़ाई लिखाई क्या काम की? इसीलिए स्थिति पक्ष में हो या विपक्ष में दोनों स्थितियों में व्यवहारिक ज्ञान के धनी की ही जीत है। इस सामाजिक स्थिति पर व्यंग्य के रूप में हम इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे।

साथियों बात अगर हम व्यवहारिक ज्ञान और किताबी ज्ञान दोनों की जरूरत की करें तो की करें तो सच तो यह है कि हमें किताबी ज्ञान और व्यावहारिक ज्ञान दोनों की आवश्यकता है। सिर्फ. किताबी ज्ञान से हम जीवन में फंस जाएँगे, खासकर तब जब हम कक्षा से बाहर निकलेंगे और सिर्फ. व्यावहारिक ज्ञान से हम फंस जाएँगे क्योंकि हम सरल निर्देश नहीं पढ़ पाएँगे या सरल गणितीय समस्याएँ हल नहीं कर पाएँगे। लेकिन मेरा मानना है कि हमें किताबी ज्ञान से ज्यादा व्यावहारिक ज्ञान की जरूरत है, क्योंकि जीवन समस्याओं से भरा है और इन समस्याओं के लिए व्यावहारिक समाधान की जरूरत है, उदाहरण के लिए अगर कोई भविष्य में इंजीनियर बनना चाहता है, तो चाहे वह कितना भी पढ़े-लिखे, उसे व्यावहारिक ज्ञान नहीं होगा जब तक वह अभ्यास न करे, वह किताबें पढ़कर घर में तार नहीं लगा सकता। व्यावहारिक ज्ञान के जरिए ही थॉमस एडिसन ने कई बार असफल होने के बाद आखिरकार एक लाइट बल्ब का आविष्कार किया था। किताबी ज्ञान सिर्फ. समाधान देता है जबकि व्यावहारिक ज्ञान समाधान को कारगर बनाता है। इसकी तुलना उस व्यक्ति से की जा सकती है जो साल भर नौकरी के लिए प्रार्थना करता है लेकिन आवेदन नहीं करता या नौकरी की तलाश में नहीं जाता। दुनिया को व्यावहारिक ज्ञान की आवश्यकता है क्योंकि यह वह ज्ञान है जो हमें बताएगा कि देश में भुखमरी को कैसे कम किया जाए, सड़क पर दुर्घटनाओं की संख्या को कैसे कम किया जाए, किसी घातक बीमारी को फैलने से कैसे रोका जाए आदि, इसलिए व्यावहारिक ज्ञान का हमारे जीवन में अधिक प्रभाव पड़ता है।

साथियों बात अगर हम किताबी ज्ञान की करें तो, परिभाषा के अनुसार जिसने किताबी ज्ञान अर्जित किया हो और स्कूल कॉलेज की परीक्षाओं को पास करके डिग्री हासिल की हो वो शिक्षित है, और जिसे अक्षर ज्ञान ना हो, वो किताबी अनपढ़ !पर क्या शिक्षा का अर्थ सिर्फ केवल किताबी ज्ञान अर्जित करना ही है? एक शिक्षित इंसान के द्वारा फेंका हुआ कचरा,अगर सुबह एक किताबी अशिक्षित इंसान (सफाई कर्मचारी) उठाता है ऐसे में किसे शिक्षित कहना चाहिए सफाई कर्मचारी को या कचरा फेंकने वाले को? आजकल की शिक्षा ऐसे ही रट्टा फिकेसन की शिक्षा होती जा रही है। जहाँ मतलब समझ आए या ना आए, बस रट्टा मारों और पास हो जाओ।

साथियों शायद इसीलिये किताबी पढ़े-लिखे अनपढ़ों की संख्या बढ़ती जा रही है।पिछले कुछ दशकों में शिक्षा का स्तर काफी बढ़ गया है पर शिक्षा की वैल्यू खत्म होती जा रही है। ध्यान दे तो याद आता है जहाँ कुछ साल पहले ग्रेजुएशन ही काफी था, आज पोस्ट ग्रेजुएशन,क्या पीएचडी की भी कोई वैल्यू नहीं है। तकनीकी शिक्षा पर जोर है। तकनीकी शिक्षा गलत नहीं है पर सिर्फ तकनीकी शिक्षा से काम नहीं चलेगा।

साथियों बात अगर हम किताबी शिक्षित और किताबी अनपढ़ व्यक्तियों की करें तो, बहुत अंतर है। किताबीअनपढ़ आदमी केलकुलेटर चलाना नहीं जानता सारा हिसाब किताब उंगलियों से करना पड़ता है पढ़ा-लिखा आदमी विना केलकुलेटर के चार में से दो घटाने के लिए भी अपनी उंगली नहीं घिसता। किताबी अनपढ़ व्यक्ति के पास अपने अनुभव के अतिरिक्त कुछ नहीं होता जबकि पढ़ा-लिखा व्यक्ति और के अनुभव भी उपयोग में ले आता है। किताबी अनपढ़ व्यक्ति अधिक प्रेक्टिकल होता है शिक्षित व्यक्ति इतनानही होता।कहीं बाहर जाने पर पढ़ा-लिखा व्यक्ति आसानी से पता ढूढ लेता है जबकि किताबी अनपढ को परेशानी होती है।एक युग था जब समाज में किताबी अनपढ बहुत थे तो उनका कामकाज भी उसी तरह चलता था ।आज किताबी अनपढ़ व्यक्ति को हर तरह की परेशानी उठानी पड़ती है। उसे पढ़े-लिखे लोगों पर आश्रित रहना पड़ता है।

साथियों शिक्षित व्यक्ति किसी भी सुनी सुनाई बातों पर जल्दी विश्वास नहीं करता है जब तक वह उन्हे अपनी मन की कसौटी पर खरा नहीं उतार लेता। जबकि एक किताबी अनपढ़ व्यक्ति को कह दो कि तुम्हारा कान कौवा ले गया है तो वह अपने कान को नहीं देखेगा बल्कि कौवे के पीछे भागना शुरू कर देगा। जबकि एक पढ़ा लिखा व्यक्ति पहले अपने शरीर के सभी अंगों को ठीक से चेक करेगा। फिर क्यू कहेगा? बस यही शिक्षित और किताबी अनपढ़ व्यक्ति में अंतर है। किताबी अनपढ लोगों पर व्याहारिक ज्ञान होता है मगर अशिक्षित व्यक्ति वह होते हैं जो व्याहारिक ज्ञान में भी पिछड़े होते हैं। कुछ अपवादों को छोड़कर शिक्षित में संस्कार और
लोकाचार का अभाव मिलता है। दोनों शब्द पर्यायवाची है पर कह देते हैं यह किताबी अनपढ अंगूठा टेक है मगर वह संस्कारित हो सकता है। अशिक्षित के लिए कहा जाता है कि तुम तो पढ़-लिखकर अशिक्षित ही रहे। किताबी अनपढ को कुछ बातें में अनदेखा कर देते हैंया कहे वह अपनी कमजोरी छुपा जाते हैं, पर अशिक्षित से ऐसी आशा कम की जाती है।वहअपनी कमी नहीं छुपा पाते।कुछ विशेष अंतर नहीं है भावनात्मक अंतर ही लगता है। किताबी अनपढ की अपेक्षा अशिक्षित शब्द अधिक बुरा लगता है।

साथियों बात अगर हम संस्कारों और विचारधारा की करें तो व्यवहारिक शिक्षा और ज्ञान के परिपक्व व्यक्ति अपने कुल और माता पिता की विचारधारा पर चलकर संस्कारों का परिचय देते हैं। वहीं किताबी ज्ञान डिग्री लेने वाले कुछ अपवादों को छोड़कर संस्कारों और विचारधारा में साफ फर्क दिखा देने लगते हैं अपने कुल और माता पिता की विचारधारा पुरानी और ढकोसली लगने लगती है रिश्ते नातों में कमजोरी को बल मिलता है और विवाहित होने पर सिर्फ अपने परिवार की जवाबदारी तक सीमित हो जाते हैं जबकि व्यवहारिक ज्ञान के धनी व्यक्तियों में ऐसा नहीं है परंतु यह हम जरूर कहेंगे के किताबी ज्ञान वालों से अधिक ज्ञान समझ रखने वाले व्यवहारिक ज्ञान के धनी व्यक्तियों के दोनों हाथों में मलाई होती है जिससे स्थिति अनुसार प्रयोग में करते हैं स्थिति बिगड़ी तो तुम तो पढ़े लिखे हो! हम ठहरे अनपढ़, हमको क्या समझता है!! और परिस्थिति का हमारे तरफ झुकाव रहा तो, देखो तुम तो पढ़े लिखे हो!! तुम्हारी पढ़ाई लिखाई किस काम की? हम तो अनपढ़ ही अच्छे है।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर उसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि, शिक्षा ऐसी होनी चाहिये जो हमारे मानवीय गुणों को भी विकसित करें। हमें संवेदनशील, सहनशील और व्यवहारिक के साथ-साथ देश और समाज के प्रति जागरूक भी बनाएं। जैसे प्राचीन काल में गुरुकुल में होती थी।जहाँ ना सिर्फ पुस्तक ज्ञान सिखाते थे बल्कि आध्यात्मिक, सामाजिक, व्यवहारिक और शस्त्र ज्ञान भी शिक्षा के साथ-साथ ही सिखाया जाता था। अगर अच्छी किताबी शिक्षा या व्यवहारिक शिक्षा होने के बावजूद भी हम दकियानुसी सोच रखते हैं।

जल संकट : दिल्ली में हाल है बेहाल

कुमार समीर

देश की राजधानी दिल्ली में आसमानी तपिश ने लोगों का जीना मुहाल कर दिया है। आए दिन अधिकतम तापमान के नये रिकॉर्ड बन रहे हैं। कई इलाकों में तापमान 45 डिग्री सेल्सियस को भी पार कर गया है।

मौसम की मार झेल रहे दिल्ली वालों के सामने एक और मुसीबत आ खड़ी हुई है। वह है जल संकट। दिल्ली जल बोर्ड का कहना है कि दिल्ली को हर रोज करीब 129 करोड़ गैलन पानी की जरूरत है लेकिन आपूर्ति हो रही है 100 करोड़ या उससे थोड़ा कम गैलन की। यानी दिल्ली को रोजाना करीब तीस करोड़ गैलन पानी कम मिल रहा है। जरूरत और आपूर्ति के बीच यह अंतर दिल्ली की आबादी के बड़े हिस्से पर भारी पड़ रहा है। दक्षिणी दिल्ली के संगम विहार से लेकर उत्तर-पश्चिमी दिल्ली के रोहिणी तक, आम लोग पानी की इस किल्लत की कीमत चुका रहे हैं। बढ़ती गर्मी ने पानी के संकट को और गंभीर कर दिया है। हालात उन लोगों के लिए सबसे ज्यादा मुश्किल हैं, जिनके घर न टंकी से पानी पहुंचता है और न दिल्ली जल बोर्ड के टैंकर से।

दिल्ली में ऐसी 1700 से अधिक अनधिकृत कॉलोनी हैं जिनमें से अधिकतर में पानी की लाइन बिछी है और दिल्ली जल बोर्ड पानी की आपूर्ति करता है। लेकिन ऐसी झुग्गी-बस्तियां जहां पाइप तो पहुंचा है लेकिन पर्याप्त मात्रा में पानी नहीं पहुंच पा रहा है, वहां आबादी के अधिकतर हिस्से को पानी खरीद कर पीना पड़ रहा है। अलग-अलग इलाकों में पानी की कीमत अलग-अलग है। देवली की एक गली में टैंकर से दस रु पये में बीस लीटर पानी बिक रहा है। लोगों को पानी भरवा कर खुद ले जाना पड़ता है। लेकिन जो लोग पानी की बोतल घर तक मंगवाते हैं, उन्हें बीस लीटर की बोतल के तीस से चालीस रु पये तक और ब्रांडेड बोतल के लिए तो 90 से 100 रु पये तक चुकाने पड़ते हैं।

दिल्ली का जल संकट सिर्फ अनिधकृत कॉलोनियों तक सीमित नहीं है, बल्कि योजनानुरूप बसाए गए इलाकों तक भी पहुंच गया है। दक्षिण-पश्चिमी दिल्ली के वसंत कुंज इलाके में डीडीए निर्मित अपार्टमेंट्स का भी कमोबेश यही हाल है। वसंत कुंज इलाके में किराने की दुकानों का अधिकतर हिस्सा पानी की बोतलों से भरा है। एक दुकानदार के मुताबिक ह्यहाउसिंग सोसायटी के अधिकतर घरों में रोजाना एक बोतल पानी जाता है। कुछ घरों में दो बोतलें भी ली जाती हैं। अधिकतर लोग यहां ब्रांडेड पानी खरीदते हैं। एक बोतल 90-100 रु पये की आती है।

नीति आयोग के समग्र जल प्रबंधन सूचकांक के मुताबिक, दिल्ली भारत का दूसरा सबसे अधिक जल संकटग्रस्त शहर है। यह भी हकीकत है कि दिल्ली पानी की अपनी जरूरतों के लिए पड़ोसी राज्यों पर निर्भर है। दिल्ली को हरियाणा सरकार यमुना नदी से, उत्तर प्रदेश सरकार गंगा नदी से और पंजाब सरकार भाखड़ा नंगल से पानी की सप्लाई करती है। अभी जो 100 करोड़ गैलन यानी करीब 380 करोड़ लीटर पानी रोजाना दिल्ली में सप्लाई होता है, उसका 61 प्रतिशत पानी यमुना नदी, 30 प्रतिशत गंगा नहर और बाकी 9 प्रतिशत भूजल से आता है।

बता दें कि दिल्ली में भूजल भी संकट गंभीर है। केंद्रीय भूजल बोर्ड की एक रिपोर्ट में बताया गया है कि 2024 में उपयोग किए गए पानी का 100.77% निकाला गया है, जबकि रिचार्ज कम हुआ है। 34 मूल्यांकन इकाइयों में से 14 इकाइयां ह्यअत्यधिक दोहितह्न श्रेणी में हैं, जिससे आने वाले समय में पानी की कमी और बढ़ सकती है। दिल्ली के सभी जिलों में से नई दिल्ली सबसे अधिक शोषित है। उसके बाद शाहदरा, उत्तर, दक्षिण और उत्तर-पूर्व जिले हैं। रिपोर्ट के अनुसार, अति शोषित क्षेत्रों में करोल बाग, मयूर विहार, दिल्ली कैंट, चाणक्यपुरी, वसंत विहार, नरेला, यमुना विहार, करावल नगर, विवेक विहार, शाहदरा, महरौली, कापसहेड़ा और राजौरी गार्डन शामिल हैं। वहीं महत्त्वपूर्ण इकाइयों में मध्य दिल्ली में कोतवाली, गांधी नगर, प्रीत विहार, मॉडल टाउन, अलीपुर, सीमापुरी, हौज खास, कालकाजी, डिफेंस कॉलोनी, सरिता विहार, द्वारका, पटेल नगर और पंजाबी बाग शामिल हैं।

सवाल उठता है कि आखिर, किस तरह गंभीर रूप धारण कर चुकी इस समस्या से निजात पाई जाए। दिल्ली जल बोर्ड की बात करें तो उसके सामने कई चुनौतियां हैं। विशेषज्ञों के मुताबिक सबसे बड़ी चुनौती आपूर्ति के दौरान पानी के नुकसान (वॉटर वेस्ट) की है। जल बोर्ड के अनुमान के मुताबिक चालीस फीसद से अधिक पानी आपूर्ति के दौरान बर्बाद हो जाता है। पाइपलाइनों में लीकेज, अवैध टंकियां और पानी की चोरी इसके सबसे बड़े कारण हैं। पानी पर सब्सिडी का असर भी दिल्ली जल बोर्ड की आर्थिक सेहत पर हुआ है और बोर्ड का कर्ज बढ़ता जा रहा है। 2023 के डेटा के मुताबिक, दिल्ली जल बोर्ड पर 73 हजार करोड़ से अधिक का कर्ज है, जो 2018 के बाद से लगभग दोगुना हो गया है।

आतंकवाद और पाकिस्तान- चीन से दो टूक बात करने का समय आ गया

भारत और चीन के रिश्तों के लिहाज से यह सप्ताह बहुत ही ज्यादा महत्वपूर्ण होने जा रहा है। लेकिन उससे पहले जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले और उसके बाद भारत की बहादुर सेना द्वारा चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर के बारे में भी बात करना जरूरी है। भारत के सर्वदलीय सांसदों के प्रतिनिधिमंडल में शामिल 59 नेताओं और पूर्व राजनयिकों ने 33 देशों की यात्रा से वापस लौटने के बाद मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की।

भारत के इस प्रतिनिधिमंडल ने दुनिया भर में पाकिस्तान को बेनकाब करने की कोशिश की। इस बात में कोई दो राय नहीं है कि पाकिस्तान और आतंकवाद, एक दूसरे के पर्यायवाची बन चुके हैं। हाल के दिनों में पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ से लेकर पाकिस्तान के पूर्व विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी सहित कई नेता यह स्वीकार कर चुके हैं कि पाकिस्तान आतंकवाद को पनाह देता रहा है। अमेरिका की यात्रा पर गए बिलावल भुट्टो जरदारी का एक और बयान काफी चर्चा में है जिसमें आतंकवाद का ठीकरा उन्होंने अमेरिका पर ही फोड़ दिया है।

पाकिस्तान, अमेरिका और आतंकवाद इन तीनों के आपसी संबंधों की कहानी किसी से छिपी नहीं है। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने हाल ही में स्काई न्यूज के साथ एक इंटरव्यू के दौरान बस अमेरिका की भूमिका पर फिर से मुहर लगाने का काम कर दिया था। ख्वाजा आसिफ के शब्दों पर गौर कीजिएगा। उन्होंने कहा था कि, 'हम करीब तीन दशक से अमेरिका और ब्रिटेन समेत पश्चिमी देशों के लिए यह गंदा काम (आतंकवाद का समर्थन) कर रहे हैं। यह एक गलती थी और हमें इसकी कीमत चुकानी पड़ी, इसीलिए आप मुझसे यह कह रही हैं। अगर हम सोवियत संघ के खिलाफ युद्ध में और 9/11 के बाद की जंग में शामिल नहीं होते, तो पाकिस्तान का ट्रैक रिकॉर्ड बेदाग होता।'

जहां तक अमेरिका की बात है, वहां के नए राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के रवैए से उसकी पोल लगातार खुल रही है। पाकिस्तान पर एक के बाद एक अमेरिका जिस तरह की मेहरबानी कर रहा है,वह भी पूरी दुनिया देख रही है। लॉस एंजिल्स में जो कुछ हुआ उसके बाद अमेरिकी जनता को भी अहसास होने लगा है कि उन्होंने कितनी बड़ी गलती कर दी है।

भारत अमेरिकी संबंधों में मचे घमासान के बीच अब हमारी सबसे बड़ी प्राथमिकता अपने सीमाओं की सुरक्षा और पड़ोसी देशों से बेहतर तालमेल स्थापित करना होना चाहिए। इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए अब पड़ोसी चीन से दो टूक भाषा में बात करने का समय आ गया है। चीन पाकिस्तान को हर तरह की ना केवल मदद मुहैया करा रहा है बल्कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का स्थायी सदस्य देश होने के नाते आतंकवादी संगठनों, आतंकवादियों और पाकिस्तान के लिए ढाल का काम भी कर रहा है। चीन पाकिस्तान के बाद श्रीलंका, म्यामांर , बांग्लादेश और नेपाल के सहारे भी भारत की घेरेबंदी कर रहा है। आखिर भारत इसे कब तक बर्दाश्त कर सकता है ?

बताया जा रहा है कि, चीन के उप विदेश मंत्री सुन वेईडोंग इस सप्ताह भारत की यात्रा पर आ सकते हैं। इस साल दोनों देशों के बीच यह दूसरी उच्चस्तरीय यात्रा होगी। इससे पहले, भारत के विदेश सचिव विक्रम मिसरी जनवरी में चीन की यात्रा पर गए थे। वहां सुन और मिसरी ने आपसी रिश्तों को सामान्य करने के लिए कई मुद्दों पर सहमति जताई थी। लेकिन पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद जिस तरह से चीन ने खुलकर पाकिस्तान का साथ दिया। उसके बाद से अब माहौल काफी बदल गया है।

भारतीय बाजार के बल पर अपनी अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने वाले चीन से अब यह तो पूछा ही जाना चाहिए कि वह पाकिस्तान के रास्ते पर क्यों चलना चाहता है? पाकिस्तान तो आतंकवाद को पालते-पालते एक असफल देश बन चुका है लेकिन चीन जैसे बड़े देश की आखिर क्या मजबूरी है कि उसे आतंकवादियों का साथ देना पड़ रहा है। भारत और चीन के बीच आपस में विवाद है, यह एक कड़वी सच्चाई है लेकिन दुनिया के दो प्रभावशाली और बड़े देश होने के नाते इसे सुलझाने के कई तरीके हो सकते हैं। बातचीत से अगर ये मामले सुलझ जाए तो इससे बेहतर कुछ और नहीं हो सकता लेकिन क्या चीन की सेना इतनी कमजोर हो चुकी है कि अब उसे भी भारत को परेशान करने के लिए पाकिस्तान जैसे नाकाम देश और आतंकवादियों का सहारा लेने की जरूरत पड़ रही है ?

वक्त आ गया है कि भारत को अब दो टूक शब्दों में चीन से इन सवालों का जवाब मांगना ही चाहिए क्योंकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी स्वयं ही यह कह चुके हैं कि आतंकवाद और व्यापार एक साथ नहीं चल सकते। आतंकवाद के प्रति जीरो टॉलरेंस की यह नीति सिर्फ पाकिस्तान के साथ ही नहीं अपनानी चाहिए बल्कि हर उस देश के साथ अपनानी चाहिए जो किसी भी सूरत में आतंकवादियों का बचाव करता है। भारत को यह कठोर संदेश भारत यात्रा पर आने वाले चीन के उप विदेश मंत्री सुन वेईडोंग के जरिए चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग तक भेजना ही चाहिए।

कटाक्ष/सहीराम

सिंदूर का पेड़

वैसे अभी वन महोत्सव का समय नहीं आया है। फिर भी प्रधानमंत्री जी ने सिंदूर का पौधा लगा दिया है। वैसे ही जैसे बाहर से आने वाले राष्ट्राध्यक्ष या महान हस्तियां राजघाट पर पौधे लगाया करती हैं। उनका कोई समय नहीं होता। लेकिन उन्होंने राजघाट पर नहीं लगाया। उन्होंने तो उसे प्रधानमंत्री निवास में लगाया। उम्मीद की जाती है कि वह खूब फले-फूलेगा। जलकुकड़े कह रहे हैं कि सिंदूर तो उन्होंने पहले भी लगाया था, पर उसकी तो वे देखभाल नहीं कर पाए थे, वह तो नहीं फला-फूला। तो भैया वह सिंदूर था, यह सिंदूर का पेड़ है। लेकिन सिंदूर का पेड़ होता है, यह पहले तो कभी नहीं सुना। पैसों के पेड़ के बारे में तो फिर भी सुना है-चाहे कहावत में ही होता हो-लेकिन सिंदूर के पेड़ के बारे में तो कभी नहीं सुना। तो क्या रगों में दौड़ते सिंदूर के बारे में पहले सुना था? लेकिन प्रधानमंत्री जी की रगों में दौड़ता है न। जिन लोगों ने एंटायर पॉलिटिकल साइंस की डिग्री के बारे में नहीं सुना, उनसे उम्मीद रखना बेकार है कि उन्होंने सिंदूर के पेडक्ष के बारे में सुना होगा।

खैर जी, सिंदूर का पेड़ लग गया है। अफसोस यही है कि घर-घर सिंदूर अभियान नहीं चल पाया। सच पूछो तो भाजपा वालों ने इससे बड़ी उम्मीद लगा रखी थी। इस अभियान को वापस लिए जाने से वे बड़े निराश हैं। सबसे ज्यादा तो मोहन लाल धाकड़ ही निराश हैं। जी-जी, वही हाईवे वाले। कह रहे थे-कितना अच्छा मौका हाथ से निकल गया। इसके लिए तो हाईवे भी नहीं जाना पड़ता। फिर बलिया वाले बबन सिंह भी बड़े निराश हुए। जी वही, सुंदरी को गोद में बिठाने वाले। बोले-पार्टी को ऐसा नहीं करना चाहिए। हम तो खूब पार्टी करते भैया। मध्य प्रदेश वाले चुबंन प्रेमी डांसर कमल रघुवंशी भी बड़े निराश हुए। गौंडा वाले अमर किशोर कश्यप भी उतने ही निराश थे। बोले, हमें तो किसी के घर जाने की भी जरूरत नहीं थी, हम तो पार्टी ऑफिस में ही यह रस्म निभा देते। मैनपुरी वाले शुभम गुप्ता जी भी बड़े निराश थे। जी वही, जिनके डेढ़ सौ अश्लील वीडिया वायरल हुए बताए गए। बोले-डेढ़ सौ वीडियो की क्या गिनती करते हो जी। हमें मौका मिलता पांच भी कम पड़ते बल्कि सबसे निराश हुए प्रज्जवल रेवन्ना। वही तीन हजार वायरल वीडियो वाले। बोले-भाजपा को हमें भी मौका देना चाहिए था। आखिर, तो हम सहयोगी पार्टी हैं।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

महिला अधिकारियों के कड़े प्रयासों से बुंलदियों को छू रहा जिला अमरोहा

जिलाधिकारी अमरोहा

मत्स्य सहायक निदेशक नीतू सिंह

समाज कल्याण अधिकारी

जिला पंचायत राज अधिकारी

डाइट प्राचार्य बुढनपुर

जिला पूर्ति अधिकारी

बैसिक शिक्षा अधिकारी

पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी

सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी बबीता

दिव्यांग जन सशक्तिकरण अधिकारी

डॉक्टर आभा दत्त मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी

अमरोहा (सब का सपना) रोहित कुमार:- उत्तर प्रदेश का एक ऐतिहासिक और सांस्कृतिक रूप से समृद्ध जिला, आज महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में एक नया इतिहास रच रहा है। 2025 में, अमरोहा जिला प्रशासन में महिलाओं की मजबूत उपस्थिति और नेतृत्व के लिए चर्चा में है। जिले के विभिन्न महत्वपूर्ण प्रशासनिक पदों पर महिला अधिकारियों की नियुक्ति ने न केवल लैंगिक समानता को बढ़ावा दिया है, बल्कि समाज में महिलाओं के प्रति सोच को भी बदलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। यह लेख अमरोहा जिले में महिला सशक्तिकरण की इस प्रेरणादायक यात्रा, महिला अधिकारियों की उपलब्धियों, और उनके कार्यों के प्रभाव पर प्रकाश डालता है। महिला सशक्तिकरण का अर्थ केवल आर्थिक या सामाजिक स्वतंत्रता तक सीमित नहीं है, बल्कि यह नेतृत्व, निर्णय लेने की क्षमता, और सामाजिक परिवर्तन में सक्रिय भागीदारी को भी शामिल करता है। अमरोहा में महिला अधिकारियों की नियुक्ति ने इस दिशा में एक मील का पत्थर स्थापित किया है। जिला प्रशासन के कई महत्वपूर्ण पद, जैसे जिला अधिकारी निधि गुप्ता वत्स, उप जिलाधिकारी विभा श्रीवास्तव, उप जिलाधिकारी चंद्रकांता, उप जिलाधिकारी सुनीता सिंह, सुरभि गुप्ता, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉक्टर मोनिका, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर आभा दत्त, जिला पंचायत राज अधिकारी पारुल सिसोदिया, जिला पूर्ति अधिकारी रीना कुमारी, डाइट प्राचार्य शाहीन, सहायक मत्स्य निदेशक नीतू सिंह, जिला विकास अधिकारी सरिता द्विवेदी, जिला समाज कल्याण अधिकारी पंखुरी जैन, जिला दिव्यांग सशक्तिकरण अधिकारी शिखा शर्मा, जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी अलका चौधरी, सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी बबीता, सीओ अंजलि कटारिया, तहसीलदार लकी सिंह, और अन्य प्रशासनिक भूमिकाओं में महिलाएं अपनी जिम्मेदारियां बखूबी निभा रही हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 11 साल बेमिसाल पूरे होने पर बाटा शरबत

नौगांवा सादात (सब का सपना):- नगर पंचायत क्षेत्र के मोहल्ला अलीनगर में भारतीय जनता पार्टी राष्ट्रीय महासंपर्क अभियान विभाग के जिला संयोजक पूर्व जिला मंत्री वीरेंद्र सिंह सैनी व भाजपा नेता इकराम सैफी के नेतृत्व में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की केंद्र सरकार के 11 साल बेमिसाल कार्यक्रम के अंतर्गत भीषण गर्मी के चलते रहागीरों को रूह अफजा का ठंडा शरबत वितरित किया गया इस भीषण गर्मी में रहागीरों ने ठंडा शरबत पीकर भाजपाइयों की तारीफ करते हुए कहा कि ऐसी गर्मी में जो आप यह कार्य कर रहे हैं बहुत ही सराहनीय कार्य है और हम सभी राहगीर इसकी प्रशंसा करते हैं भाजपा नेता वीरेंद्र सिंह सैनी ने कहा कि यह भारतीय जनता पार्टी के कार्यकताओं के संस्कार है कि वह निरंतर समाज सेवा व जनता के हित में कार्य करते हैं चाहे वह कोरोना कल का समय हो, भीषण गर्मी का या अन्य कोई आपदा का क्योंकि कोरोना काल के समय भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर सभी भाजपा कार्यकताओं ने दूर-दूर फंसे श्रमिकों को पानी, भोजन, पैरों के चप्पल कपड़े आदि उपलब्ध कराने का कार्य किया था इस अवसर पर वीरेंद्र सिंह सैनी ,इकराम सैफी ,अकमल मलिक ,साबिर हुसैन सैफी,पैगाम मलिक, जीशान मलिक ,रहमत मलिक ,हुकुम सिंह चौहान,आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे

22 नफर अभियुक्तों को 170 बीएनएसएस में किया गया गिरफ्तार

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनन्द द्वारा अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के क्रम में, अपर पुलिस अधीक्षक अखिलेश भदौरिया के मार्गदर्शन में, एवं क्षेत्राधिकारी धनौरा स्वेताभ भास्कर के निकट पर्यवेक्षण में तथा प्रभारी निरीक्षक गजरौला अखिलेश प्रधान के कुशल नेतृत्व में थाना गजरौला पुलिस द्वारा 22 नफर अभि0 1. रिजवान पुत्र अख्तर उम्र करीब 26 वर्ष 2. मौ0 नवाज पुत्र मौ0 खलीक उम्र करीब 20 वर्ष निवासीगण मौहल्ला इन्दिरानगर हल्द्वानी थाना भनभूलपुरा जनपद नैनीताल उत्तराखण्ड । 3. दिव्यम भारद्वाज पुत्र विमल कुमार उम्र करीब 28 वर्ष निवासी मौहल्ला शिवपुरी कस्बा व थाना गजरौला जनपद अमरोहा 4.नसरूद्दीन पुत्र अलाउद्दीन उम्र करीब 26 वर्ष 5.मौसम अली पुत्र अलाउद्दीन उम्र करीब 42 वर्ष निवासीगण ग्राम शेरगढ़ी थाना हसनपुर जनपद अमरोहा 6. शमशाद उम्र करीब 42 वर्ष 7. इरशाद उम्र करीब 38 वर्ष 7. इरफान उम्र करीब 24 वर्ष पुत्रगण अलीशेर निवासी मौहल्ला मायापुरी कस्बा व थाना गजरौला जनपद अमरोहा 9. नौशाद पुत्र इन्साद अली उम्र करीब 25 वर्ष निवासी ग्राम कसेरुवा थाना गजरौला जनपद अमरोहा 10. बब्लू पुत्र लेखराज उम्र करीब 48 वर्ष निवासी ग्राम पाल थाना गजरौला जनपद अमरोहा 11. किशोरी पुत्र फूल सिंह निवासी ग्राम सलेमपुर गोसाई थाना गजरौला जनपद अमरोहा 12. हरवेन्द्र पुत्र मोहन सिंह उम्र करीब 22 वर्ष निवासी ग्राम खादगूजर थाना गजरौला जनपद अमरोहा 13. जाहिद पुत्र सकूरा उम्र करीब 42 वर्ष 14. अलीवारिस पुत्र शौकत उम्र करीब 26 वर्ष 15. जामिन अली पुत्र शौकत उम्र करीब 20 वर्ष 16. रुखसान पुत्र सकूरा उम्र करीब 45 वर्ष निवासी ग्राम मोहरका पट्टी थाना गजरौला जनपद अमरोहा 17. अबरार पुत्र इशहाक उम्र करीब 22 वर्ष 18. सादिक पुत्र तोसीब उम्र करीब 22 वर्ष निवासीगण ग्राम मोहरका पट्टी थाना गजरौला जनपद अमरोहा 19. प्रवेज पुत्र रियाजुद्दीन उम्र 26 वर्ष 20. रियाजुद्दीन पुत्र हसमत उम्र 42 वर्ष निवासीगण ग्राम बिजौरा थाना गजरौला जनपद अमरोहा 21. उस्मान पुत्र महरूम उम्र 26 वर्ष 22. नाजिम पुत्र मुकरम उम्र 19 वर्ष निवासी ग्राम बिजौरा थाना गजरौला जनपद अमरोहा अन्तर्गत धारा 170/126/135 बीएनएसएस में गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया गया ।

पम्पलेट/पोस्टर चस्पा कर बालश्रम के बारे में जनता को किया गया जागरुक

अमरोहा (सब का सपना):-विश्व बालश्रम निषेध दिवस* पर पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद के आदेशानुसार एवं अपर पुलिस अधीक्षक नोडल अधिकारी अखिलेश भदौरिया व क्षेत्राधिकारी अभिषेक यादव के निर्देशन में थाना अलळव प्रभारी निरीक्षक राजेंद्र कुमार, महिला हैड कांस्टेबल पूजा और सोनल, कांस्टेबल गोपाल सिंह और बाल कल्याण समिति अमरोहा अध्यक्ष अतुलेश भारद्वाज की संयुक्त टीम द्वारा थाना नौंगवा सादात क्षेत्र में बाल श्रमउन्मूलन/भिक्षावृत्ति उन्मूलन

रोकथाम अभियान चलाया गया, अभियान के दौरान टीम द्वारा कस्बा नौंगवा सादात में होटल, ढाबों, मिठाई की दुकानों व आटोमोबाईल वर्कशाप रोडवेज बस स्टेंड पर बालश्रम रोकथाम एवं बाल भिक्षावृत्ति रोकथाम अभियान चलाया गया जिसमें पम्पलेट/पोस्टर चस्पा कर बालश्रम के बारे में जनता को जागरुक किया ॥। तथा इमरजेंसी सहायता हेतु शासन एवं प्रशासन द्वारा जारी टोल फ्री हेल्पलाइन नंबर, चाईल्ड लाईन 1090, 1098, 108, 112, 1076, 181 आदि के संबंध में जानकारी दी गई।

एक वांछित महिला अभियुक्त को पुलिस ने किया गिरफ्तार...

बहजोई/संभल (सब का सपना):- एक वांछित महिला अभियुक्त को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है 15 अप्रैल को थाना बहजोई पर वादी हंसराज पुत्र चोखे सिंह निवासी ग्राम भरतरा थाना बहजोई जनपद सम्भल के द्वारा तहरीरी सूचना पर वादी की बहन को दहेज के लिए जान से मार देना तथा मारकर उसके शव को रेलवे लाईन पर डाल देने के सम्बन्ध में मुकदमा पंजीकृत किया गया था। इसी संबंध में 11 जून को वांछित 1 अभियुक्ता विमलेश पत्नि इन्द्रपाल निवासी ग्राम किशनपुर श्यामपुर थाना धनारी जनपद सम्भल को थाना बहजोई पर तैनात उप निरीक्षक राजेन्द्र सिंह के द्वारा मय पुलिस बल के इस्लामनगर चौराहा बहजोई से गिरफ्तार किया गया है।

चोरी के सामान व नकदी सहित एक आरोपी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

सब का सपना

बहजोई/संभल। पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार के कुशल निर्देशन में जनपद में 12 जून को कानून व्यवस्था, अपराध एवं अपराधियों पर प्रभावी नियंत्रण हेतु चलाये गये अभियान में कार्यवाही की गयी। जिसमें 10 जून को थाना बहजोई पर वादी राजेश पुत्र रामपाल निवासी ग्राम किरारी थाना बहजोई जनपद सम्भल की तहरीरी सूचना पर वादी के घर से रात्रि में अज्ञात चोरों द्वारा सामान चोरी करने के सम्बन्ध में

थाना बहजोई पर सुसंगत धाराओं में अभियोग पंजीकृत किया गया था। जिसको लेकर 12 जून को थाना बहजोई पुलिस टीम द्वारा आरोपी सुभाष उर्फ सोती पुत्र तुलाराम निवासी ग्राम लदनपुर थाना कैलादेवी जनपद सम्भल को मुखबिर की सूचना पर ग्राम बल्लमपुर की पुलिया से करीमपुर नहर के डैम से एक सैमसंग एन्ड्राइड मोबाइल रंग नीला जिसके ऊपर काले रंग का कवर, एक जोड़ी सफेद धातु के खडवा, एक सफेद धातु की चैन, बिना सीले हुए 4 कपड़ो के टुकड़े (एक सफेद, एक ग्रे, एक आसमानी, एक काला), 3500 रुपये नकद एक खुला पैकैट जिसमें तीन सफेद कपड़ा धोने के साबुन, दो आधार कार्ड के सहित गिरफ्तार किया गया है।

जिलाधिकारी ने की सीएम डैशबोर्ड की समीक्षा

अमरोहा (सब का सपना):- जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स द्वारा कलेक्ट्रेट सभागार में मुख्यमंत्री डैशबोर्ड में विभागीय रैंक व लक्ष्य के सापेक्ष प्रगति की समीक्षा की गई । इस अवसर पर जिलाधिकारी ने सभी विभागों से एक-एक करके पिछले माह में रैंकिंग और लक्ष्य के सापेक्ष वर्तमान प्रगति की जानकारी ली । स्थापना औद्योगिक विकास, आईटी एवं इलेक्ट्रॉनिक आबकारी, खाद्यय एवं रसद , गेहूं खरीद मंडी विद्युत पंचायतीराज लोक निर्माण , आईजीआरएस दुग्ध विकास सिंचाई सहित अन्य विभागीय अधिकारियों जिनकी सी, डी, ई, खराब रैंकिंग प्राप्त हुई है नाराजगी व्यक्त की और सुधार की हिदायद देते हुए तत्काल प्रभाव से बेतन रोकने के निर्देश दिया । कहा जब तक विभागीय रैंक में सुधार नहीं होगा बेतन नहीं निकाला जाएगा । जिलाधिकरी ने असन्तोष व्यक्त करते हुए कहा कि किसी भी स्थिति में जनपद की रैंकिंग नही गिरनी चाहिए सघन मानीटरिंग किया जाये । जिलाधिकारी ने कहा कि सभी विभाग अपने लक्ष्य को चेक कर लें कोई दिक्कत है तो विभाग स्तर पर बात करें । कोई भी हो रैंकिंग सुधरनी चाहिए फीडिंग की कोई दिक्कत है तो अपडेट कर उसको ठीक कर लें एक प्लानिंग के तहत कार्य करें । जिलाधिकारी ने कहा कि यदि लक्ष्य के सापेक्ष उपलब्धि नहीं प्राप्त हुई और रैंक बिगड़ती है तो कठोर कार्यवाही की जाएगी। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर सत्यपाल अधिशासी अभियंता पी डब्लू डी जिला पिछड़ावर्ग कल्याण अधिकारी संभागीय परिवहन अधिकारी प्रशासन सहित अन्य सम्बन्धित मौजूद रहे।

अमरोहा जिले में विकास ओर स्वच्छता की जीती जगाती मिसाल :- जिला पंचायत राज अधिकारी पारुल सिसोदिया

अमरोहा (सब का सपना) रोहित कुमार:- उत्तर प्रदेश का एक ऐतिहासिक और सांस्कृतिक रूप से समृद्ध जिला, हाल के दिनों में अपनी साफ-सफाई और विकास कार्यों के लिए चर्चा में रहा है। इस बदलाव में जिला पंचायत राज अधिकारी (डीपीआरओ) पारुल सिसोदिया की सक्रिय भूमिका को सराहा जा रहा है। उनके नेतृत्व में जिले में साफ-सफाई और ग्रामीण विकास के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति देखने को मिली है। यह लेख उनके द्वारा किए गए कार्यों, उनकी रणनीतियों और अमरोहा के समग्र विकास पर उनके प्रभाव को विस्तार से प्रस्तुत करता है। पारुल सिसोदिया, अमरोहा की जिला पंचायत राज अधिकारी, एक कुशल प्रशासक और समर्पित अधिकारी के रूप में जानी जाती हैं। उनकी नियुक्ति के बाद से ही उन्होंने जिले की ग्रामीण व्यवस्था को मजबूत करने और स्वच्छता के क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव लाने का लक्ष्य रखा। पंचायती राज विभाग के अंतर्गत, वह ग्राम पंचायतों, क्षेत्र पंचायतों और जिला पंचायत के कार्यों की देखरेख करती हैं। उनकी प्राथमिकता रही है कि ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छता और बुनियादी ढांचे के विकास को प्राथमिकता दी जाए, ताकि अमरोहा के निवासियों को बेहतर जीवन स्तर प्राप्त हो सके। पारुल सिसोदिया ने जोया ब्लॉक की ग्राम पंचायत कांकर सराय और धनौरा मुरादनगर में पंचायत भवनों, सामुदायिक शौचालयों और सार्वजनिक स्थानों का औचक निरीक्षण किया। सफाई व्यवस्था में कमी पाए जाने पर दो सफाई कर्मियों, मुनेश देवी और शोभा देवी, को ठेके पर कार्य कराने के आरोप में निलंबित किया, जिससे अनुशासन और जिम्मेदारी सुनिश्चित हुई थी। उन्होंने ग्राम पंचायत स्तर पर स्वच्छता समितियों को सक्रिय करने के निर्देश दिए। इन समितियों को कचरा प्रबंधन, जल निकासी और सार्वजनिक स्थानों की सफाई की जिम्मेदारी सौंपी गई। नियमित निगरानी

के माध्यम से यह सुनिश्चित किया गया कि सफाई कार्य समयबद्ध और प्रभावी ढंग से हो।ग्रामीणों, विशेषकर स्कूलों और सामुदायिक केंद्रों में स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए अभियान चलाए गए। इनमें कचरा प्रबंधन, जल संरक्षण और पर्यावरण संरक्षण पर जोर दिया गया। बच्चों को स्वच्छता के महत्व के बारे में शिक्षित करने के लिए विशेष कार्यक्रम आयोजित किए गए इस दौरान हाल ही में आयोजित गंगा तिगरी मेले में पारुल सिसोदिया ने स्वच्छता को प्राथमिकता दी। जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक के साथ मिलकर मेले के परिसर में शुद्ध पेयजल, मजबूत बैरिकेडिंग, और घाटों की सफाई सुनिश्चित की। विशेष सफाई टीमें तैनात की गईं, ताकि श्रद्धालुओं को स्वच्छ वातावरण मिले।ग्रामीण क्षेत्रों में कचरा संग्रहण और निपटान के लिए व्यवस्थित तंत्र विकसित किया गया। सामुदायिक शौचालयों और जल निकासी व्यवस्था को बेहतर बनाने पर भी ध्यान दिया गया, जिससे गाँवों में स्वच्छता का स्तर बढ़ा। पारुल सिसोदिया के इन प्रयासों से अमरोहा जिले में स्वच्छता के प्रति जागरूकता और व्यवस्था में सुधार हुआ है। हालांकि, कुछ क्षेत्रों में सफाई कर्मियों की लापरवाही और संसाधनों की कमी जैसी चुनौतियाँ बनी हुई हैं। इनसे निपटने के लिए उन्होंने नियमित निरीक्षण और सख्त कार्रवाई की नीति अपनाई है। पारुल सिसोदिया के समर्पण और रणनीतिक दृष्टिकोण ने अमरोहा को स्वच्छता के क्षेत्र में एक नई दिशा दी है। उनके प्रयास न केवल ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छ वातावरण सुनिश्चित कर रहे हैं, बल्कि स्थानीय समुदाय को स्वच्छता के प्रति प्रेरित भी कर रहे हैं। यह अमरोहा के लिए एक मॉडल के रूप में उभर सकता है।

आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि नगर पालिका परिषद गजरौला में मोहल्ला अंबेडकर नगर के पार्क की भूमि पर टीन व लोहे की बिक्री नीलामी दिनांक 20/06/2025 को अपराहनः 2:00 बजे की जानी है। अतः इच्छुक व्यक्ति दिनांक 20/06/ 2025 को नगर पालिका परिषद गजरौला कार्यालय में उपस्थित होकर निर्धारित धनराशि रुपए 25000 नगद धनराशि जमा करने के उपरांत बोली लगाने में प्रतिभाग कर सकता है। नीलामी स्वीकृत एवं अस्वीकृत करने का समस्त अधिकार अधिशासी अधिकारी/अध्यक्ष नगर पालिका परिषद गजरौला में निहित है। तथा लिए गए निर्णय पर किसी भी न्यायालय में जाने का अधिकार नहीं होगा।

अधिशासी अधिकारी
नगर पालिका परिषद गजरौला (अमरोहा)
अध्यक्षा
नगर पालिका परिषद गजरौला (अमरोहा)

कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित किया गया मेधावी विद्यार्थी सम्मान एवं मुख्यमंत्री विद्यालय खेल पुरस्कार सम्मान समारोह

अमरोहा (सब का सपना):- शिक्षा निदेशक माध्यमिक उत्तर प्रदेश लखनऊ के पत्र दिनांक 10 जून 2025 के क्रम में माध्यमिक शिक्षा परिषद द्वारा आयोजित परीक्षा 2025, के हाई स्कूल एवं इंटरमीडिएट के प्रदेश स्तर एवं जनपद स्तर के प्रथम 10 मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित किए जाने के आदेश के क्रम में जनपद अमरोहा के प्रदेश स्तर की योग्यता सूची में स्थान प्राप्त 01 हाई स्कूल एवं 03 इंटरमीडिएट, 03 संस्कृत बोर्ड, 01 सीबीएसई बोर्ड कुल 08 को आज दिनांक 12 जून 2025 को लोग भवन लखनऊ में आयोजित समारोह में मुख्यमंत्री के कर कमलों द्वारा ड्ड100000 का चेक, एक टैबलेट, एक प्रशस्ति पत्र, एक मेडल प्रदान कर सम्मानित किया गया। साथ ही मुख्यमंत्री के समारोह का सजीव प्रसारण गांधी सभागार कलेक्ट में 16 जनपद स्तर की योग्यता सूची के मेधावी विद्यार्थियों, विद्यार्थियों के अभिभावकों, विद्यालयों के प्रबंधक, प्रधानाचार्य एवं अध्यापक , जनप्रतिनिधियों आदि ने देखा। तदोपरांत गांधी सभागार कलेक्ट्रेट में जनपद स्तर के हाई स्कूल के 09 एवं इंटरमीडिएट के 07 मेधावी विद्यार्थियों को जनप्रतिनिधियों एवं जिलाधिकारी के द्वारा ड्ड21000 का चेक, एक टैबलेट, एक प्रशस्ति पत्र, एक मेडल से सम्मानित किया गया। दैनिक अमर उजाला फाउंडेशन की ओर से मेधावी छात्राओं को प्रशस्ति पत्र प्रदान का सम्मानित किया गया ।साथ ही स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित 68वीं राष्ट्रीय विद्यालय खेल प्रतियोगिता 2024 25 में भारोत्तोलन में कांस्य पदक विजेता खिलाड़ी दीपकुमार को ड्ड30000 का चेक, एक प्रशस्ति पत्र,एक मेडल से सम्मानित किया गया । गांधी सभागार कलेक्ट अमरोहा में आयोजित मेधावी विद्यार्थी सम्मान समारोह एवं मुख्यमंत्री विद्यालय खेल पुरस्कार सम्मान समारोह के कार्यक्रम के अवसर पर जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स ने मेधावी छात्र छात्राओं को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि उन्हें अभी अपने जीवन की लंबी यात्रा करनी है। जीवन भर अपने जीवन मूल्यों को संरक्षित करते हुए आगे बढ़ाना है । जिला विद्यालय निरीक्षक वी पी सिंह ने अवगत कराया कि उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद द्वारा आयोजित परीक्षा 2025 में जनपद का प्रदेश में हाई स्कूल में 15 वाँ एवं इंटरमीडिएट में दूसरा स्थान रहा है। यह स्थिति जनपद के लिए बहुत ही गौरवपूर्ण है। इस अवसर पर शशि जैन अध्यक्ष नगर पालिका परिषद अमरोहा ब्लॉक प्रमुख अमरोहा, गुरिंदर सिंह, पूर्व जिला अध्यक्ष गिरीश त्यागी जी, भूप सिंह बेनीवाल जिला उपाध्यक्ष अपर जिला अधिकारी वित्त एवं राजस्व बृजेश कुमार त्रिपाठी जी, डॉ धर्म सिंह, जी पी सिंह, पवन कुमार त्यागी राजेंद्र सिंह, स्नेह लता चारु शर्मा संजीव कुमार, असलम जोगिंद्र सिंह आदि जन प्रतिनिधि, अधिकारीगण, मेधावी विद्यार्थियों के अभिभावक, विद्यालयों के प्रबंधक एवं प्रधानाचार्य आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन मदनपाल सिंह जिला समन्वयक समग्र शिक्षा माध्यमिक ने किया।

गजरौला के आर.के. शूटिंग रेंज के तीन खिलाड़ियों ने शूटिंग प्रतियोगिता में जीता सिल्वर मेडल

ऑक्सफोर्ड इंटरनेशनल स्कूल के तीन विद्यार्थियों का अगली प्रतियोगिता के लिए चयन

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना) कविन्द्र सिंहः- गजरौला के आर. के. शूटिंग रेंज एवं ऑक्सफोर्ड इन्टरनेशनल स्कूल के खिलाड़ियों ने शूटिंग प्रतियोगिता में सिल्वर मेडल जीतकर क्षेत्र में ही नहीं वल्कि जनपद भर में धमाल कर दिखाया है और अमरोहा जिले का नाम रोशन किया है। साथ ही ऑक्सफोर्ड इंटरनेशनल स्कूल के तीन विद्यार्थियों का चयन अगली प्रतियोगिता के लिए हुआ है। बता दें कि गजरौला स्थित क्षेत्र की प्रतिष्ठित आर. के. शूटिंग रेंज के होनहार खिलाड़ियों ने हाल ही में आयोजित शूटिंग प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए अमरोहा जिले का नाम रोशन किया है। आयोजित प्रतियोगिता भाग लेने वाले बच्चों में दक्ष चौधरी पुत्र अनुज चौधरी ग्राम ढकिया भुड़, निशांत चौधरी पुत्र श्री ओमवीर चौधरी ग्राम भानपुर, तथा शरद कुमार गोला पुत्र राम गोपाल सिंह निवासी धनोरा,ने सिल्वर मेडल जीतकर क्षेत्र और जिले का गौरव बढ़ाया है। वहीं ऑक्सफोर्ड इंटरनेशनल स्कूल के तीन विद्यार्थियों गंधर्व तरार पुत्र गौरव चौधरी निवासी गजरौला,विनायक शर्मा पुत्र हेमंत शर्मा ग्राम खाई खेड़ा, लक्ष्य निवासी गजरौला का अगली प्रतियोगिता के लिए चयन किया गया है। इन खिलाड़ियों की सफलता के पीछे कोच अनुज चौधरी का कुशल मार्गदर्शन और प्रेरणा रही। इस उत्कृष्ट उपलब्धि पर क्षेत्र के सीओ श्वेताभ भास्कर ने सभी विजेता छात्रों एवं कोच अनुज चौधरी को सम्मानित किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।विद्यालय परिजन और क्षेत्रवासियों ने भी इस ऐतिहासिक पल पर हर्ष जताया और खिलाड़ियों की मेहनत, अनुशासन और समर्पण को सराहा। यह सफलता निश्चित ही आने वाली युवा पीढ़ी के लिए एक प्रेरणास्रोत सिद्ध होगी।

मुख्यमंत्री पंचायत प्रोत्साहन पुरस्कार योजना के अंतर्गत उत्कृष्ट ग्राम पंचायत के किए जाएंगे आवेदन

अमरोहा (सब का सपना) रोहित कुमारः- मुख्यमंत्री पंचायत फिरोज सहन पुरस्कार योजना के अंतर्गत क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाली ग्राम पंचायत के आवेदन किए जाएंगे। जिले में ऐसी ग्राम पंचायत जिन्होंने 2024 और 25 में उत्कृष्ट कार्य किया है। ग्राम पंचायत को अपने लॉगिन आईडी वह पासवर्ड के माध्यम से कम अवार्ड पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन किया जाएगा इस वर्ष से आवेदन बेसिक क्वालिफिकेशन के प्रश्न निर्धारित किए गए हैं अर्थात ऑनलाइन पोर्टल पर दो आवेदन पात्र होंगे। जिसमें प्रथम आवेदन बेसिक पर पत्र के प्रश्नावली में निर्धारित प्रश्नों में सफल होने के उपरांत ही जो थीम विषय की प्रश्नावली के मुख्य आवेदन में पुरस्कार के लिए ग्राम पंचायत प्रवेश कर सकेंगी । ग्राम पंचायत द्वारा वित्तीय वर्ष 2024 25 में किए गए उत्कृष्ट कार्यो के आधार पर निर्धारित कर जनपद पर परफॉर्मेंस एसेसमेंट समिति हेतु ऑनलाइन फ्रिज किया जाएगा। जनपद स्तरीय समिति द्वारा ऑनलाइन आवेदनों का परीक्षण कर पुरस्कृत होने वाली ग्राम पंचायत की संख्या में काम से कम तीन गुना ग्राम पंचायत का अनिवार्य रूप से स्थलीय सत्यापन की कार्यवाही सत्यापन दाल का गठन कर कराया जाएगा। इसी के साथ प्रत्येक विकासखंड की कम से कम 15% ग्राम पंचायत द्वारा योजना के अंतर्गत विकसित पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन किया जाना अनिवार्य होगा। प्रत्येक जनपद की एक विकासखंड से 2 ग्राम पंचायत से अधिक ग्राम पंचायत को पुरस्कार के लिए ऑनलाइन आवेदन किया जाना अनिवार्य होगा। इसी के साथ प्रत्येक जनपद की एक विकास खंडों से दो ग्राम पंचायत से अधिक ग्राम पंचायत को पुरस्कार ऑनलाइन अग्रसारित नहीं किया जाएगा। प्रत्येक विकासखंड की कम से कम 15% ग्राम पंचायत द्वारा योजना विकसित पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन किया जाना अनिवार्य होगा। ऐसी ग्राम पंचायत है जोकि वर्ष विगत वर्षों में दो बार पुरुष मृत हो चुकी हैं। आगामी पुरस्कार के लिए दूसरा पुरस्कार प्राप्त करने के वर्ष से 5 वर्ष पश्चात पुरस्कार हेतु आवेदन करने के अर्ह होंगी।

जिले के सभी ब्लॉकों में लगेंगे दिव्यांगों के लिए लगेंगे कैम्प, डीएम ने शतप्रतिशत दिव्यांगों को लाभ दिलाए जाने के दिए निर्देश

अमरोहा(सब का सपना):- जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स की अध्यक्षता में दिव्यांग बच्चों के चिन्हाकन एवं पुनर्वासन के दृष्टिगत जनपद स्तर पर गठित समिति के माध्यम से किए जाने वाले कार्यों से संबंधित बैठक आयोजित की गई। इस अवसर पर जिला दिव्यांग कल्याण अधिकारी शिखा शर्मा ने कमेटी के दायित्वों के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी जिलाधिकारी महोदया को अवगत कराई। कहा की 15 अगस्त 2025 तक दिव्यांग बच्चों के चिन्हाकन के लिए ब्लॉक स्तर पर शिविर का आयोजन किया जाएगा जिसमें दिव्यांग बच्चों के चिकित्सीय परीक्षण दिव्यांगता प्रमाण पत्र और उनकी आवश्यकता के सहायक उपकरण उपलब्ध कराया जाएगा। जिलाधिकारी ने कहा कि एक विशेष अभियान के रूप में इस कार्य को किया जाए प्रत्येक दिव्यांग बच्चों तक पहुंच हो सके और उनका एक डेटाबेस भी तैयार हो सके इसके लिए संबंधित विभाग गंभीरता के साथ कार्य करेंगे इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही ना हो। कहा शिविर में चिन्हित दिव्यांग बच्चों को उनकी आवश्यकता अनुसार सहायक उपकरण चिकित्सा सुविधा शिक्षण प्रशिक्षण विद्यालयों में प्रवेश व सरकार की अन्य योजनाओं से लाभान्वित किया जाए । जिलाधिकारी ने कहा कि यह सुनिश्चित हो कि कोई भी दिव्यांग वंचित न रहे चिन्हांकर ठीक ढंग से हो जाए। बेसिक और माध्यमिक विद्यालयों में अध्यन रत बच्चों के चिन्हाकन में किसी भी प्रकार की लापरवाही ना हो जनप्रतिनिधियों का भी सहयोग लिया जाए । कह जो बच्चे विद्यालय में नहीं जा रहे हैं उनके चिन्हाकन और डाटा तैयार करने के लिए प्रभावी कार्रवाई किया जाए । कैम्प में चिकित्सकीय परीक्षण, दिव्यांग प्रमाण पत्र बनाने, उनकी आवश्यकता के अनुरूप सहायक उपकरण जैसे ट्राईसाईकिल, वैसाखी, ब्हीलचेयर एवं कान की मशीन, एम0आर0 किट, स्मार्ट केन, हाथ की कोहनी या कंधा से हाथ कटने पर कृत्रिम हाथ एवं पैर के घुटने या जांग से पैर कटने पर कृत्रिम पैर, पैरों में पोलियो होने पर कैलिपर सहित अन्य योजनाओं का लाभ दिलाया जाएगा। इस हेतु 16 जून, 2025 से 18 जून, 2025 (पूर्वान्ह 11:00 बजे) सोमवार, मंगलवार बुधवार विकास खण्ड, धनौरा , 19 जून, 2025 से 21 जून, 2025 (प्रातः 11:00 बजे) गुरूवार शुक्रवार शनिवार विकास खण्ड गजरौला, 23 जून, 2025 से 25 जून, 2025 (प्रातः 11:00बजे) सोमवार, मंगलवार बुधवार विकास खण्ड अमरोहा, 26 जून, 2025 से 28 जून, 2025 (प्रातः 11: 00बजे) बृहस्पतिवार, शुक्रवार शनिवार विकास खण्ड जोया, 30 जून, 2025 से 02 जुलाई, 2025 (प्रातः 11 :00 बजे) सोमवार, मंगलवार बुधवार विकास खण्ड गंगेश्वरी, 03 जुलाई, 2025 से 05 जुलाई, 2025 (प्रातः 11: 00 बजे) बृहस्पतिवार, शुक्रवार शनिवार विकास खण्ड हसनपुर में किया जाएगा । शिविर आयोजन स्थल पर दिव्यांगजन निम्नलिखित प्रमाण पत्र मूल रूप में एवं छायाप्रति(फोटोस्टेट) साथ लायें।, दिव्यांग प्रमाण पत्र। 2- दो पासपोर्ट साइज के फोटो । 3- आय प्रमाण पत्र (तहसील द्वारा प्रदत्त प्रमाण पत्र) जिनकी आय गरीबी की रेखा (वर्तमान में ग्रामीण क्षेत्रों में रू0 46080/- तथा शहरी क्षेत्रों में रू0 56460/-प्रति परिवार प्रतिवर्ष निर्धारित है। इसके अतिरिक्त आय प्रमाण पत्र ग्राम प्रधान का भी मान्य होगा। 4- निवास करने की अवधि का राजपत्रित/ग्राम प्रधान का प्रमाण पत्र। 5- अनूसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति की स्थिति में जाति प्रमाण पत्र। 6- आधार कार्ड एवं मोबाईल नम्बर आवश्यक होगा। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर सत्यपाल जिला दिव्यांग कल्याण अधिकारी सहित अन्य संबंधित मौजूद रहे।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में हुई अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की बैठक

हापुड (सब का सपना):- कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी अभिषेक पांडेय की अध्यक्षता में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 21 जून 2025 के संबंध में बैठक आहूत की गई जिसमें पुलिस अधीक्षक, मुख्य विकास अधिकारी, मुख्य चिकित्सा अधिकारी एवं सभी विभाग के अधिकारी नोडल अधिकारी डॉ अभय सिंह जिला होम्योपैथिक अधिकारी डॉक्टर शैलेंद्र कुमार गुप्ता एवं आयुष विभाग के समस्त चिकित्सा अधिकारी के साथ-साथ योग प्रशिक्षक एवं निजी संस्थाओं के योग प्रशिक्षक भी उपस्थित हुए। बैठक में जिलाधिकारी ने बड़ा ही स्पष्ट करते हुए निर्देशित किया कि इस वर्ष अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 21 जून 2025 एवं योग सप्ताह 15 जून से 21 जून 2025 को बहुत ही बड़े स्तर पर मनाया जाएगा और इसमें अधिक से अधिक लोगों को योग के लिए प्रेरित किया जाएगा इसके अतिरिक्त ही तहसील, ब्लाक, ग्राम पंचायत स्तर पर भी लोगों को योग से जुड़ने के लिए जगह-जगह योग से संबंधित कार्यक्रम कराए जाएंगे।

कैनाल में घटिया निर्माण कराने की दर्ज कराई शिकायत

सुमेरपुर हमीरपुर। पत्योरा के एक दर्जन किसानों ने अधिशाषी अभियंता को शिकायत सौंपकर पंप कैनाल की नहर में चल रहे निर्माण कार्य में धांधली किए जाने का आरोप लगाया है किसानों का आरोप है कि 20 करोड़ की लागत से कराए जा रहे हैं निर्माण कार्य में मानकों की जमकर धज्जियां उड़ाई जा रही है। पत्थर की पटियों को बालू सीमेंट के बजाय मिट्टी के सहारे दबाकर लगाया जा रहा है। पत्योरा के किसान राम प्रसाद, बदलू, रामकरन, राकेश, घनश्याम, रामस्वरूप, रामकुमार, रमेश, शंकर, भइयालाल आदि ने अधिशाषी अभियंता लघु डाल नहर को दिये शिकायती पत्र में आरोप लगाया है कि ठेकेदार अवर अभियंता से सांठगांठ बनाकर मानको को ताक पर रखकर कार्य करा रहे हैं। किसानों का कहना है कि तीन किलोमीटर पम्प कैनाल को पक्की नहर में तब्दील करने के लिए शासन से 20 करोड़ की धनराशि निर्गत हुई है। ठेकेदार पत्थर की पटियों को बालू सीमेंट की बजाय मिट्टी के सहारे दबाकर निर्माण कार्य में धांधली कर रहा है। पंप कैनाल के अधिशाषी अभियंता शरद चौहान ने बताया कि शिकायत मिली है जांच सहायक अभियंता को सौंपी है अगले सप्ताह वह खुद जाकर मौके पर जाकर कार्य की गुणवत्ता का अवलोकन करेंगे। अवर अभियंता राहुल प्रकाश ने बताया कि नहर खुदाई के लिए पटिया हटाई गई थी

पुलिस महानिदेशक राजीव सभरवाल द्वारा गार्द की सलामी लेकर बहजोई में किए जा रहे कार्यों का निरीक्षण किया गया...

बहजोई/संभल(सब का सपना):- अपर पुलिस महानिदेशक डॉ भीमराव अंबेडकर पुलिस अकादमी मुरादाबाद राजीव सभरवाल द्वारा गार्द की सलामी लेकर, पुलिस अधीक्षक जनपद सम्भल कृष्ण कुमार के साथ आगामी रिक्रूट आरक्षियों के प्रशिक्षण के दृष्टिगत ईश्वर दास टैक्निकल इन्स्टीट्यूट बहजोई में किये जा रहे कार्यों का निरीक्षण किया गया तथा रिक्रूट आरक्षियों के व्यवस्थापन तथा ट्रेनिंग की व्यवस्थाओं जैसे मैस, बैरक, स्नानघर, कक्षाओं आदि का जायजा लेकर व्यवस्थाओं को मानक अनरूप पूर्ण करने के सम्बन्ध में सम्बन्धित को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गये। इस दौरान क्षेत्राधिकारी सम्भल आलोक कुमार, क्षेत्राधिकारी यातायात डॉ प्रदीप कुमार सिंह, गोपनीय सहायक, प्रतिसार निरीक्षक, प्रभारी आरटीसी आदि अधिकारीगण मौजूद रहें।

शहर में बाल श्रम के विरुद्ध चला जागरूकता हस्ताक्षर अभियान

अमरोहा (सब का सपना) रोहित कुमारः- जनपद के श्रम परिवर्तन अधिकारी डॉक्टर एसपी सिंह ने अमरोहा शहर में हस्ताक्षर अभियान चलाकर बाल श्रम के विरुद्ध लोगों को जागरूक किया। इस दौरान श्रम परिवर्तन अधिकारी डॉक्टर एसपी सिंह ने विभाग के सभी कर्मचारियों के साथ शहर के आई एम इंटर कॉलेज पर लगने वाले लेबर अड्डे पर पहुंचे, जहां उन्होंने बाल श्रम के विरुद्ध जागरूकता हस्ताक्षर अभियान के बैनर पर मजदूरों के हस्ताक्षर कराकर बाल श्रम के विरुद्ध जागरूकता का संदेश दिया। और साथ ही सभी को बाल श्रम के विरुद्ध शिक्षा का पाठ बढ़ाया। उन्होंने कहा है कि 18 वर्ष से कम बच्चों को बाल श्रम नहीं करना चाहिए। और नहीं बच्चों से बाल श्रम करवाना चाहिए। बाल श्रम करवाने पर परिवार और मलिक दोनों को सजा हो सकती है। इस अवसर पर डॉक्टर एसपी सिंह प्रभारी श्रम प्रवर्तन अधिकारी जनपद अमरोहा एवं अन्य स्टाफ उपस्थित रहा।

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजनान्तर्गत तीन दिवसीय दिव्य गर्भसंस्कार विज्ञान कार्यशाला सम्पन्न

सम्भल(सब का सपना):- बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओं योजनान्तर्गत जिलाधिकारी डा. राजेन्द्र पैसिया के प्रेरेणा एवं निदेर्शानुसार अन्तिम दिवस गुरुवार को बी.आर.रिसोर्ट, बबराला रोड, बहजोई जनपद सम्भल में तीन दिवसीय कार्यशाला दिव्य गर्भसंस्कार विज्ञान कार्यशाला का सुभारम्भ आकाक्षा समिति अध्यक्षा डॉ. ऊषा राजेन्द्र पैंसिया, आकांक्षा समिति उपाध्यक्ष श्रीमती मृदुला भट्ट, जिला प्रोबेशन अधिकारी चन्द्रभूषण, अमिता पैसिया, पूनम सिंह, संगीता भार्गव, रचना यादव, ममता राजपूत के द्वारा दीप प्रज्जवलन के साथ मॉ सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया गया। डा. उषा राजेन्द्र पैसिया ने कहा कि आज के तनाव पूर्ण और भागदौड़ भरे जीवन में मातृत्व को दिव्यता प्रदान करना एक आवश्यक आवश्यकता बन गया है। इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए महिला कल्याण विभाग सम्भल द्वारा बेटी बचाओ बेटी पढाओ योजनान्तर्गत तीन दिवसीय दिव्य गर्भसंस्कार कार्यशाला का आयोजन किया गया है। यह कार्यशाला गर्भवती माताओं और भावी माता-पिता के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध होगी। भारतीय संस्कृति की प्राचीन परंपराओं को आधुनिक विज्ञान के साथ जोड़ते हुए एक अनूठी दिव्य गर्भ संस्कार कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। यह कार्यशाला गर्भवती माताओं, होने वाले माता.पिता और परिवारों को गर्भावस्था के दौरान आध्यात्मिक मानसिक और शारीरिक रूप से स्वस्थ संतान के लिए प्राचीन वैदिक ज्ञान से परिचित कराएगी। गर्भ संस्कार न केवल शारीरिक स्वास्थ्य बल्कि मानसिक, आध्यात्मिक और भावनात्मक विकास के लिए भी महत्वपूर्ण होते हैं। यह कार्यशाला वेदों, आयुर्वेद, योग, ध्यान और आधुनिक चिकित्सा विज्ञान के समन्वय से तैयार की गई है। इसमें विशेषज्ञ डॉक्टर, आयुवेर्दाचार्य, योगाचार्य और आध्यात्मिक मार्गदर्शक अपने अनुभव और मार्गदर्शन से प्रतिभागियों को लाभान्वित करा रही है। गर्भ संस्कार की महत्वता के बारे मे बताते हुए कहा कि वैदिक ग्रंथों और आधुनिक शोध के आधार पर गर्भावस्था के दौरान सकारात्मक संस्कारों का बच्चे के भविष्य पर प्रभाव, वैज्ञानिक दृष्टिकोण, गर्भस्थ शिशु के मानसिक विकास में मंत्र, संगीत, आहार और योग की भूमिका, विशेषज्ञ मार्गदर्शन, आयुवेर्दाचार्य, गर्भ संस्कार विशेषज्ञ और मनोवैज्ञानिकों द्वारा परामर्श आवश्यक है। कार्यशाला का उदेश्य पर कहा कि गर्भ में पल रहे शिशु के समग्र विकास के लिए जागरूकता फैलाना, माता-पिता को संस्कारयुक्त पालन-पोषण की प्राचीन तकनीकों से अवगत कराना, एक स्वस्थ, बुद्धिमान और संस्कारवान पीढ़ी के निर्माण में योगदान देना आदि है। कार्यशाला की मुख्य विशेषताएँ पर प्रकाश डालते हुए कहा कि गर्भस्थ शिशु के व्यक्तित्व निर्माण के प्रभावी उपाय, संगीत, मंत्र और ध्यान के माध्यम से मानसिक शांति, पौष्टिक आहार और आयुर्वेदिक दिनचर्या, योग और प्राणायाम द्वारा तन-मन का संतुलन, पति-पत्नी के सामंजस्यपूर्ण संबंधों की भूमिका का जीवन पर लाभकारी प्रभाव होता है, आइए इस पावन पहल का हिस्सा बनें और एक दिव्य, संस्कारी और समर्थ पीढ़ी के निर्माण में योगदान दें। कार्यशाला मे आज गर्भ संस्कार प्रशिक्षको हेतु विशेष प्रशिक्षण प्रदान किया गया। गर्भ संस्कार के माध्यम से आने वाली पीढिया कैसे स्वस्थ, सुदृढ, समृद्ध व दिव्य हो इस पर विस्तार पूर्वक बताया गया। प्रशिक्षक श्री मनोज बुब ने कहा कि भगवान के अवतार की तैयारियॉ करने वाली संताने सम्भल में गर्भ संस्कार द्वारा जन्म लेगी। कार्यशाला मे मानसिक संतुलन, प्रशिक्षको के महत्व, व्यक्तित्व विकास, कार्य परियोजना आदि की महत्वता पर विस्तार पूर्वक बताया गया। तीन दिवसीय गर्भ संस्कार कार्यशाला मे प्रतिभाग करने वाली सभी गर्भवती महिलाओं एवं प्रशिक्षण प्राप्त करने वाली अन्य सभी महिलाओं को आकाक्षा समिति की अध्यक्षा डॉ. ऊषा राजेन्द्र पैंसिया, आकांक्षा समिति उपाध्यक्ष श्रीमती मृदुला भट्ट, जिला प्रोबेशन अधिकारी चन्द्रभूषण द्वारा प्रमाण पत्र प्रदान किये गये। जिला प्रोबेशन अधिकारी चन्द्रभूषण ने कार्यशाला को सफलता पूर्वक सम्पन करने हेतु जिलाधिकारी डा. राजेन्द्र पैसिया, मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट, आकाक्षा समिति अध्यक्षा डॉ. ऊषा राजेन्द्र पैंसिया, आकांक्षा समिति उपाध्यक्ष श्रीमती मृदुला भट्ट, मुख्य चिकित्सा अधिकारी, जिला कार्यक्रम अधिकारी, जिला सूचना अधिकारी, जनपद के सभी सामाजिक संगठनों, कार्यशाला मे प्रतिभाग करने वाली महिलाओं, वन स्टॉप सेन्टर एवं मिशन वात्सल्स के सभी कार्मिकों, प्रबन्ध बी.आर. रिसोर्ट आदि को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए आकाक्षा समिति अध्यक्षा डॉ. ऊषा राजेन्द्र पैंसिया की अनुमति से कार्यशाला का समापन किया।

सरकारी अस्पताल में मां का एक्स-रे कराने आये युवक के साथ चिकित्सा अधीक्षक ने की मारपीट

मंडी धनोरा (सब का सपना) कविन्द्र सिंहः- सरकारी अस्पताल में अपनी मां का एक्स-रे कराने आये युवक के साथ चिकित्सा अधीक्षक ने पहले तो गाली गलौज की उसके बाद उसके सिर के बाल पकड़े और मारपीट शुरू कर दी।मामले की सूचना पीड़ित युवक ने अपनी पहचान वालों और परिवार वालों को दी। सूचना पर वे सभी मौके पर इकट्ठा हो गए ।जिन्होंने वहां हंगामा शुरू कर दिया। देखते ही देखते वहां पर भीड़ का जमा बड़ा लग गया। बता दें कि पूरा मामला मंडी धनौरा के सरकारी अस्पताल का है जहां पर बृहस्पतिवार की दोपहर बछरायूं थाना क्षेत्र के गांव इंदरपुर निवासी अंकित पुत्र अज्ञात अपनी मां का एक्स-रे कराने के लिए धनोरा के सरकारी अस्पताल पहुंचा। वहां पहुंचकर उसने पर्ची बनवाई और ओपीडी में डॉक्टर साहब (चिकित्सा

अधीक्षक कुणाल पाराशर)के पास जाकर कहा कि मुझे अपनी मां का एक-रे करवाना है। इस पर चिकित्सा अधीक्षक ने अंकित को 9 नंबर रूम में जाने के लिए कहा जब वह अपनी मां को लेकर 9 नंबर रूम में पहुंचा तो उसने देखा कि वहां पर ताला लगा हुआ था, वह दोबारा चिकित्सा अधीक्षक के पास पहुंचा और कहां की वहां पर तो ताला लगा हुआ है। इस पर चिकित्सा अधीक्षक ने कहा वह छुट्टी पर है। इस पर अंकित ने कहा कि जब वह छुट्टी पर हैं तो उनकी जगह कोई और कार्य पर आना चाहिए था। इस बात का डॉक्टर साहब (चिकित्सा अधीक्षक) को इतना बुरा लगा कि वह अंकित को इमरजेंसी वार्ड में ले गए जहां पर उन्होंने पहले तो उसके साथ गाली-गलौज की उसके बाद

उन्होंने उसके सिर के बाल पकड़े और मारपीट शुरू कर दी। इसके बाद अंकित बाहर आ गया और उसने अपने परिवार और पहचान वालों को घटना की सूचना दी। सूचना पाकर उसके परिवार वाले मौके पर पहुंच गए।वहीं सूचना पर बजरंग दल कार्यकर्ता भी मौके पर पहुंच गए। जिन्होंने वहां पर हंगामा शुरू कर दिया। हंगामा की सूचना पाकर पुलिस भी मौके पर पहुंची। बताया जा रहा है कि बजरंग दल कार्यकताओं की चिकित्सा अधीक्षक से बात हुई तो चिकित्स अधीक्षक उनके साथ भी बदसलूकी और बदमिजी की, इस दौरान चिकित्सा अधीक्षक एवं बजरंग दल कार्यकताओं की तीखी नोंक झोंक भी हुई ।किसी तरह मौके पर पहुंची पुलिस ने मामला शांत कराया। इसके बारे में बजरंग दल के प्रांत गौरक्षा प्रमुख हेमंत सारस्वत ने बताया कि जब चिकित्सा अधीक्षक हम जैसों से गाली गलौज कर रहे हैं तो मरीजों के साथ उनका कैसा व्यवहार रहता होगा? उन्होंने कहा कि अब बजरंग दल कार्यकर्ता धरने पर से तभी हटेंगे जब इनका ट्रांसफर हो जाएगा और धरने पर बैठ गए। उधर इसकी सूचना जब सीएमओ अमरोहा सतपाल सिंह को लगी तो वह भी मौके पर पहुंच गए किसी तरह मामला शांत हुआ। मौके पर पहुंचे सीएमओ सतपाल सिंह ने बजरंग दल कार्यकताओं को समझाया और कहां की मैं आश्वासन देता हूं कि मैं इनका ट्रांसफर जरूर कर दूंगा साथी उनके साथ सख्त से सख्त कार्यवाही भी अमल में लाई जाएगी।

दिल्ली में धड़ाधड़ एक्शन, पकड़े गए 134 बांग्लादेशी घुसपैठिये; महिलाएं और बच्चे भी शामिल

दक्षिणी दिल्ली। दक्षिणी जिला पुलिस अवैध प्रवासियों के खिलाफ लगातार अभियान चला रही है। इसके तहत पुलिस ने पिछले छह महीने में 134 बांग्लादेशी घुसपैठियों को पकड़कर निर्वासित किया है। पुलिस उपायुक्त अंकित चौहान ने बताया कि 134 बांग्लादेशी घुसपैठियों में 38 महिलाएं और 43 बच्चे शामिल हैं। इनको पकड़ने के लिए दक्षिण जिले की टीमों ने 14 अलग-अलग अभियान चलाए। वर्तमान में भी पुलिस की अलग अलग टीम संदिग्ध बांग्लादेशी प्रवासियों की पहचान के लिए मतदाता पहचान पत्र और आधार कार्ड की जांच करने के लिए झुग्गी-झोपड़ियों और संदिग्ध क्षेत्रों का निरीक्षण कर रही है। अभियान के तहत संगम विहार थाना ने पांच, फतेहपुर बेरी ने दो, लोधी कालोनी ने आठ, मैदान गढ़ी ने एक व अन्य थाना पुलिस ने अवैध प्रवासियों को पकड़ा है। पुलिस ने आमजन से अपील की है कि अपने आस-पास अवैध रूप से रहने वाले किसी भी संदिग्ध व्यक्ति की सूचना पुलिस को दे। सूचना देने वाली की जानकारी गोपनीय रखी जाएगी।

दिल्ली में बम धमाकों की धमकी से मचा हड़कंप, हरकत में आई पुलिस; जांच में जुटे अफसर

दक्षिणी दिल्ली। दक्षिणी दिल्ली में वसंत कुंज उत्तर थाना पुलिस को बुधवार शाम दिल्ली में बम धमाकों की सूचना मिलने से हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही पुलिस मामले की जांच में जुट गई। जानकारी के अनुसार, वसंत कुंज उत्तर थाना पुलिस को तड़के तीन बजकर 25 मिनट पर सूचना मिली कि वसंत कुंज स्थित इंदिरा होटल के पास से एक फोन आया है। फोन करने वाले ने उसे एक लड़की पर शक है कि वह पाकिस्तान से है। वह दिल्ली में चाय की दुकान चलाती है। वहीं, फोन करने वाले ने कहा कि उसे शक है कि वह दिल्ली में बम विस्फोट करने की योजना बना रही है। फोन करने वाला युवक मूलरूप से बेंगलुरु का रहने वाला है। पुलिस ने उससे संपर्क किया, जिसने बताया कि उसने दिल्ली में एक खतरे के बारे में सूचित करने के लिए फज़ेन किया था। फोन करने के दौरान युवक शराब के नशे में लग रहा था और उसके बाद उसने अपना फोन बंद कर दिया। फिलहाल पुलिस फोन नंबर से उस तक पहुंचने की कोशिश कर रही है।

लंग्स ट्रांसप्लांट से 65 वर्षीय महिला को मिली नई जिंदगी, करीब 7 घंटे तक चली सर्जरी

दक्षिणी दिल्ली। दक्षिणी दिल्ली में इंद्रप्रस्थ अपोलो अस्पताल में फेफड़ों की गंभीर बीमारी से पीड़ित 65 वर्षीय महिला को फेफड़े प्रत्यारोपण से नई जिंदगी दी गई। महिला एक दुर्लभ आटोइम्यून स्थिति स्क्लेरोडर्मा के कारण होने वाली इंटरस्टिशियल लंग डिजीज (आइएलडी) से पीड़ित थी। इसके चलते पिछले करीब एक साल से मरीज आक्सीजन पर निर्भर थी। अस्पताल में फेफड़ों का प्रत्यारोपण सफलतापूर्वक कर उसे जीवनदान दिया गया। मरीज को 14 मई को अस्पताल में भर्ती कराया गया था, उसे प्रति मिनट चार से पांच लीटर की ऑक्सीजन सहायता की जरूरत पड़ रही थी। बताया गया कि डा. अवधेश बंसल, सीनियर कंसल्टेंट, रेस्पिरेटरी मेडिसिन और डा. मुकेश गोयल, सीनियर कंसल्टेंट, कार्डियोथोरेसिक ने मरीज की जांच कर फेफड़ा प्रत्यारोपण का सुझाव दिया। 15 मई को, फोर्टिस अस्पताल, नोएडा में एक ब्रेन-डेड मरीज डोनर की जानकारी मिली और देर रात फेफड़ों को निकाल प्रत्यारोपण सर्जरी शुरू की गई। करीब सात घंटे तक चली सर्जरी के दौरान मरीज तो ईसीएमओ सपोर्ट पर रखा गया, जिससे आपरेशन के दौरान आक्सीजन और रक्त संचार बना रहे। प्रत्यारोपण के बाद, उसे वेंटिलेटरी सहायता दी गई।

अहमदाबाद में एअर इंडिया का विमान क्रैश, अस्पताल में दौड़ते दिखे डॉक्टर और नर्स; केजरीवाल-आतिशी

नई दिल्ली। अहमदाबाद के सरदार वल्लभभाई पटेल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के पास एअर इंडिया का लंदन जा रहा एक विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस बोइंग 787-8 ड्रीमलाइनर फ्लाइट अका71, में 242 लोग सवार थे, जिनमें 230 यात्री और 12 क्रू मेंबर शामिल थे। इसमें 169 भारतीय नागरिक शामिल हैं। राहत एवं बचाव कार्य जारी है। वहीं घटना के बाद दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने भी अपनी संवेदना प्रकट की है। उन्होंने एक वीडियो शेयर करते हुए एक्स पर पोस्ट किया है कि विमान दुर्घटनाग्रस्त

की खबर जानकर गहरा दुख हुआ है। मेरी संवेदना पीड़ित परिवारों के प्रति है। घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया उन्होंने एक वीडियो भी शेयर किया है जिसमें अस्पताल में घायल लोगों को ले जाते हुए देखा जा रहा है। डॉक्टर और नर्स घायलों को तत्काल उपचार उपलब्ध कराने में जुट गए हैं। विमान हादसे की खबर बेहद चिंताजनकः आतिशी वहीं दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री आतिशी ने भी अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। उन्होंने पोस्ट किया- अहमदाबाद में रिहायशी इलाके में हुए विमान हादसे की खबर बेहद चिंताजनक और दुःखद है। ईश्वर से प्रार्थना है कि सभी लोग सुरक्षित हों और जनहानि न हो। पार्टी के स्थानीय कार्यकताओं से अनुरोध है कि राहत एवं बचाव कार्य में प्रशासन का हरसंभव सहयोग करें।

दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेस-वे के शुरू होने को लेकर गुड न्यूज, केंद्रीय मंत्री ने बता दी तारीख

पूर्वी दिल्ली। दिल्ली-देहरादून हाईवे को खोलने पर मंथन रहा है। संकल्प से सिद्धि तक अभियान के तहत भाजपा सरकार की 11 वर्षों की उपलब्धियों को गिनाते वक्त केंद्रीय राज्य मंत्री एवं पूर्वी दिल्ली के सांसद हर्ष मल्होत्रा ने कहा कि डेढ़ महीने के भीतर यह हाईवे लोगों को समर्पित कर दिया जाएगा। इससे लोग सवा दो घंटे में देहरादून पहुंच सकेंगे। इसी तरह देश के विभिन्न शहरों से कनेक्टिविटी बेहतर करने के लिए भाजपा सरकार में दिल्ली-मुंबई, द्वारका एक्सप्रेस, दिल्ली-कटड़ा हाईवे का काम किया गया है। अर्बन एक्टेंशन रोड-दो को दिल्ली-देहरादून हाईवे से जोड़ने की योजना को मंजूरी दी गई है। विज्ञान लोक स्थित भाजपा के शाहदरा जिला कार्यालय में उपलब्धियां बताने के लिए प्रदर्शनी भी लगाई गई। इस दौरान पत्रकार

वार्ता में मल्होत्रा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी दिल्ली के विकास के लिए काफी काम किया है। प्रगति मैदान के पास टनल बनवाई, झुग्गी वालों को मकान दिए, भारत मंडपम और यशोभूमि आडिटोरियम का निर्माण कराया। दिल्ली में भाजपा की सरकार बनने पर 70 वर्ष से अधिक उम्र के बुजुर्गों को आयुष्मान वय वंदना योजना का लाभ मिला। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने कभी तुष्टीकरण की नीति नहीं अपनाई। हर वर्ग को साथ लेकर चले हैं। कश्मीर में अनुच्छेद 370 को हटाया, जिससे वहां पर अनुसूचित जाति को आरक्षण का लाभ मिला। कश्मीर की माता-बहनें को उनके पूरे अधिकार मिले। वक्फ संशोधन बिल के जरिये काफी सुधार किए गए, जोकि मुस्लिम समुदाय के फायदे के लिए है। उन्होंने दावा किया कि मोदी सरकार में युवा नौकरी मांगने वाले नहीं, नौकरी देने में सक्षम हुए हैं। 119 से स्टार्ट अप यूनिकार्न बने हैं। इनमें बड़ी संख्या में युवाओं को नौकरी भी मिली है। उन्होंने कई लाभकारी योजनाओं के बारे में विस्तार से बताया। विधायक अभय वर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की अध्यक्षता में पहली बैठक में आयुष्मान भारत योजना को लागू करने का सर्वसम्मति से फैसला लिया गया। मां यमुना नदी की सफाई का कार्य चल रहा है, जल्द रिवरफ्रंट दिल्ली के लोगों को मिलेगा। सीवर लाइन की और गंदे पानी की समस्या को हल किया जा रहा है। इस मौके पर शाहदरा जिला प्रभारी डा. अनिल गुप्ता, शाहदरा जिलाध्यक्ष दीपक गाबा, मयूर विहार जिलाध्यक्ष विजेंद्र धामा, विधायक डा. अनिल गोयल, रविकांत, ओम प्रकाश शर्मा, संजय गोयल, रविंद्र सिंह नेगी आदि मौजूद थे।

बुलडोजर के खौफ से लोगों में मचा हड़कंप, फटाफट खाली होने लगे मकान; डीडीए ने भेजा नोटिस

दक्षिणी दिल्ली। बटला हाउस क्षेत्र के मुरादी रोड पर बने अवैध मकानों पर दिल्ली विकास प्राधिकरण कार्रवाई के डर से लोगों ने अपने मकान खाली करने शुरू कर दिए हैं। पिछले दो दिन में मुरादी रोड पर खसरा नंबर-279 पर बने मकानों दुकानों से लोग अपना सामान निकाल कर ले जा रहे हैं। बटला हाउस के मुरादी रोड पर खसरा नंबर-279 पर बने अवैध मकानों-दुकानों पर पिछले दिनों डीडीए ने खाली करने का नोटिस चस्पा किया था। डीडीए की नोटिस के मुताबिक, ओखला गांव का खसरा नंबर-279 (लगभग तीन बीघा भूमि) डीडीए का है। इसके एक हिस्से पर अतिक्रमण है। लोगों को घर खाली करने के लिए 10 जून तक का अल्टीमेटम दिया गया था। वहीं, मंगलवार को डीडीए की समय सीमा समाप्त हो गई। ऐसे में बुधवार को दिनभर मुरादी रोड पर गहमा गहमी का माहौल रहा। स्थानीय निवासी आबिद ने बताया कि कार्रवाई के डर से पिछले दो दिनों से लोग अपना सामान निकाल कर ले जा रहे हैं। अब तक करीब 60 से 65 प्रतिशत तक मकान लगभग खाली हो चुके हैं। किराएदार दुकानें खाली कर दूसरी जगह शिफ्ट हो गए हैं। हाईकोर्ट में याचिका लगी होने के कारण बुधवार दोपहर तक लोगों को उम्मीद थी कि शायद स्टे मिल जाए। मगर याचिका वापस लिए जाने के बाद अब कार्रवाई का रास्ता साफ हो गया है।

मनोज तिवारी ने गिनाई उत्तर पूर्वी दिल्ली में विकास की उपलब्धियां, कहा- कनेक्टिविटी बेहतर हुई और लोग बने आत्मनिर्भर

पूर्वी दिल्लीः उत्तर पूर्वी दिल्ली के सांसद मनोज तिवारी ने संकल्प से सिद्धि तक अभियान के तहत भाजपा सरकार के 11 वर्षों के कार्यकाल की उपलब्धियां गिनाईं। उन्होंने कहा कि इस शासन काल में देश के साथ उत्तर पूर्वी दिल्ली संसदीय क्षेत्र का विकास हुआ है। कनेक्टिविटी बेहतर करने से लेकर लोगों को स्वावलंबी बनाने का काम किया गया है। उत्तर पूर्वी दिल्ली को तीन केंद्रीय विद्यालय मिले सांसद मनोज तिवारी ने कहा कि उनके संसदीय क्षेत्र को तीन केंद्रीय विद्यालय मिले। शाहदरा में बने केंद्रीय विद्यालय में पढ़ाई शुरू हो चुकी है, खजूरी खास में इस वर्ष बन जाएगा और बुराड़ी की योजना

पर काम जारी है। डाकघर पासपोर्ट केंद्र यमुना विहार मिला खुला। 400 करोड़ की लागत से हर्ष विहार ट्रांसमिशन केंद्र बना, जिससे क्षेत्र को 24 घंटे बिजली मिल रही है। चार हजार करोड़ से लागत हो रहा मेट्रो का निर्माण चार हजार करोड़ रुपये की लागत से मेट्रो फेज-चार का निर्माण हो रहा है। 468 करोड़ रुपए की लागत से वजीराबाद से डसना सिग्नल फ्री योजना के तहत डबल डेकर फ्लाईओवर बनाया जा रहा है। लगभग 40 हजार जरूरतमंदों को स्वावलंबी बनाने के लिए के लिए विभिन्न योजनाओं के तहत लगभग 300 करोड़ का लोन इस लोकसभा क्षेत्र के लोगों को दिया गया है। कहा- भाजपा के शासन में देश नई ऊंचाइयां छू रहा तिवारी ने बताया कि भाजपा सरकार के शासनकाल में देश नई ऊंचाइयां छू रहा है। अर्थव्यवस्था मजबूत हुई है। आईआईएम और एम्स की संख्या बढ़ी है। मेडिकल की सीटों में इजाफा हुआ है। देश में सड़कों की कनेक्टिविटी बेहतर हुई है। कषि, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, उद्योग, रक्षा समेत हर क्षेत्र में देश प्रगति कर रहा है।

दिल्ली में 43 डिग्री के पास पहुंचा पारा, इन इलाकों में पानी की भारी किल्लत

दक्षिणी दिल्ली। राजधानी में तापमान 43 डिग्री सेल्सियस को पार कर गया है। लोगों को न घर में सुकून मिल रहा और न बाहर राहत महसूस हो रही है। इस भीषण गर्मी के बीच लोगों को पानी की किल्लत भी झेलनी पड़ रही है। कई जगहों पर सरकारी ट्यूबवेलों में से एक बूंद पानी भी नसीब नहीं हो रहा है। इसको लेकर स्थानीय निवासी दिल्ली जल बोर्ड सहित जनप्रतिनिधियों से लगातार शिकायत कर रहे हैं, लेकिन कोई भी उनकी बात सुनने को तैयार नहीं है। दक्षिणी दिल्ली में देवली, संगम विहार और असोला गांव सहित कई जगहों पर सरकारी ट्यूबवेल बंद पड़े हैं। इनके खराब होने के बाद संबंधित विभाग ने अधिकारियों ने एक बार भी इन्हें ठीक कराने की जहमत नहीं उठाई। इन खराब ट्यूबवेलों को लेकर स्थानीय लोगों ने गर्मी शुरू होते ही शिकायत करनी शुरू कर दी थी। जबकि इन क्षेत्रों में नियमित पानी के पाइपलाइन भी नहीं हैं। इससे पानी की नियमित आपूर्ति भी नहीं है। ऐसे में उन्हें मजबूरी में निजी टैंकर खरीदकर पानी की पूर्ति करनी पड़ रही है। कई महीनों से खराब ट्यूबवेल, नहीं मिल रहा एक बूंद

पानी देवली के दुर्गा विहार ट्यूबवेल का मोटर करीब चार महीने पहले खराब हो गया था। इसे आज तक ठीक नहीं किया गया है। जबकि इस क्षेत्र में पानी की आपूर्ति का दूसरा साधन भी नहीं है। इसी तरह देवली में ही लाल डोरा के पास लगा ट्यूबवेल करीब 10 दिन पहले खराब हो गया था। दिल्ली जल बोर्ड के कर्मचारियों ने इसके पाइप तो निकाल दिए, लेकिन आज तक इसे दुरुस्त नहीं किया है। ऐसा ही हाल असोला गांव की ट्यूबवेल का है। स्थानीय लोगों का कहना है कि 2017 से अभी तक लोग पानी की बूंद-बूंद को तरस रहे हैं। यहां भी ट्यूबवेल को शुरू नहीं कराया गया है। एक से दो हजार रुपये में खरीद रहे टैंकर इन क्षेत्रों के निवासी पानी की पूर्ति के लिए निजी टैंकर माफिया के भरोसे हैं। वह एक से दो हजार रुपये में पानी का टैंकर खरीद रहे हैं। इसके लिए भी कई दिनों का इंतजार करना पड़ता है। इसकी क्षमता तीन से चार हजार लीटर होती है। जबकि सरकारी टैंकर तो सप्ताह में एक या दो बार ही आता है। इससे लोगों को पर्याप्त पानी नहीं मिल पाता है। असोला गांव में पिछले करीब आठ साल से पानी की किल्लत है। इसको लेकर बार बार अधिकारियों से गुहार लगाई जाती है, लेकिन कोई भी ग्रामीणों की बात सुनने को तैयार नहीं है। बिजेंद्र शर्मा, असोला दुर्गा विहार में चार महीने पहले ट्यूबवेल की मोटर फंस गई थी। इसे आज तक ठीक नहीं किया गया है। घर की जरूरतों के लिए महिलाएं दूर-दूर से पानी लाने को मजबूर हैं।

जयपुर का वॉन्टेड चोर दिल्ली में गिरफ्तार, एक करोड़ की चोरी समेत तीन राज्यों में कीं 70 से अधिक वारदात

नई दिल्लीः दक्षिणी रेंज की अपराध शाखा ने बड़ी सफलता हासिल करते हुए 2022 में जयपुर के जवाहर नगर में हुई एक करोड़ की सनसनीखेज चोरी के मुख्य आरोपित को पकड़ा है। आरोपित संजय पहाड़िया (40) को दिल्ली के संगम विहार से गिरफ्तार कर लिया है। आरोपित पर जयपुर पुलिस ने 10,000 रुपये का इनाम घोषित कर रखा था। पुलिस के अनुसार 8 मार्च 2022 की रात जयपुर के एक घर में सेंधमारी कर सोने-हीरे के गहने, नकदी और विदेशी मुद्रा समेत करीब एक करोड़ रुपये की संपत्ति चोरी की गई थी। दिल्ली-एनसीआर में चल रही थी आरोपित की खोज जांच के दौरान संजय पहाड़िया की संलिप्तता सामने आई, लेकिन वह गिरफ्तारी से बचता रहा। उसकी तलाश में दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में लगातार निगरानी की जा रही थी। एसीपी गिरीश कौशिक की निगरानी में इंस्पेक्टर अजीत कुमार के नेतृत्व में एसआई सुधीर यादव, एएसआई राम किशन, विजेंदर, संदीप, एचसी ललित, महिला एचसी ज्योति यादव और महिला कांस्टेबल ममता की टीम ने आरोपी को 10 जून 2025 को संगम विहार से धर दबोचा। दिल्ली, यूपी और राजस्थान में 70 से अधिक केस दर्ज पूछताछ में संजय ने 2004 से अपराध की दुनिया में सक्रिय होने की बात स्वीकार की। उसने बताया कि वह कुख्यात अपराधी मोहम्मद जावेद उर्फ गंजू और जितेंद्र उर्फ गोलू के साथ मिलकर कई वारदातों को अंजाम दे चुका है। उस पर दिल्ली, यूपी और राजस्थान में 70 से अधिक आपराधिक मामले दर्ज हैं। फिलहाल आरोपी को गिरफ्तार कर संबंधित एजेंसियों को सूचित कर दिया गया है।

पुलिस के हत्थे चढ़े दो कुख्यात बदमाश, महिला मित्र के घर किया था ये कांड; सच्चाई जान पुलिस भी हैरान

नई दिल्ली। 10 लाख रुपये के गहने चोरी करने के मामले में क्राइम ब्रांच की टीम ने दो कुख्यात बदमाशों को गिरफ्तार किया है। उनके कब्जे से एक पिस्टल, एक कट्टा और पांच कारतूस बरामद किए गए हैं। वहीं, गिरफ्तार बदमाशों की पहचान मूल रूप से बेतिया, पश्चिमी चंपारण, बिहार के मंसूर आलम और जिला मंदसौर, मध्य प्रदेश के आलम रहमानी के रूप में हुई है। मंसूर अपनी महिला मित्र के साथ उसके ही घर से गहने चोरी करने में शामिल था। इसके अलावा आरोपितों ने जयपुर में हवाला के पैसे की लूट की साजिश भी रची थी, लेकिन उसमें कामयाब नहीं हो सके। उपायुक्त आदित्य गौतम के मुताबिक, 17 मार्च को गोविंदपुरी थाना क्षेत्र में लगभग 10 लाख मूल्य के सोने के आभूषणों की चोरी की सूचना मिली थी। शुरूआती जांच सिपाही रामकेश को मंसूर आलम नामक एक व्यक्ति के बारे में विशेष जानकारी मिली, जिसके घटना में शामिल होने का संदेह था। सूचना पर एसीपी रमेश कुमार के नेतृत्व में और इंस्पेक्टर सतेंद्र मोहन की देखरेख में गठित टीम ने पांच जून को सरिता विहार में छापेमारी करते हुए मंसूर को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में उसने स्वीकार किया कि पैसों की जरूरत के चलते उसने अपनी महिला दोस्त और शिकायतकर्ता की पत्नी से सोने के आभूषण लिए थे। इसके बाद उसने गोविंदपुरी में एक स्थानीय जौहरी के पास आभूषण गिरवी रख दिए।

देश तरक्की करता हैं... तब कांग्रेस पार्टी को दुख होता : किरेन रिजिजू

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने कांग्रेस पार्टी पर कटाक्ष कर कहा कि उनके पास कांग्रेस के लिए कोई इलाज नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि जब भी देश आगे बढ़ता है, तब कांग्रेस पार्टी और उसके कुछ नेता दुख में डूब जाते है। भाजपा सांसद ने बीते 11 वर्षों में भारत के विकास पर कहा कि भारत का निर्यात 50 बिलियन अमरीकी डॉलर से बढ़कर 800 बिलियन अमरीकी डॉलर हो गया है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि बीते 11 साल में इतना काम हुआ है कि योजनाओं के नाम गिनना मुश्किल है। हम सभी पहलुओं में पूर्ण आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहे हैं और निर्यात भी तेजी से बढ़ा है और 800 अरब डॉलर से अधिक हो गया है। जब मैं नया मंत्री था, तब हम करीब हर चीज का आयात कर रहे थे। हमारा निर्यात 50 अरब डॉलर भी नहीं था। अगर कांग्रेस दुखी होती है जब देश आगे बढ़ रहा है, लेकिन देश की जनता खुश है, तब मेरे पास उनके लिए कोई इलाज नहीं है। इस बीच, केंद्रीय मंत्री रिजिजू ने कहा कि लोक संवर्धन पर्व एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम है। उन्होंने कहा कि गांवों में जो कौशल है उनके उत्पादों को बाजार में लाने, उन्हें एक मंच देने के उद्देश्य से इस कार्यक्रम की शुरुआत की गई है। इससे विभिन्न राज्यों के उत्पादों को एक दूसरे तक पहुंचाने में भी मदद मिलेगी।

सुवेंदु अधिकारी की ममता सरकार से मांग, पीड़ितों से मिलने दिया जाए

कोलकाता (एजेंसी)। विवादित भूमि को लेकर दो समूहों के बीच हिंसक झड़प के बाद दक्षिण 24 परगना के रवींद्रनगर में सुरक्षा बढ़ा दी गई है। कथित तौर पर महेशतला (मेटियाब्रुज विधानसभा क्षेत्र के तहत) के वार्ड नंबर 7 में अतिक्रमित भूमि पर दुकानें बनाने से शुरू हुआ विवाद तेजी से बढ़ गया। इस दौरान पत्थर और ईंटें फेंकी गईं और एक बाइक को आग के हवाले कर दिया गया। दक्षिण 24 परगना में उपद्रवियों और पुलिस के बीच झड़प पर एलओपी और भाजपा नेता सुवेंदु अधिकारी ने कहा कि हाईकोर्ट ने पहले के आदेश में खास तौर पर कहा था कि जहां भी सांप्रदायिक हिंसा होगी, लोगों को लूटा जाएगा, पुलिस को कार्रवाई करने से रोका जाएगा और वे घायल होते हैं, तब याचिकाकर्ता डीजीपी को मेल भेजेगा और इसके तहत मैंने कल ऐसा किया। मैंने डीजीपी से मिलने की कोशिश की लेकिन नहीं मिल सका। कुछ अधिकारियों ने मुझे बताया है कि उन्होंने (डीजीपी) ममता बनर्जी से बात की, और उन्होंने कहा कि उनसे (सुवेंदु अधिकारी से) मिलने की कोई जरूरत नहीं है। भाजपा नेता का दावा हैं कि उसी आदेश में यह भी लिखा है कि अगर पुलिस कार्रवाई नहीं करती है, तब कोर्ट केंद्रीय अर्धसैनिक बल को निर्देश देगा, यह आदेश 30 जुलाई तक वैध है। इसलिए हम इसी मांग को लेकर याचिका दायर कर रहे हैं। हमारे द्वारा इसके लिए दो स्थगन प्रस्ताव भी दिए हैं... मैंने डीजीपी और एसपी डायमंड हार्बर को पहले ही ईमेल भेज दिया है कि एलओपी और एक विधायक को पीड़ितों से मिलने की अनुमति दी जाए।

तीन नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण, 19 लाख रुपये का था इनाम

रायपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के नारायणपुर जिले में 19 लाख रुपये के इनामी तीन नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है। पुलिस के अनुसार, यह घटनाक्रम सुकमा जिले में 16 नक्सलियों के आत्मसमर्पण करने के कुछ सप्ताह बाद हुआ है। इसमें छह नक्सलियों पर सामूहिक रूप से 25 लाख रुपये का इनाम था। इसमें से नौ नक्सली केरलापेंडा ग्राम पंचायत के थे। अधिकारियों ने बताया कि पूर्व बस्तर डिवीजन में कंपनी नंबर छह में सक्रिय नक्सली भीमा उर्फ ढोलू उर्फ दिनेश पोड़ियाम (40) ने सुरक्षाबलों के सामने आत्मसमर्पण किया। उन्होंने बताया कि उस पर 10 लाख रुपये का इनाम घोषित है। उन्होंने बताया कि इसके पहले जिले में दो महिला नक्सली सुकली कोर्राम उर्फ सपना और देवली मंडावी ने भी आत्मसमर्पण किया। अधिकारियों ने बताया कि सुकली पर आठ लाख तथा देवली पर एक लाख रुपये का इनाम घोषित है। अधिकारियों ने बताया कि आत्मसमर्पण करने पर नक्सलियों को 50 हजार रुपये का चेक प्रदान किया गया है तथा उन्हें नक्सल उन्मूलन नीति के तहत मिलने वाली सुविधाएं दिलाई जाएगी। उन्होंने बताया कि जिले में इस वर्ष कुल 104 नक्सलियों ने सुरक्षाबलों के सामने आत्मसमर्पण किया है।

यूपी में हीटस्ट्रोक से 5 की मौत

नई दिल्ली (एजेंसी)। यूपी भीषण लू की चपेट में है। पिछले 24 घंटे में हीटस्ट्रोक से 5 लोगों की मौत हो चुकी है। कानपुर में गर्मी से 12 बगुलों की मौत हो गई। मोतीझील किनारे दीवारों पर बगुले मृत पाए गए।

इधर, उत्तर प्रदेश बीटीसी शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष अनिल यादव ने सीएम योगी को एक लेटर लिखा है, जिसमें उन्होंने स्कूलों में गर्मी की छुट्टियों को आगे बढ़ाए जाने की मांग की है। 15 जून को प्राइमरी स्कूल खुलेंगे। अनिल ने कहा- इस समय गर्मी ज्यादा है, बच्चे बीमार हो सकते हैं।

ईरान और पाकिस्तान के परमाणु कार्यक्रमों पर अमेरिका की नजर, करेगा बड़ा खेला

नई दिल्ली(एजेंसी)। ईरान और पाकिस्तान के परमाणु कार्यक्रमों पर अमेरिका की चिंता एक जटिल जियो-पॉलिटिकल परिदृश्य का हिस्सा बनी हुई है, जो क्षेत्रीय और वैश्विक स्थिरता को प्रभावित करता है। यह चिंता न केवल इन देशों की परमाणु क्षमताओं से, बल्कि इनके रणनीतिक संबंधों और क्षेत्रीय प्रभाव से भी जुड़ी है।

ईरान का परमाणु कार्यक्रम दशकों से अंतरराष्ट्रीय समुदाय की चिंता का कारण है। 2015 में ईरान और अमेरिका ने संयुक्त व्यापक कार्य योजना पर हस्ताक्षर किए, इसके तहत ईरान ने अपने परमाणु गतिविधियों में कटौती करने और अंतरराष्ट्रीय निरीक्षण को स्वीकार करने का वादा किया था, बदले में ईरान को आर्थिक प्रतिबंधों से राहत मिली।

हालांकि, 2018 में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने समझौते से बाहर निकलने का फैसला किया, जिससे तनाव बढ़ गया। हालिया रिपोर्ट्स बताती हैं कि ईरान ने संयुक्त व्यापक कार्य योजना की सीमाओं का उल्लंघन करते हुए अपने यूरेनियम के भंडार को बढ़ाया है, जो 2015 की सीमा से 22 गुना ज्यादा है।

अक्टूबर 2023 की आईएईए रिपोर्ट के अनुसार, ईरान ने अपने यूरेनियम संवृद्धि को बढ़ाया है, जिससे चिंताएं बढ़ी हैं कि वह परमाणु हथियार बनाने को तैयार है। अमेरिका को डर है कि एक परमाणु-सशस्त्र ईरान मध्य पूर्व में अस्थिरता ला सकता है। उसके सहयोगियों जैसे इज़राइल और सऊदी अरब को खतरा पैदा कर सकता है।

इसके लिए अमेरिका ने ईरान के साथ बातचीत करने की इच्छा जाहिर की है, खासकर अगर वार्ता ईरान के परमाणु कार्यक्रम के सैन्यीकरण को लेकर चिंताओं को संबोधित करती है। हालांकि, ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनी ने कहा है कि वे अमेरिका के धमकी के तहत बातचीत नहीं करने वाले हैं, जिससे स्थिति और जटिल हो गई है। वहीं पाकिस्तान पहले से ही परमाणु हथियारों से लैस है। इसका परमाणु कार्यक्रम अमेरिका के लिए चिंता का विषय रहा है। खासकर भारत के साथ क्षेत्रीय तनाव के बाद में। हाल ही में, भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य कार्रवाइयों ने परमाणु संघर्ष के जोखिम को उजागर किया है, जिससे अमेरिका को मध्यस्थता करनी पड़ी।

मई 2025 में दोनों देशों ने एक-दूसरे के ठिकानों पर हमले किए, जिससे गंभीर चिंताएं पैदा हुईं। अमेरिका को पाकिस्तान के परमाणु हथियारों की सुरक्षा को लेकर चिंता है। पाकिस्तान का चीन के साथ परमाणु सहयोग भी एक बड़ा मुद्दा है, क्योंकि चीन ने पाकिस्तान की परमाणु क्षमताओं को मजबूत करने में मदद की है। पाकिस्तान का ड्रैगन के साथ सहयोग दक्षिण एशिया में चीन के प्रभाव को बढ़ा सकता है, जो अमेरिका के रणनीतिक हितों के लिए ठीक नहीं। पाकिस्तान के परमाणु कार्यक्रम की शुरुआत 1979 में हुई थी, जब अमेरिका ने पता लगाया कि पाकिस्तान गुप्त रूप से यूरेनियम संवृद्धि कर रहा है। पाकिस्तान ने 1998 में परमाणु परीक्षण किए। अब उसके पास लगभग 165 परमाणु वारहेड्स हैं, जो भारत और क्षेत्रीय शक्ति संतुलन को प्रभावित करते हैं।

अमेरिकी चिंता का एक बड़ा हिस्सा यह है कि ईरान और पाकिस्तान के परमाणु कार्यक्रम क्षेत्रीय और वैश्विक स्थिरता को खतरे में डाल सकते हैं। एक परमाणु-सशस्त्र ईरान मध्य पूर्व में शक्ति संतुलन के लिए खतरा है, जबकि पाकिस्तान के मामले में, भारत के साथ तनाव और चीन के साथ सहयोग एक जटिल रणनीति पैदा करते हैं।

शेख हसीना का बड़ा दावा, अमेरिका को सेंट मार्टिन द्वीप और बंगाल की खाड़ी सौंप देती...तब सत्ता में होती

नई दिल्ली। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने अंतरिम सरकार प्रमुख मोहम्मद यूनुस पर गंभीर आरोप लगा दिए हैं। उन्होंने कहा कि यूनुस को आतंकियों का समर्थन कर देश की संप्रभुता को खतरे में डाल रहे हैं। हसीना की ओर से जारी बयान में कहा गया कि यूनुस के शासन में देश में अपराध और हिंसा बढ़ गई है। उन्होंने कहा कि अब महिलाएं शहरों में सुरक्षित महसूस नहीं करतीं और त्यौहारों पर लोग गांव जाने से डरते हैं, क्योंकि आतंकियों का डर बना रहता है। शेख हसीना ने यह भी दावा किया कि यूनुस 2026 में चुनाव कराने की बात कहकर बांग्लादेश की जनता के साथ अप्रैल फूल बना रहे हैं। हसीना ने कहा कि यूनुस संयुक्त राष्ट्र (यूएन) के एक पुराने सुझाव को लेकर रोहिंग्या कॉरिडोर बनाने की तैयारी कर रहे हैं। इसके लिए बांग्लादेश का सेंट मार्टिन द्वीप बेचा जा सकता है और समुद्र तक देश की पहुंच खतरे में पड़ सकती है। हसीना ने चेतावनी दी कि यह कॉरिडोर देश की सुरक्षा के लिए खतरा बन सकता है और विदेशी ताकतें इसका फायदा उठा सकती हैं। सेना प्रमुख ने भी खूनी कॉरिडोर बताकर कहा था कि इस पर कोई फैसला केवल चुनी हुई सरकार ही ले सकती है। हसीना ने दावा किया कि अगर वह अमेरिका को सेंट मार्टिन द्वीप और बंगाल की खाड़ी सौंप देतीं, तब आज भी सत्ता में होतीं। लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया, क्योंकि वह देश की संप्रभुता से समझौता नहीं कर सकतीं।

कर्नाटक- कैबिनेट ने नए सिरे से जाति सर्वेक्षण कराने का किया फैसला, 90 दिनों में होगा पूरा

बेंगलुरु (एजेंसी)। बेंगलुरु में गुरुवार को हुई विशेष कैबिनेट बैठक में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के नेतृत्व की इच्छा के अनुसार राज्य भर में एक नया सामाजिक-आर्थिक सर्वेक्षण करने और इसे 90 दिनों में पूरा करने का निर्णय लिया गया। कैबिनेट बैठक के बाद मीडिया को जानकारी देते हुए मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने कहा कि राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के कानून के अनुसार इस तरह के सर्वेक्षण के निष्कर्ष केवल 10 साल के लिए वैध हैं। कर्नाटक का सर्वेक्षण केंद्र की जाति जनगणना से किस तरह अलग होगा, इस सवाल पर सीएम ने कहा कि केंद्र ने यह नहीं कहा है कि वह सामाजिक-आर्थिक सर्वेक्षण करेगा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार अपने चुनावी घोषणापत्र में पार्टी द्वारा किए गए वादे के अनुसार सामाजिक न्याय देने के लिए प्रतिबद्ध है। सरकार पूर्व महाधिवक्ता मधुसूदन नाइक की अध्यक्षता वाले कर्नाटक राज्य स्थायी पिछड़ा वर्ग आयोग से 90 दिनों में सर्वेक्षण रिपोर्ट देने को कहेगी। उन्होंने कहा कि तेलंगाना ने यह काम 70 दिनों में पूरा कर लिया। गुरुवार को मंत्रिमंडल की बैठक हुई, जब एआईसीसी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने सिद्धारमैया से जातियों की फिर से गणना करने को कहा। यह कर्नाटक के प्रमुख समुदायों की शिकायतों का जवाब था कि सर्वेक्षण के लिए एकत्र किए गए डेटा में जाति की फिर से गणना की गई है। इससे पहले सिद्धारमैया ने बुधवार को कहा कि जाति जनगणना के आंकड़ों को फिर से दर्ज करने का फैसला पार्टी हाईकमान ने लिया है और यह राज्य सरकार का फैसला नहीं है। पत्रकारों से बात करते हुए मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने कहा कि जाति जनगणना को लेकर कुछ शिकायतें मिली हैं।

2030 तक देश के बड़े शहरों में बढ़ेगी गर्मी और बारिश मचाएगी तबाही

– अंतरराष्ट्रीय रिपोर्ट में दावा, जलवायु परिवर्तन से बिगड़ रहे हालात

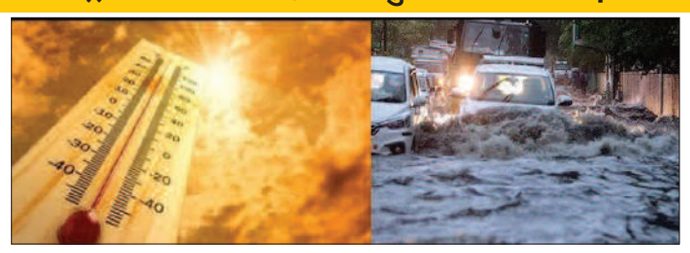

नई दिल्ली(एजेंसी)। 2030 तक देश के कई बड़े शहरों में गर्मी और बारिश का कहर और बढ़ जाएगा। एक ताजा रिपोर्ट के मुताबिक दिल्ली समेत मुंबई, चेन्नई, सूरत, ठाणे, हैदराबाद, पटना और भुवनेश्वर में अगले कुछ सालों में भीषण हीटवेव का खतरा दोगुना हो जाएगा यानी अब गर्मी केवल मई-जून तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि मानसून के दौरान भी लोगों को गर्मी झेलनी पड़ सकती है।

अंतरराष्ट्रीय रिपोर्ट 'तूफान का सामना करना, गर्म होते जलवायु में मानसून का प्रबंधन नाम से आई है, जिसे दो समूह ने मिलकर जारी की है। रिपोर्ट को जलवायु विशेषज्ञों ने तैयार किया है। रिपोर्ट में बताया गया है कि लंबे समय तक चलने वाली गर्म हवाओं के कारण न सिर्फ लू का खतरा बढ़ेगा, बल्कि बारिश भी अनियमित हो जाएगी। भारत के करीब 80 फीसदी जिलों में 2030 तक मानसून के दौरान भारी बारिश और हीटवेव दोनों एक साथ देखने को मिल सकते हैं। दिल्ली में तो इस साल मई-जून में कई बार लू चली है।

रिपोर्ट के मुताबिक आने वाले दिनों में मानसून के मौसम में भी तापमान सामान्य से ज्यादा हो सकता है। ऐसे में लोगों को गर्मी और भारी बारिश की दोहरी मार झेलनी पड़ेगी। रिपोर्ट के मुताबिक अब ये हालात केवल गर्मियों तक सीमित नहीं रहेंगे। मानसून के दौरान भी तापमान में खतरनाक बढ़ोतरी हो रही है। इससे लगातार तेज गर्मी और मूसलाधार बारिश का मेल तैयार हो रहा है।

रिपोर्ट के मुताबिक 2030 तक देशभर में हीटवेव के दिनों में 2.5 गुना तक बढ़ोतरी हो सकती है। इसके अलावा अत्यधिक बारिश की घटनाओं में 43 फीसदी तक इजाफा हो सकता है यानी एक तरफ तेज गर्मी तो दूसरी ओर अचानक तेज बारिश। दोनों ही हालात जलवायु परिवर्तन की वजह से बिगड़ते जा रहे हैं। विश्लेषण में ये भी बताया गया है कि पिछले 30 सालों में मार्च से सितंबर तक हीटवेव वाले दिनों में 15 गुना तक बढ़ोतरी हुई। सिर्फ पिछले 10 सालों में ही ऐसी घटनाएं 19 गुना बढ़ी हैं। इससे साफ होता है कि अब हालात तेजी से बदल रहे हैं और हमें इन खतरों से निपटने के लिए तैयार रहना चाहिए।

दिल्ली समेत देश के 72 फीसदी टियर-1 और टियर-2 शहरों में गर्मी और बारिश के इन खतरों के साथ-साथ तूफान, बिजली गिरने और ओलावृष्टि जैसी घटनाओं में भी बढ़ोतरी हो सकती है। खासकर महाराष्ट्र, तमिलनाडु, गुजरात, यूपी, हिमाचल प्रदेश और ओडिशा जैसे राज्यों में खतरा ज्यादा रहेगा। गुजरात, राजस्थान, यूपी, उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश के करीब 75 फीसदी जिलों को अगले पांच साल में लगातार गर्मी और अनियमित बारिश का सामना करना पड़ सकता है। ये सभी इलाके अब जलवायु परिवर्तन के सबसे संवेदनशील हॉटस्पॉट बनते जा रहे हैं।

रिपोर्ट में आगे ये सुझाव भी दिया गया कि देश में जलवायु जोखिम को समझने के लिए एक 'क्लाइमेट रिस्क ऑब्जर्वेटरी' यानी जलवायु जोखिम वेधशाला बनाई जानी चाहिए। इससे हर इलाके का बारीकी से आकलन किया जा सकेगा और समय रहते अलर्ट जारी किए जा सकेंगे साथ ही सरकार को ऐसे आर्थिक उपाय भी करने होंगे जिससे आम लोगों पर पड़ने वाले आर्थिक असर को संभाला जा सके।

अमेरिका ने भारत को दिए तीन कूटनीतिक झटके... लेकिन फिर भी मोदी चुप

कांग्रेस ने सर्वदलीय बैठक बुलाकर विपक्षी सांसदों से मिलने की मांग की

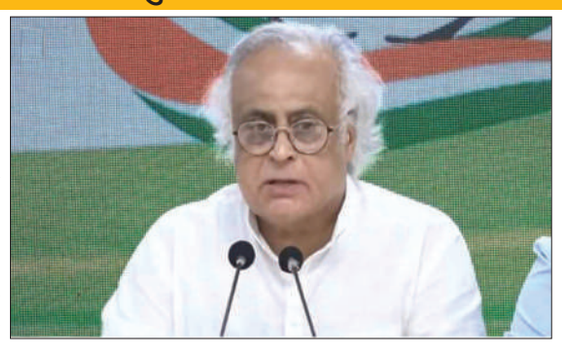

विदेश यात्राओं पर गए सांसदों से मुलाकात की

नई दिल्ली(एजेंसी)। कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने कहा कि एक ही दिन में भारत की कूटनीति को अमेरिका से तीन बड़े झटके लगे हैं। इससे भारतीय विदेश नीति और भारत-अमेरिका संबंधों पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं।

कांग्रेस नेता जयराम ने कहा कि अमेरिका की सेंट्रल कमांड चीफ जनरल माइकल कुरिल्ला ने पाकिस्तान को आतंकवाद के खिलाफ साझेदार बताया। पाकिस्तानी सेना प्रमुख आसिम मुनीर को अमेरिकी आर्मी डे के लिए न्यौता दिया है। वहीं, अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने फिर से कहा कि भारत-पाक तनाव ट्रंप ने खत्म कराया। कांग्रेस नेता ने कहा कि ये हमारी कूटनीति के लिए बड़े झटके हैं। प्रधानमंत्री जो सर्वशक्तिमान और सर्वव्यापी हैं, उन्हें अब सर्वदलीय बैठक बुलानी चाहिए। उन्होंने कहा कि विदेश यात्राओं पर गए सांसदों से मुलाकात की है, अब विपक्षी दलों के नेताओं से भी मिलना चाहिए। मोदी सरकार पर हमलावार कांग्रेस नेता रमेश ने कहा कि अमेरिका के सेंट्रल कमांड चीफ जनरल कुरिल्ला ने हाउस आर्म्ड सर्विसेज कमेटी के सामने पाकिस्तान को एक शानदार साझेदार बताया। क्या यहीं पाकिस्तान है जहां ओसामा बिन लादेन 10 साल छिपा रहा और 2011 में मारा गया। वहीं पाकिस्तान अब अमेरिका के लिए आतंकवाद विरोधी साझेदार बन गया।

कांग्रेस नेता रमेश ने कहा कि अमेरिका ने पाकिस्तान आर्मी चीफ जनरल मुनीर को अमेरिका सेना की 250वीं वर्षगांठ पर आयोजित परेड में भाग लेने के लिए न्यौता भेजा है। यह वहीं मुनीर है, जो कि पहलगाम आतंकी हमले से ठीक पहले भड़काऊ और उकसावे बयान दिए थे। उनके बयानों से ही आतंकियों को बल मिला। कांग्रेस नेता रमेश ने कहा कि अमेरिकी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता ने फिर कहा कि भारत-पाक तनाव को कम करने में डोनाल्ड ट्रम्प और विदेश मंत्री मार्को रुबियो की भूमिका रही है।

फडणवीस और राज ठाकरे की गुपचुप मुलाकात... क्या उद्धव से बिगड़ गई बात

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र की राजनीति में गुरुवार को एक बड़ा घटनाक्रम दिखाई दिया, जब महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (एमएनएस) प्रमुख राज ठाकरे और मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के बीच मुंबई के पांच सितारा होटल में बंद कमरे में बैठक हुई। यह मुलाकात करीब एक घंटे चली और बैठक को किसी भी पक्ष ने पहले से कोई जानकारी नहीं दी थी। यह मुलाकात तब हुई है जब शिवसेना (उद्धव ठाकरे गुट) लगातार एमएनएस के साथ गठबंधन की संभावनाओं को हवा दे रही थी और 'मराठी मानूस' की एकजुटता की अपील हो रही थी। वहीं, एमएनएस की चुप्पी और अब भाजपा नेताओं से मुलाकात इस बात का संकेत देती है कि राज ठाकरे उद्धव ठाकरे की बजाय भाजपा और शिंदे गुट के साथ जुड़ने का मन बना रहे हैं।

पिछले कुछ महीनों से उद्धव ठाकरे, उनके बेटे आदित्य और संजय राऊत सहित शिवसेना (यूबीटी) के नेता लगातार राज ठाकरे से सार्वजनिक अपील कर रहे थे। पुराने पारिवारिक फोटो, सोशल मीडिया पोस्ट और सामना में प्रकाशित भावनात्मक लेखों के माध्यम से मराठी अस्मिता की एकता का संदेश दिया जा रहा था। लेकिन एमएनएस की ओर से इस पर कोई औपचारिक प्रतिक्रिया नहीं आई।

बता दें कि 14 जून को राज ठाकरे और 13 जून को आदित्य ठाकरे का जन्मदिन है। शिवसेना (यूबीटी) कार्यकर्ता इन तारीखों को प्रतीकात्मक एकता दिवस के रूप में पेश कर रहे थे, लेकिन यह अचानक बैठक उनके मंसूबों पर पानी फेर सकती है।

वहीं राज ठाकरे को भाजपा के अलावा शिवसेना (शिंदे गुट) की ओर से भी गठबंधन का प्रस्ताव मिला है। संजय शिरसाट, मंत्री और शिवसेना (शिंदे गुट) के नेता ने कहा, ÷हमने पहले भी विधानसभा चुनाव के समय गठबंधन की पेशकश की थी। आज भी हम राज साहेब को साथ आने का निमंत्रण देते हैं।÷

यूएन की रिपोर्ट: भारत में घट रही प्रजनन दर, भविष्य के लिए चुनौती

–बढ़ती बुजुर्ग आबादी और घटती युवा शक्ति के लिए ठोस नीति जरुरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत की जनसंख्या में बड़ा और निर्णायक बदलाव आया है। संयुक्त राष्ट्र की ताज़ा रिपोर्ट 2025 के मुताबिक देश की कुल प्रजनन दर अब 'प्रत्यास्थापन स्तर' यानी रिप्लेसमेंट लेवल से नीचे चली गई है। इसका मतलब है कि अब जितने लोगों की देश में मौत हो रही हैं, उतने नए जन्म नहीं ले हो रहे। 2025 के अंत तक भारत की जनसंख्या के 1.46 अरब तक पहुंचने का अनुमान है, लेकिन चिंता की बात यह है कि कुल प्रजनन दर घटकर 1.9 रह गई है, जबकि स्थिर जनसंख्या बनाए रखने के लिए यह दर कम से कम 2.1 होनी चाहिए।

संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष (यूएनएफपीए) ने इसे एक 'वास्तविक प्रजनन संकट' करार दिया है। रिपोर्ट के मुताबिक दुनियाभर में लाखों लोग ऐसे हैं जो अपने इच्छित परिवार आकार तक नहीं पहुंच पा रहे हैं। कुछ लोगों को संतान प्राप्ति नहीं हुई है, तो कुछ सामाजिक, आर्थिक या स्वास्थ्य कारणों से बच्चे पैदा करने का फैसला टाल रहे हैं। गर्भनिरोधक साधनों की सीमित पहुंच, करियर व शिक्षा की प्राथमिकता, बदलती जीवनशैली और सामाजिक धारणाएं इस बदलाव के मुख्य कारण माने जा रहे हैं।

भारत में हालांकि अभी युवा जनसंख्या का बड़ा हिस्सा मौजूद है।

रिपोर्ट के मुताबिक देश की जनसंख्या में 0 से 14 साल के लोग 24फीसदी, 10 से 19 वर्ष के 17 फीसदी, 10 से 24 वर्ष के 26फीसदी और 15 से 64 वर्ष के लोग 68फीसदी हैं। इसका अर्थ है कि भारत फिलहाल एक बड़े 'जनसांख्यिकीय लाभांश' की स्थिति में है। यदि सरकार इस युवा शक्ति को सही दिशा दे सके, तो देश अगले कुछ दशकों में वैश्विक आर्थिक शक्ति बन सकता है।

यूएन रिपोर्ट यह बताती है कि भारत अब मध्यम आय वाले उन देशों की श्रेणी में आता है, जहां जनसंख्या दोगुनी होने में करीब 79 साल लगेंगे। यह एक अहम बदलाव है, क्योंकि पहले यह समय कहीं कम था। यूएनएफपीए की भारत में प्रतिनिधि के मुताबिक भारत ने बीते 50 सालों में प्रजनन दर कम करने के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। 1970 में जहां एक महिला औसतन 5 बच्चों को जन्म देती थी, अब यह संख्या करीब 2 हो चुकी है, जो शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं में हुए सुधार का परिणाम है।

विशेषज्ञ यह भी चेतावनी दे रहे हैं कि यदि यह गिरावट इसी तरह जारी रही तो आने वाले सालों में भारत को तेजी से बढ़ती बुजुर्ग आबादी और घटती युवा शक्ति के लिए ठोस नीतियां बनानी होंगी। यह बदलाव भविष्य की सामाजिक संरचना और आर्थिक उत्पादकता दोनों पर गहरा प्रभाव डाल सकता है।

ऑस्ट्रेलिया गेंदबाजों के आगे दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाजी लड़खडाई

लॉर्ड्स (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया को पहली पारी में 212 रनों के स्कोर पर रोकने के बाद बल्लेबाजी करने उतरी दक्षिण अफ्रीका की बल्लेबाजी भी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में बुधवार को लडखड़ाई और उसके बल्लेबाज संघर्ष करते देखे गये। दिन का खेल समाप्त होने के समय दक्षिण अफ्रीका ने 22 ओवर में 43 रन के स्कोर पर अपने चार विकेट गवां दिये है।

बल्लेबाजी करने उतरी दक्षिण अफ्रीका की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने पहले ही ओवर में सलामी बल्लेबाज एडन मारक्रम(शून्य) का विकेट गवां दिया। उन्हें मिचेल स्टार्क ने बोल्ड आउट किया। इसके बाद रियान रिकलटन (16) भी स्टार्क का शिकार बने। वियान मुल्डर (छह) को पैट कमिंस ने बोल्ड आउट किया। वहीं ट्रिस्टन स्टब्स (दो) को जॉश हेजलवुड ने बोल्ड आउटकर ऑस्ट्रेलिया की मैच में वापसी करा दी। दिन का खेल समाप्त होने के समय दक्षिण अफ्रीका 43 रन पर चार विकेट गवांकर संघर्ष करती दिखी। कप्तान टेम्बा बावूमा (नाबाद तीन) और डेविड बेडिघंम (नाबाद आठ) क्रीज पर मौजूद है। ऑस्ट्रेलिया की ओर से मिचेल स्टार्क ने दो विकेट लिये। जॉश हेजलवुड और पैट कमिंस ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

इससे पहले कगिसो रबाडा (पांच विकेट) और मार्को यानसन (तीन विकेट) की शानदार गेंदबाजी की बदौलत दक्षिण अफ्रीका ने बल्लेबाजी कर रही ऑस्ट्रेलिया को पहली पारी में 212 रन के स्कोर पर ढ़ेर कर दिया था। भोजनकाल के बाद स्टीव स्मिथ और बो वेब्स्टर ने ऑस्ट्रेलिया पारी को संभाला । दोनों बल्लेबाजों के बीच पांचवें विकेट लिए 79 रनों की साझेदारी हुई। 42वें ओवर में एडन मारक्रम ने स्टीव स्मिथ को आउटकर इस साझेदारी को तोड़ा। स्टीव स्मिथ ने 10 चौकों की मदद से 66 रनों की पारी खेली। इसके बाद एलेक्स कैरी (23) रन बनाकर केशव महाराज को शिकार बने। इसके बाद रबाड़ा और यानसन ने ऑस्ट्रेलिया पारी को समेटने में देर नहीं लगाई। बो वेब्स्टर ने 11 चौकों की मदद से (72) रनों की पारी खेली। उन्हें रबाड़ा ने आउट किया। कप्तान पैट कमिंस (एक) और मिचेल स्टार्क (एक) को रबाड़ा ने बोल्ड आउट किया।

नेथन लायन (शून्य) को मार्को यानसन बोल्ड किया। दक्षिण अफ्रीकी गेंदबाजों ने ऑस्ट्रेलिया की टीम को 56.4 ओवर में 212 के स्कोर पर ढ़ेर कर दिया। लार्ड्स के मैदान पर दक्षिण अफ्रीका के कप्तान टेम्बा बावुमा ने टॉस जीतकर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी ऑस्ट्रेलिया की शुरुआत खराब रही और उसने सलामी बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा (शून्य) का विकेट 12रन के स्कोर पर गवां दिया। उन्हें कगिसो रबाडा ने बेडिघम के हाथों कैच आउट कराया।

इसके बाद बल्लेबाजी करने आये कैमरन ग्रीन (चार) को भी रबाड़ा ने आउट किया। जमने का प्रयास कर रहे मार्नस लाबुशेन (17) को 18वें ओवर में मार्को यानसन ने

आउटकर ऑस्ट्रेलिया को तीसरा झटका दिया। इसके बाद ट्रैविस हेड (11) भी मार्को यानसन का शिकार बने। यानसन के आउट होते भोजनकाल की घोषणा कर दी गई। दक्षिण अफ्रीका ने भोजनकाल तक ऑस्ट्रेलिया के 23.2 ओवर में 67 रन चार विकेट झटकर मैच में अपना दबदबा बना लिया था दक्षिण अफ्रीका की ओर से कगिसो रबाड़ा ने पांच और मार्को यानसन ने तीन विकेट लिये। केशव महाराज और एडन मारक्रम ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

आईएसएसएफ विश्व कप: सिफत कौर ने 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशन में जीता कांस्य

म्यूनिख (एजेंसी)। शीर्ष भारतीय निशानेबाज सिफत कौर सामरा ने बृहस्पतिवार को यहां ISSF विश्व कप में महिलाओं की 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशन स्पर्धा में कड़ी प्रतिस्पर्धा के बीच कांस्य पदक जीता। महिलाओं की 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशन स्पर्धा में मौजूदा विश्व रिकॉर्ड धारक 23 वर्षीय सिफत ने आठ निशानेबाजों के फाइनल में 453.1 अंक बनाए।

नॉर्वे की जीनेट हेग ड्यूस्टेड ने 466.9 अंक के साथ स्वर्ण पदक जीता जबकि स्विट्जरलैंड की एमिली जैगी ने 464.8 अंक के साथ रजत पदक हासिल किया। एमिली 590 अंक के साथ क्वालीफिकेशन में नौवें स्थान पर रहीं थी लेकिन फाइनल में जगह बनाने में सफल रहीं क्योंकि शीर्ष आठ में शामिल दो निशानेबाज केवल रैंकिंग अंक (आरपीओ) के लिए निशानेबाजी कर रहीं थी।

क्वालीफिकेशन में सिफत ने नीलिंग, प्रोन और स्टैंडिंग के तीन चरण में कुल 592 अंक हासिल करके दूसरा स्थान हासिल किया। इस साल की शुरुआत में ब्यूनस आयर्स में हुए विश्व कप में उन्होंने स्वर्ण पदक जीता था जिससे 2024 पेरिस ओलंपिक में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद इस सत्र की शानदार शुरुआत हुई। फ्रांस की अगाथे सेसिल कैमिली गिरार्ड ने भी क्वालीफिकेशन में 592 अंक हासिल किए लेकिन 10 अंक के अंदरूनी हिस्से (एक्स) में अधिक निशाने के कारण शीर्ष पर रहीं।

स्विट्जरलैंड की ऑड्रे गोगनियाट क्वालीफिकेश में तीसरे स्थान पर रहीं। अन्य भारतीयों में आशी चौकसे क्वालीफिकेशन में 589 अंक के साथ 11वें स्थान पर रहीं जबकि अंजुम मौदगिल ने 586 अंक के साथ 27वां स्थान हासिल किया। श्रीयंका सदांगी 582 अंक के साथ 53वें स्थान पर रहीं और निश्चल 60वें स्थान पर रहीं।

इंग्लैंड टीम को सीरीज से पहले ही करारा झटका, तेज गेंदबाज टंग चोटिल हुए, युवा गेंदबाज एडी जैक शामिल

-युवा गेंदबाज एडी जैक शामिल

लंदन(एजेंसी)। भारतीय टीम के खिलाफ 20 जून से शुरु हो रही टेस्ट सीरीज से पहले ही मेजबान इंग्लैंड टीम को करारा झटका लगा है। इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जोश टंग चोटिल हो गये हैं। ऐसे में उनका पहले टेस्ट में खेलना संभव नजर नही आता। इसको देखते हुए इंग्लैंड टीम प्रबंधन ने 19 वर्षीय युवा गेंदबाज एडी जैक को कवर के तौर पर टीम में शामिल किया है। पहला टेस्ट 20 जून से लीड्स में शुरु होगा। टीम में शामिल एडी जैक ने अभी तक केवल दो फर्स्ट क्लास मैच खेले हैं, दोनों इंडिया ए के खिलाफ, और दोनों ही ड्रॉ रहे थे।. नॉर्थम्प्टन में खेले गए दूसरे अनौपचारिक टेस्ट में इस गेंदबाज ने दो विकेट लिए थे। इसके बाद भी टीम प्रबंधन ने इस युवा तेज गेंदबाज पर भरोसा जताया है। छह फीट चार इंच लंबे 19 साल के इस गेंदबाज ने इंग्लैंड लॉयंस के लिए खेलते हुए अपने प्रदर्शन से कोच ब्रेडन मैक्कुलम को प्रभावित किया था। जैक ने इंडिया ए के खिलाफ पहले मुकाबले में यशस्वी जायसवाल सहित दो खिलाड़ियों को आउट किया था। इस गेंदबाज को इंग्लैंड लॉयंस में बिना किसी फर्स्ट क्लास मैच के अनुभव के शामिल किया गया था। जैक ने अभी तक 11 लिस्ट ए मुकाबलों में 19 और तीन टी20 मैचो में दो विकेट लिए हैं। इस युवा गेंदबाज ने इंग्लैंड अंडर 19 टीम की ओर से भी खेला है। इस टीम के साथ वह इस साल की शुरुआत में दक्षिण अफ्रीका के दौरे पर भी पहुंचे थे। तब उनकी गेंदबाजी ने सभी का ध्यान खींचा था। मई में जिम्बाब्वे के खिलाफ अभ्यास मुकाबले में भी वह टीम में शामिल थे। तब इस गेंदबाज ने पांच विकेट लिए थे।

मौजूदा फॉर्म और गेंदबाजी संयोजन पर होगी भारतीय टीम प्रबंधन की नजर

बेकेनहैम (केंट) (एजेंसी)। इंग्लैंड के खिलाफ पांच टेस्ट मैच की श्रृंखला से पहले भारत की सीनियर टीम और भारत ए के बीच शुक्रवार से यहां शुरू होने वाले चार दिवसीय अभ्यास क्रिकेट मैच में टीम प्रबंधन सही संयोजन तैयार करने पर ध्यान केंद्रित करेगा। इस मैच में कुलदीप यादव और रविंद्र जडेजा के प्रदर्शन पर निगाह रहेगी और भारतीय टेस्ट टीम की अंतिम एकादश में जगह बनाने के लिए इन दोनों के बीच दिलचस्प मुकाबला होने की संभावना है।

यह मैच 20 जून से हेडिंग्ले में इंग्लैंड के खिलाफ होने वाले पहले टेस्ट मैच से पहले सीनियर टीम का एकमात्र अभ्यास मैच होगा। किसी भी श्रृंखला से पहले इस तरह के मैच टीम की तैयारी के लिए महत्वपूर्ण होते हैं। मुख्य कोच गौतम गंभीर के नेतृत्व में भारतीय टीम ने यह मैच खाली स्टेडियम में खेलने का विकल्प चुना है ताकि विपक्षी टीम को उनकी रणनीति की भनक नहीं लग सके। यूरोपीय फुटबॉल क्लब लंबे समय से ऐसा करते रहे हैं।

भारतीय क्रिकेट टीम ने ऑस्ट्रेलिया के पिछले दौरे में भी ऐसा किया था। भारत के गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल ने बुधवार को कहा था कि यह मैच भारत की तैयारी की दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण है क्योंकि सामान्य अभ्यास सत्रों से एक दिन में 90 ओवर गेंदबाजी और क्षेत्ररक्षण करने की क्षमता विकसित करना मुश्किल होता है। इस चार दिवसीय मैच को आधिकारिक तौर पर प्रथम श्रेणी का दर्जा प्राप्त नहीं है। इसमें यदि कोई बल्लेबाज सस्ते में आउट हो जाता है तो उसे दूसरा मौका मिलता है।

इस मैच से भारतीय टीम प्रबंधन को मैच की परिस्थितियों में अपने खिलाड़ियों विशेष कर गेंदबाजों का आकलन करने का अच्छा मौका मिलेगा। इससे यह सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी कि गेंदबाज़ चाहे वह स्पिनर हो या तेज़ गेंदबाज वास्तविक मैच में अपेक्षित लय में हों। हेडिंग्ले के लिए एकमात्र विशेषज्ञ स्पिनर को चुनने के लिए गंभीर को कुछ माथापच्ची करनी होगी। जडेजा का विदेश में बल्लेबाजी रिकॉर्ड अच्छा रहा है लेकिन अगर भारत को 20 विकेट हासिल करने हैं तो फिर कुलदीप की भूमिका महत्वपूर्ण हो जाएगी। कुलदीप यहां की परिस्थितियों में तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के अच्छे सहयोगी साबित हो सकते हैं। जडेजा बनाम कुलदीप अंतिम एकादश के लिए सबसे बड़ी पहेली है जिसे गंभीर और कोचिंग स्टाफ को सुलझाना होगा। इसी तरह इस मैच से कोचों और कप्तान शुभमन गिल को यह देखने का मौका मिलेगा कि आकाश दीप की फुल लेंथ या प्रसिद्ध कृष्णा की बैक ऑफ द लेंथ में से कौन सी गेंद इन परिस्थितियों में बेहतर काम करती है। छह महीने बाद लाल गेंद से मैच खेलने वाले बुमराह को कई स्पैल में गेंदबाजी करने और अपनी फिटनेस को परखने का मौका मिलेगा। पीठ के निचले हिस्से में लगी चोट से वापसी के बाद से उन्होंने सिर्फ आईपीएल खेला है।

आईसीसी रैंकिंग में भारतीय खिलाड़ियों का दबदबा

दुबई । आईसीसी की ताजा रैंकिंग में भारतीय खिलाड़ी छाये हुए हैं। इसमें शीर्ष 10 में से छह भारतीय हैं जिनमें तीन बल्लेबाज शामिल है। इसमें तिलक वर्मा, सूर्यकुमार यादव और अभिषेक शर्मा हैं। बल्लेबाजों में तिलक वर्मा ताजा रैंकिंग में एक स्थान ऊपर आकर तीसरे नंबर पर पहुंच गए हैं। वहीं सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा दूसरे नंबर पर बने हुए हैं। सूर्यकुमार छठे स्थान पर फिसल गए हैं। गेंदबाजों की रैंकिंग में रहस्यममीय स्पिनर वरुण चक्रवर्ती तीसरे और रवि बिश्नोई सातवें नंबर पर हैं। तिलक के 804 रेटिंग अंक हैं और वह अपने ही साथी खिलाड़ी अभिषेक शर्मा से पीछे हैं। वहीं ऑस्ट्रेलिया के ट्रेविस हेड बल्लेबाजी रैंकिंग में नंबर एक पर बने हुए हैं। सूर्यकुमार एक स्थान नीचे आकर छठे स्थान पर हैं। गेंदबाजी रैंकिंग में वरुण 706 और बिश्नोई 674 के अलावा बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह 653 भी शीर्ष 10 में शामिल हैं। ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या 252 रेटिंग अंक के साथ सूची में नंबर एक पर हैं। इंग्लैंड के आदिल राशिद गेंदबाजी रैंकिंग में दूसरे स्थान पर हैं। राशिद के 710 अंक हैं वहीं नंबर एक पर चल रहे न्यूजीलैंड के जैकब डफी के 723 अंक हैं। राशिद के टीम के साथी ब्राइडन कार्स 16 स्थान ऊपर आकर 52वें स्थान पर पहुंच गए हैं। इंग्लैंड के बल्लेबाज बेन डकेट 48 स्थान के लाभ से 16वें स्थान पर हैं। वहीं सीरीज में नाबाद 35 और 34 रन बनाने वाले हैरी ब्रूक संयुक्त 38वें स्थान पर ।

अंडर-19 टीम के साथ इंग्लैंड दौरे की तैयारियों में लगे हैं वैभव

मुम्बई । आईपीएल के इस सत्र में अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से स्टार बने 14 साल के वैभव सूर्यवंशी अब अंडर-19 टीम के साथ इंग्लैंड दौरे की तैयारियों में लग गये हैं। वैभव ने इसी दौरान 90 गेंदों में 190 रन बना दिये। वैभव ने नेशनल क्रिकेट अकादमी (एनसीए) में अभ्यास मैच के दौरान 200 से अधिक की स्ट्राइक रेट से रन बनाये। भारतीय अंडर-19 टीम 24 जून से 23 जुलाई 2025 तक इंग्लैंड दौरे पर रहेगी। ये टीम इस दौरान मेजबान इंग्लैंड के खिलाफ पांच एकदिवसय और दो चार दिवसीय मैच खेलेगी। इसके अलावा 50 ओवर का एक अभ्यास मैच भी होगा। वैभव सूर्यवंशी इंग्लैंड दौरे पर कप्तान आयुष म्हात्रे के साथ पारी की शुरुआत करते नजर आएंगे। वैभव ने अपनी पहचान 12 साल की उम्र से ही पहली बार तब बनायी थी जब उन्होंने रणजी ट्रॉफी में सबसे कम उम्र में डेब्यू कर सबको हैरान कर दिया था। वहीं जब उन्होंने आईपीएल 2025 में 35 गेंद में शतक लगाय तो सभी देखते रह गये। उन्होंने यह पारी भारतीय टेस्ट कप्तान शुभमन गिल की टीम गुजरात टाइटंस के खिलाफ खेली थी. यह आईपीएल में सबसे कम उम्र में शतक लगाने का रिकॉर्ड भी है। एनसीए में खेले गए अभ्यास मैच में भी वैभव सूर्यवंशी ने वही अंदाज दिखाया जिसके लिए उन्होंने अपनी पहचान बनाई है। वैभव ने मंगलवार को खेले गए इस प्रैक्टिस मैच में लॉन्ग-ऑन, मिडविकेट के ऊपर से लंबे-लंबे छक्के जड़े. इतना ही नहीं उन्होंने पॉइंट के ऊपर से भी छक्का मारा। उनकी इस पारी का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है।

डैरेन सैमी का दावा, फ्रैंचाइजी टी20 लीग में खेलने के लिए और खिलाड़ी लेंगे संन्यास

स्पोर्ट्स डेस्क। डैरेन सैमी ने निकोलस पूरन के संन्यास के बारे में बात की, जिन्होंने कई अन्य लोगों की तरह हाल ही में कई कारकों से राष्ट्रीय टीमों की तुलना में फ्रैंचाइजी-आधारित टी20 लीग खेलना ज़्यादा पसंद किया है। इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे टी20आई के बाद जिसमें वेस्टइंडीज को 0-3 से हार का सामना करना पड़ा, सैमी ने पत्रकारों से बातचीत में जब पूरन, क्लासेन और अन्य के संन्यास के बारे में पूछा गया तो उन्होंने दावा किया कि उनकी अंतरात्मा ने उन्हें इस तरह की घटना के होने का संकेत दिया था। सैमी ने दावा किया कि उन्हें पूरन जैसे किसी खिलाड़ी को टीम में रखना अच्छा लगता, लेकिन उन्होंने कहा कि वह किसी खिलाड़ी के करियर को नियंत्रित नहीं कर सकते। वेस्टइंडीज के मुख्य कोच को खुशी है कि पूरन ने अपने फैसले के बारे में पहले ही बता दिया क्योंकि टी20 विश्व कप 2026 बहुत दूर नहीं है। सैमी ने कहा, 'मेरी सहज बुद्धि ने मुझे बताया कि ऐसा कुछ होगा। आदर्श रूप से, ऐसी प्रतिभा वाले खिलाड़ी को मैं टीम में रखना पसंद करूंगा। लेकिन मैं किसी के करियर को नियंत्रित नहीं कर सकता, मैंने उन्हें शुभकामनाएं दी, और उन्होंने टीम को शुभकामनाएं दीं। अब निकोलस पूरन के बिना गेम प्लान बनाने से आगे बढ़ने की कोशिश करने की बात है। विश्व कप आने वाला है, मैं इस तथ्य का सम्मान करता हूं कि उन्होंने हमें काफी पहले ही बता दिया था इसलिए हमारे पास उनके बिना योजना बनाने के लिए अधिक समय है।' पूर्व कप्तान को लगता है कि टी20 क्रिकेट जिस तरह से काम करता है, उसे देखते हुए अधिक क्रिकेटर पूरन के रास्ते पर चल सकते हैं। दो बार टी20 विश्व कप जीतने वाले कप्तान को लगता है कि खिलाड़ियों को वेस्टइंडीज के लिए खेलने के लिए प्रेरित करना व्यक्तियों के लिए एक चुनौती है। उन्होंने कहा कि हेनरिक क्लासेन, क्विंटन डी कॉक और ग्लेन मैक्सवेल जैसे खिलाड़ियों ने भी इसी तरह का रास्ता अपनाया है। सैमी ने कहा, 'मुझे पूरा यकीन है कि इस दिशा में और भी लोग इसी मूड में आगे बढ़ेंगे। टी20 क्रिकेट अब ऐसा ही है, और खास तौर पर वेस्टइंडीज से, जहां हम अपने खिलाड़ियों को शिखर

पर खेलने के लिए प्रेरित रखने की कोशिश में चुनौतियों का सामना कर रहे हैं इसलिए मुझे आश्चर्य नहीं होगा। आपने देखा होगा कि हर कोई हेनरिक क्लासेन, क्विंटन डी कॉक, इन लोगों के बारे में बात करता है, जो रिटायर हो चुके हैं। यह हमारे नियंत्रण से बाहर है।'

स्टार्क आईसीसी टूर्नामेंट्स के फाइनल में सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज बने, शमी का रिकार्ड तोड़ा

लॉर्ड्स । ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल में एक अहम रिकॉर्ड अपने नाम किया है। अब स्टार्क आईसीसी टूर्नामेंटों के फाइनल में सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गए हैं। स्टार्क ने इसी के साथ ही भारतीय टीम के तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी का रिकॉर्ड तोड़ा। स्टार्क ने यह उपलब्धि डब्ल्यूटीसी फाइनल के पहले ही दिन हासिल की। स्टार्क ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहली पारी में 7 ओवर में 10 रन देकर 2 विकेट लिए। उन्होंने पहले ओवर में ही दक्षिण अफ्रीकी सलामी बल्लेबाज एडेन मार्करम को पेवेलियन भेज दिया। आईसीसी टूर्नामेंट के फाइनल में सबसे अधिक 10 विकेट लेने का रिकॉर्ड शमी के नाम था पर अब स्टार्क ने इस रिकॉर्ड को अपने नाम कर लिया है। शमी ने 6 पारियों में 10 विकेट लिए थे पर स्टार्क के नाम अब 11 विकेट हो गए हैं। स्टार्क ने साल 2015 में न्यूजीलैंड के खिलाफ एकदिवसीय विश्व कप फाइनल में दो विकेट लिए थे। वहीं भारत के खिलाफ डब्ल्यूटीसी 2023 फाइनल में चार विकेट लिए थे।

उन्होंने भारत के खिलाफ एकदिवसीय विश्व कप 2023 फाइनल में भी तीन विकेट लिए थे। वहीं सबसे अधिक विकेट लेने वाले तीसरे गेंदबाज न्यूजीलैंड के ट्रेंट बोल्ट हैं। उनके 5 पारियों में 8 विकेट हैं। वहीं भारत के रवींद्र जडेजा के नाम भी आठ विकेट हैं। स्टार्क के डब्ल्यूटीसी 2023-2025 में कुल 74 विकेट हो गये हैं। पैट कमिंस के साथ दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। डब्ल्यूटीसी चक्र में सबसे ज्यादा विकेट लेने का रिकॉर्ड जसप्रीत बुमराह के नाम है, जिन्होंने 77 विकेट लिए हैं। स्टार्क ने टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा विकेट लेने के मामले में इयान बॉथम 383 को भी पीछे छोड़ दिया है। इस प्रारूप में उनके 384 विकेट हैं। मिचेल स्टार्क ने दोनों सलामी बल्लेबाजों ऐडन मार्करम को शून्य वहीं रेयान रिकेल्टन को 16 रनों पर ही आउट कर दक्षिण अफ्रीकी टीम को करारा झटका दिया। वही कप्तान पैट कमिंस और जोश हेजलवुड ने भी एक-एक विकेट लिया।

श्रेयस को इंग्लैंड दौरे के लिए जगह मिलनी चाहिये थी : गांगुली

कोलकाता (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान अध्यक्ष सौरव गांगुली ने कहा है कि इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए बल्लेबाज श्रेयस अय्यर शामिल किया जाना था। गांगुली के अनुसार श्रेयस का प्रदर्शन पिछले कुछ समय में काफी अच्छा रहा है। इसके बाद भी उन्हें टीमें में जगह नहीं मिलना हैरानी की बात है। श्रेयस की कप्तानी में टीम इंडियन प्रीमियर लीग (ट्वेन्टी) 2025 के अलावा कई अन्य घरेलू टूर्नामेंटों के भी फाइनल में पहुंची है। आईपीएल में उन्होंने पंजाब की ओर से सबसे अधिक 604 रन बनाये थे। गांगुली के अनुसारन श्रेयस को उनके इस प्रदर्शन के आधार पर टीम में जगह मिलनी चाहिये थी।

गांगुली ने कहा, पिछले एक साल में वह अपना सर्वश्रेष्ठ खेल रहा है और उसे इस टीम में होना चाहिए था। पिछला एक साल उसके लिए शानदार रहा है। वह ऐसा खिलाड़ी नहीं है जिसे बाहर रखा जाए। वह अब दबाव में रन बना रहा है, जिम्मेदारी ले रहा है और शॉर्ट बॉल को अच्छी तरह खेल रहा है। टेस्ट क्रिकेट हालांकि अलग होता है पर अगर मैं चयन समिति में होता तो उसे शामिल करता, जिससे पता चले वह क्या कर सकता है।

भारत और इंग्लैंड के बीच पांच मैचों की टेस्ट सीरीज 20 जून से हेडिंग्ले में शुरू होगी। पांच मैचों की इस सीरीज से विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) 2025-27 चक्र की शुरुआत होगी। यह सीरीज भारतीय टीम के लिए इसलिए भी अहम है क्योंकि टीम युवा कप्तान के नेतृत्व में उतरेंगीहै। ऐसे में देखना दिलचस्प होगा कि रोहित शर्मा , विराट कोहली और आर अश्विन के बिन भारतीय टीम किस प्रकार का प्रदर्शन करती है।

इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए भारतीय टीम

शुभमन गिल (कप्तान), ऋषभ पंत (उपकप्तान और विकेटकीपर), यशस्वी

जयसवाल, केएल राहुल, साई सुदर्शन, अभिमन्यु ईश्वरन, करुण नायर, नितीश रेड्डी, रवींद्र जडेजा, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), वाशिंगटन सुंदर, शार्दुल ठाकुर, जसप्रित बुमरा, मोहम्मद। सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, आकाश दीप, अर्शदीप सिंह, कुलदीप यादव।

भारत अच्छी तैयारी के साथ आया होगा, लेकिन हम जानते हैं कि हमें कहां पहुंचना है : मैकुलम

लंदन (एजेंसी)। इंग्लैंड के मुख्य कोच ब्रेंडन मैकुलम का मानना है कि भारत पांच टेस्ट मैच की श्रृंखला के लिए अच्छी तैयारी और आत्मविश्वास के साथ यहां आया होगा लेकिन इसके साथ ही उन्होंने कहा कि उनके खिलाड़ी इस बात को अच्छी तरह से समझते हैं कि 'एक टेस्ट टीम के रूप में हम कहां पहुंचना चाहते हैं।' भारत अपने नए विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप चक्र की शुरुआत 20 जून से लीड्स में इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की श्रृंखला के साथ करेगा।

मैकुलम ने स्काई स्पोर्ट्स क्रिकेट से कहा, 'वह शानदार क्रिकेट खेलने वाला देश है, जो बड़ी उम्मीदों के साथ यहां आया होगा और हम उनकी चुनौती के लिए तैयार हैं।' इंग्लैंड ने हाल ही में छह मैचों की सफ़ेद गेंद की श्रृंखला में वेस्टइंडीज़ का सफ़ाया किया। अब उनका ध्यान लाल गेंद के प्रारूप पर है क्योंकि वे भारत और इस साल के अंत में होने वाली एशेज की तैयारी कर रहे हैं। मैकुलम ने कहा, ''यह महत्वपूर्ण है कि खिलाड़ी तरोताजा रहें। हम जानते हैं कि टेस्ट टीम के रूप में हमें कहां पहुंचना है।'

इंग्लैंड की टीम में तेज गेंदबाज मार्क वुड नहीं होंगे, जो चोट के कारण कम से कम पहले तीन टेस्ट से बाहर हो गए हैं। उनके साथी तेज गेंदबाज जोफ़ा आर्चर भी शुरुआती टेस्ट से बाहर रहेंगे, जबकि गस एटकिंसन अब भी हैमस्ट्रिंग में खिंचाव से उबर रहे हैं। मैकुलम को हालांकि इंग्लैंड के गेंदबाजी विकल्पों पर पूरा भरोसा है। न्यूजीलैंड के पूर्व कप्तान ने कहा, 'हमारे कुछ अच्छे तेज गेंदबाज खेलने के लिए उपलब्ध नहीं रहेंगे लेकिन हमारे पास क्रिस वोक्स, सैम कुक, ब्रायडन कार्स, जेमी ओवरटन, जोश टंग के रूप में तेज गेंदबाजी विभाग में अच्छा और विविधतापूर्ण आक्रमण है।'

उन्होंने कहा, 'स्पिन विभाग में हमारे पास शोएब बशीर हैं, जो टेस्ट क्रिकेट में लगातार अपने खेल में सुधार कर रहे हैं। हम जानते हैं कि भारत के खिलाफ हमारी परीक्षा होगी और वे पूरी तैयारी के साथ उतरेंगे।' भारत अनुभवी विराट कोहली, रोहित शर्मा और आर अश्विन के बिना एक नए युग की शुरुआत करेगा। यह तीनों खिलाड़ी टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले चुके हैं। भारतीय टीम की अगुआई शुभमन गिल करेंगे और इसमें साई सुदर्शन और यशस्वी जायसवाल जैसे युवा खिलाड़ी शामिल हैं।

इंग्लैंड ने ऑलराउंडर जैकब बेथेल को फिर से टीम में शामिल किया है और मैकुलम ने इस 21 वर्षीय खिलाड़ी की जमकर प्रशंसा की। उन्होंने कहा, 'बेथेल के सामने अभी लंबा करियर है। वह अभी केवल 21 साल का है और उसके पास अपनी प्रतिभा को दिखाने का

मौका है। वह ड्रेसिंग रूम में पहले ही अपनी पैठ बना चुका है।' मैकुलम ने जेमी स्मिथ और बेन डकेट का भी विशेष उल्लेख किया। उन्होंने कहा, ''जेमी स्मिथ और बेन डकेट ने मुझे टेस्ट मैच में डकेट और जैक क्रॉली की जोड़ी की याद दिला दी है। हम जानते हैं कि डकेट कितने अच्छे बल्लेबाज हैं, लेकिन स्मिथ के पास जो ताकत है वह अद्भुत है।'

ख्वाजा डब्ल्यूटीसी फाइनल में सबसे अधिक गेंद खेलकर शून्य पर आउट होने वाले तीसरे खिलाड़ी बने

लॉर्ड्स । ऑस्ट्रेलियाई सलामी बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा यहां लॉर्ड्स में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शुरु हुए विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल में अपना खाता भी नहीं खोल पाये। ख्वाजा सबसे अधिक गेंद खेलकर शून्य पर आउट होने वाले संयुक्त रुप से तीसरे बल्लेबाज बन गये हैं। ख्वाजा सातवें ओवर में तेज गेंदबाज कैगिसो रबाडा ने अपना शिकार बनाया। उन्होंने अपनी पारी में 20 गेंदें खेली थीं। वहीं डब्ल्यूटीसी में इससे पहले तीन सलामी बल्लेबाजों डेविड वार्नर ने 22 गेंदें, शॉन मार्श ने 21 गेंदें और सैमी जोन्स ने 20 गेंदें खेली थीं। इस मैच में टॉस जीतकर दक्षिण अफ्रीका के कप्तान टेम्बा बावुमा ने पहले गेंदबाजी का फैसला किया। टॉस जीतने के बाद दक्षिण अफ्रीका के कप्तान टेम्बा बावुमा ने कहा, हमने सबसे अच्छा संयोजन चुना है। ये एक बेहतर फाइनल रहेगा। वहीं ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस ने कहा कि पहले बल्लेबाजी में समस्य नहीं है। ये विकेट अच्छा लग रहा है। सभी खिलाड़ियों ने अच्छी तैयारी की है। टीम बिना किसी दबाव के उतरी है और उसका लक्ष्य बेहतर प्रदर्शन करना है।

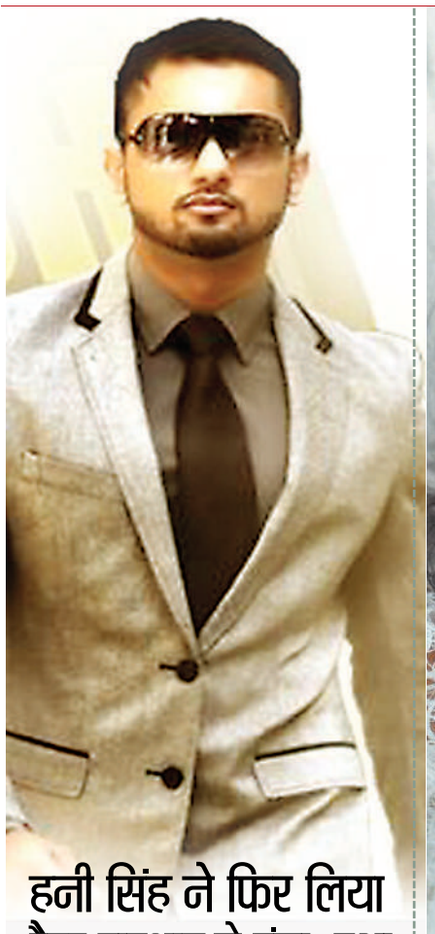

हनी सिंह ने फिर लिया रैपर बादशाह से पंगा, दुआ लीपा वाले विवादित बयान की सफाई पर कसा तंज

बॉलीवुड म्यूजिक इंडस्ट्री में एक बार फिर दो पुराने रैपर्स के बीच जुबानी जंग शुरू हो गई है। इस बार मामला है रैपर बादशाह के एक विवादित बयान और उस पर हनी सिंह की तीखी प्रतिक्रिया का। दुआ लीपा को लेकर दिए गए एक कमेंट के बाद पहले ही बादशाह सोशल मीडिया पर ट्रोल हो रहे थे और अब हनी सिंह के तंज ने इस विवाद को और बढ़ा दिया है। दरअसल बादशाह ने हाल ही में एक इंटरव्यू में इंटरनेशनल पॉप सिंगर दुआ लीपा के बारे में ऐसा बयान दिया, जो काफी आपत्तिजनक माना गया। उन्होंने कहा था कि वो उनके साथ बच्चे पैदा करना पसंद करेंगे। इस बयान को लेकर सोशल मीडिया पर काफी आलोचना हुई। मामला तूल पकड़ने के बाद बादशाह ने सफाई दी कि उनका इरादा तारीफ करने का था, न कि अपमान का। उन्होंने कहा, 'जब आप किसी महिला की तारीफ करना चाहते हैं, तो सबसे खूबसूरत तारीफ ये हो सकती है कि आप उन्हें अपने बच्चों की मां के रूप में देखना चाहें।'

हनी सिंह ने किया कटाक्ष

हालांकि बादशाह की ये सफाई भी लोगों को रास नहीं आई। इंस्टाग्राम पर जब एक मीडिया पेज ने उनकी सफाई को पोस्ट किया, तो हनी सिंह ने उस पर कमेंट करते हुए लिखा- जीनियस। यह कमेंट भले ही छोटा था, लेकिन इसके पीछे छुपा तंज इंटरनेट यूजर्स से छिपा नहीं रहा। फैंस ने तुरंत समझ लिया कि हनी सिंह बादशाह की सफाई पर व्यंग्य कर रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, 'पाजी ने तो कटाक्ष कर दिया', तो दूसरे ने लिखा, 'पाजी, तुस्सी ग्रेट हो!'

पुरानी दुश्मनी एक बार फिर गर्माई

गौरतलब है कि हनी सिंह और बादशाह कभी एक ही रैप ग्रुप 'माफिया मुंडीर' का हिस्सा थे, जिसमें इक्का, लिल गोलू और रफ्तार जैसे रैपर भी थे। लेकिन समय के साथ इनके बीच मतभेद बढ़े और ग्रुप टूट गया। तब से दोनों रैपर्स के बीच दरार बनी हुई है, जो सोशल मीडिया और इंटरव्यूज के जरिए कई बार सामने आ चुकी है।

बादशाह ने हनी सिंह से मांगी थी माफी

2024 में देहरादून में एक लाइव कॉन्सर्ट के दौरान बादशाह ने मंच से यह कहकर सबको चौंका दिया था कि वे हनी सिंह से अपनी दुश्मनी खत्म करना चाहते हैं। उन्होंने कहा था कि वो बीती बातों को पीछे छोड़कर आगे बढ़ना चाहते हैं और हनी सिंह के लिए शुभकामनाएं भी दी थीं। लेकिन लगता है कि हनी सिंह अब भी इस रिश्ते को पहले की तरह ही देख रहे हैं और मेल-मिलाप के मूड में नहीं हैं।

अब खुद को 'अनुराग बसु की हीरोइन' कह सकती हूं

फिल्म अभिनेत्री सारा अली खान के लिए यह एक सपना सच होने जैसा है। दरअसल, अभिनेत्री फिल्म निर्माता अनुराग बसु और 2007 की फिल्म लाइफ इन ए मेट्रो की प्रशंसक रही हैं। सारा ने कहा कि दूसरी फिल्म में काम करने के बाद अब वह खुद को अनुराग बसु की हीरोइन कह सकती हैं। सारा ने इंस्टाग्राम पर मेट्रो.इन दिनो के ट्रेलर लॉन्च का एक वीडियो शेयर किया। इसमें आगामी फिल्म के ट्रेलर की कुछ झलकियां भी दिखाई गई। फिल्म 4 जुलाई को रिलीज होने वाली है। कैप्शन में सारा ने लिखा, मेट्रो देखने और उसे पसंद करने से लेकर अब इसमें काम करने तक। सपने सच होते हैं। मैं अनुराग बसु की प्रशंसक रही हूं- अब मैं कह सकती हूँ कि मैं भी अनुराग बसु की हीरोइन हूं। म्यूजिकल फिल्म का ट्रेलर 4 जून को जारी किया गया था और इसमें चार अलग-अलग उम्र के जोड़ों की दिलचस्प कहानी दिखाई गई थी। ट्रेलर के अनुसार, फिल्म का कथानक काफी हद तक अपनी पिछली फिल्म जैसा ही है। इसमें 4 जोड़ों की जिंदगी को दिखाया गया है और दिखाया गया है कि वे किस तरह से जीवन में आने वाले उतार-चढ़ावों का सामना करते हैं।

फिल्म में अनुपम खेर, पंकज त्रिपाठी, कोंकणा सेन शर्मा, आदित्य रॉय कपूर, सारा अली खान, फातिमा सना शेख, अली फजल और नीना गुप्ता हैं। अनुराग बसु, संगीत के दिग्गज प्रीतम, टी-सीरीज के निर्माता भूषण कुमार और शाश्वत सिंह, पापोन और राघव चैतन्य जैसे गायकों की उपस्थिति में फिल्म का पहला गाना 'जमाना लागे जारी किया गया था। गुलशन कुमार और टी-सीरीज द्वारा प्रस्तुत, अनुराग बसु प्रोडक्शंस प्राइवेट लिमिटेड के सहयोग से, 'मेट्रो इन दिनो' का निर्माण भूषण कुमार, कृष्ण कुमार, अनुराग बसु और तानी बसु द्वारा किया गया है। यह फिल्म 4 जुलाई, 2025 को सिनेमाघरों में आने वाली है। सारा को आखिरी बार एक्शन ड्रामा फिल्म स्काई फोर्स में देखा गया था, जो 1965 के भारत-पाकिस्तान हवाई युद्ध में पाकिस्तान के सरगोधा एयरबेस पर भारत के पहले हवाई हमले के इर्द-गिर्द घूमती है। फिल्म में अक्षय कुमार, वीर पहाड़िया और निमरत कौर भी हैं।

इस दिन ओटीटी पर रिलीज होगी दिलजीत की डिटेक्टिव शेरदिल

पंजाबी सिंगर और एक्टर दिलजीत दोसांझ की आगामी फिल्म डिटेक्टिव शेरदिल की रिलीज डेट का एलान हो गया है। यह फिल्म इसी महीने यानी जून में दर्शकों के बीच पहुंच रही है। मगर, फिल्म को सिनेमाघरों में नहीं, बल्कि सीधे ओटीटी पर रिलीज किया जा रहा है। इस फिल्म को अली अब्बास जफर ने प्रोड्यूस किया है।

इस तारीख को यहां होगी रिलीज

डिटेक्टिव शेरदिल की रिलीज डेट काफी वक्त से अटकी हुई थी। करीब तीन साल की लेट-लतीफी के बाद आखिर आज रविवार की इसकी रिलीज डेट का एलान कर दिया गया है। अली अब्बास जफर ने फिल्म का पोस्टर रिलीज किया है। इसके साथ बताया है कि यह फिल्म 20 जून 2025 को रिलीज हो रही है। फिल्म ओटीटी प्लेटफॉर्म जी5 पर स्ट्रीम होगी।

रवि छाबड़िया का डायरेक्शन डेब्यू

इस मिस्ट्री कॉमेडी ड्रामा फिल्म की शूटिंग कई साल पहले पूरी हो चुकी थी। मगर, अज्ञात कारणों से फिल्म की रिलीज अटकी हुई थी, मगर आज इसका रास्ता साफ हो गया है। फिल्म के निर्देशन की कमान रवि छाबड़िया ने संभाली है। इस फिल्म के जरिए रवि निर्देशन की दुनिया में कदम रख रहे हैं।

जासूस की भूमिका में नजर आएंगे दिलजीत

इस फिल्म में दिलजीत दोसांझ एक अनोखे जासूस की भूमिका में नजर आएंगे। दिलजीत के अलावा सुमित व्यास, डायना पेंटी, बनिता संधू, चंकी पांडे, बोमन ईरानी और रत्ना पाठक शाह भी फिल्म में अहम भूमिकाएं अदा करते दिखेंगे।

सरदार जी 3 भी है कतार में

डिटेक्टिव शेरदिल, दिलजीत दोसांझ और अली अब्बास जफर की दूसरी फिल्म है। इससे पहले दोनों जोगी फिल्म में साथ काम कर चुके हैं। डिटेक्टिव शेरदिल में दर्शकों को सस्पेंस, रोमांच और कॉमेडी का भरपूर डोज मिलने वाला है। इसके अलावा दिलजीत दोसांझ फिल्म सरदार जी 3 में नजर आएंगे, जो 27 जून 2025 को रिलीज होगी।

हाउसफुल 5 शानदार ओपनिंग का सोनम ने मनाया जश्न, टाइगर श्रॉफ ने दी बधाई

बॉलीवुड में हाल ही में कदम रखने वाली पंजाबी एक्ट्रेस सोनम बाजवा इन दिनों अपनी पहली हिंदी फिल्म हाउसफुल 5 की सफलता का जश्न मना रही हैं। हालांकि फिल्म तो मिले-जुले रिएक्शन्स मिल रहे हैं लेकिन बॉक्स ऑफिस पर फिल्म अच्छे आकंड़े लेकर आ रही है। बस इसी खुशी का जश्न को सोनम बाजवा ने अपनी आने वाली फिल्म के सेट पर मनाया।

टाइगर श्रॉफ ने दी सोनम को बधाई

बागी 4 के सेट से सामने आए वीडियो में सोनम बाजवा बेहद खुश नजर आ रही हैं। फिल्म की ओपनिंग डे पर कमाई 24.35 करोड़ रुपये के पार पहुंच गई, जिसे लेकर सभी बेहद उत्साहित थे। सोनम के साथ मौजूद टाइगर श्रॉफ ने भी इस मौके पर खास मैसेज दिया और कहा, 'हाउसफुल 5' की टीम को इतने जबरदस्त रिस्पॉन्स के लिए बधाई। सजिद सर, संजय सर और खूबसूरत सोनम को बहुत-बहुत शुभकामनाएं।'

सोनम बाजवा ने जताया आभार

सोनम ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक भावुक पोस्ट शेयर करते हुए लिखा, 'हाउसफुल 5' हमेशा मेरे दिल के करीब रहेगी। ये मेरा पहला बॉलीवुड प्रोजेक्ट है और इससे बेहतर स्वागत मैं सोच भी नहीं सकती थी। सजिद सर और पूरी टीम का तहेदिल से शुक्रिया।' उन्होंने बागी 4 की टीम को भी इस सरप्राइज सेलिब्रेशन के लिए धन्यवाद दिया और लिखा, 'टाइगर, निम्मा हरिशा सर और पूरी बागी 4 की टीम का बहुत शुक्रिया इस यादगार जश्न के लिए। मैं खुद को सौभाग्यशाली मानती हूं कि मुझे संजय दत्त सर के साथ दोनों फिल्मों में काम करने का मौका मिला।'

सोनम के अपकमिंग प्रोजेक्ट्स

हाउसफुल 5 के बाद सोनम अब टाइगर श्रॉफ के साथ बागी 4 में नजर आएंगी। इसके अलावा उनके पास एक दीवाने की दीवानियत नाम की एक और बॉलीवुड फिल्म है, जिसमें उनके साथ हर्षवर्धन राणे दिखाई देंगे। सोनम अब बॉलीवुड में अपने अभिनय की छाप छोड़ने के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

रिलेशनशिप को लेकर अनन्या पांडे का खुलासा

बॉलीवुड एक्ट्रेस अनन्या पांडे इन दिनों अपनी आगामी रोमांटिक कॉमेडी फिल्म तू मेरी मैं तेरा मैं तेरा तू मेरी को लेकर लगातार सुर्खियों में बनी हुई है। इसी बीच एक इंटरव्यू के दौरान अनन्या ने खुलकर रिलेशनशिप को लेकर अपनी राय पेश की।

पार्टनर के लिए बदल जाते हैं लोग

एक खबर के मुताबिक, अनन्या पांडे ने बताया कि वह अक्सर अपने पार्टनर को खुश करने के लिए खुद को बदल लेती थीं, जैसे उनकी पसंद की फिल्में देखना या उनके जैसा कपड़े पहनना। अनन्या ने इसे अपने लोगों को खुश करने वाले व्यक्तित्व का हिस्सा बताया। इसके साथ ही उन्होंने रिलेशनशिप में धोखा देना, झूठ बोलना, और अपने पार्टनर को सार्वजनिक रूप से नीचे दिखाने को लेकर भी बात की।

रिश्ते में क्या है सबसे बड़ा खतरा

अनन्या के लिए सबसे बड़ा खतरा यह है कि अगर कोई पार्टनर उनकी सफलता से खुश न हो। उन्होंने कहा कि रिलेशनशिप में ईमानदारी और एक-दूसरे को वैसे ही स्वीकार करना जरूरी है। कथित तौर पर पहले अनन्या का नाम ईशान खट्टर, कार्तिक आर्यन और आदित्य रॉय कपूर के साथ जोड़ा गया था। अब अफवाह है कि वह पूर्व मॉडल वॉकर ब्लैंको को डेट कर रही हैं, लेकिन उन्होंने इस पर कोई चर्चा नहीं की।

हाल ही में अनन्या एक्टर अक्षय कुमार और आर माधवन के साथ फिल्म केसरी चैप्टर 2 में नजर आईं, जिसे दर्शकों और आलोचकों ने पसंद किया। वह जल्द ही रोमांटिक ड्रामा फिल्म चांद मेरा दिल में लक्ष्य के साथ और कार्तिक आर्यन के साथ रोमांटिक कॉमेडी फिल्म तू मेरी मैं तेरा मैं तेरा तू मेरी में नजर आएंगी। फिल्म तू मेरी मैं तेरा मैं तेरा तू मेरी 13 फरवरी, 2026 को रिलीज होगी।

पहले हीरोइनें सेट पर डरी-सहमी रहती थीं कि कहीं उनके हाथ से फिल्म ना निकल जाए

कुनिका सदानंद करीब चार दशक का लंबा सफर तय कर चुकी हैं। इसके लिए वह खुद को खुशनसीब मानती हैं। उन्होंने कई बार नकारात्मक किरदारों से दर्शकों का दिल जीता है, लेकिन असल में वह बेहद सकारात्मक सोच वाली महिला हैं। बीते दिनों वह नजाकत और नफासत के शहर से रूबरू हुईं तो सबसे मुस्कुराकर मिलीं।

सूरज बड़जात्या बिना शोर-शराबे के शूटिंग करते हैं सूरज बड़जात्या द्वारा निर्देशित फिल्म हम साथ साथ हैं आज भी लोगों के जेहन में है। कुनिका सदानंद भी उस फिल्म का हिस्सा थीं। बातचीत में उन्होंने फिल्म से जुड़ा अपना अनुभव साझा किया। उन्होंने कहा कि फिल्म में शादी वाले सीक्वेंस शूट करने में बहुत मजा आया था। ऐसा लगता था कि जैसे हम किसी बहुत बड़ी शादी में मेहमान बनकर आए हों और वहां पूरा परिवार इकट्ठा हुआ हो। सूरज बड़जात्या जी के साथ क्या है ना कि वो बहुत आराम से शूटिंग करते हैं। उनके सेट पर आपको शोर-शराबा नहीं सुनने को मिलेगा। शाकाहारी खाना मिलता है। साथ ही साफ-सफाई का पूरा खयाल रखा जाता है। रमेश सिप्पी, इंदर कुमार, अब्बास-मस्तान जैसे फिल्ममेकर्स के साथ भी काम करके बहुत मजा आया है।

कई लोग आपकी सिलेब्रिटी इमेज से प्यार करते हैं

वह कहती हैं कि कई बार मेरे भाव और गंभीरता को देखकर लोगों को लगता है कि कहीं मैं एक्टिंग तो नहीं कर रही। मेरा मानना है कि सामने वाला अगर आपको ठीक से जानता है तो वो जरूर पकड़ लेगा कि आप एक्टिंग कर रहे या वाकई में सच बोल रहे हैं। होता क्या है कि जब आप सिलेब्रिटी हो जाते हैं तो कई लोग आपकी उसी छवि से प्यार करने लगते हैं। वो पूरी तरह से आपके ग्लैमर पर फिदा रहते हैं। ये बात कइयों को बहुत बाद में पता चलती है। असल में क्या है कि ऐसे लोग आपकी आत्मा को नहीं छू पाते और ना ही वह आपको भीतर से जानने की कोशिश करते हैं। ये बहुत दुखद चीज है। पार्टनर ऐसा चुनिए जो आपको भीतर से जानता हो ना कि वो सिर्फ आपके ग्लैमर पर फिदा हो।

खुशनसीब हूं कि इंडस्ट्री में काम कर रही

फिल्म इंडस्ट्री ने मुझे बहुत कुछ सिखाया है। 37 साल का लंबा करियर हो चुका है। बाकी उतार-चढ़ाव तो हर किसी के जीवन का हिस्सा है। मैं खुद को खुशनसीब मानती हूं कि मैं इस इंडस्ट्री का हिस्सा हूं। बहुत से ऐसे लोग हैं, जो यहां काम करने का सपना देखते हैं लेकिन उन्हें मौका नहीं मिल पाता। अच्छे लोगों के साथ काम करने के साथ मुझे सीख भी काफी मिली हैं। सबसे खास सीख मुझे फिल्म इंडस्ट्री की लगती है कि वो यही है कि फिल्में सदाबहार होती हैं। उन्हें चाहे जितने साल बीत जाएं लेकिन लोग उन्हें देखना या उनके बारे में बात करना नहीं भूलते हैं।

पहले हीरोइन डरी-सहमी रहती थीं

हमारे समय से लेकर अब तक फिल्म इंडस्ट्री में काफी बदलाव हुआ है। पहले हीरोइन सेट पर डरी-सहमी रहती थीं कि कहीं उनके हाथ से फिल्म ना निकल जाए। अब उन्हें अपनी जगह पता है और अपने टैलेंट पर भरोसा है इसलिए वह किसी से नहीं डरती हैं। कई बार ऐसा भी हुआ है कि हीरोइन को फिल्म बनने के बाद भी पूरे पैसे नहीं मिले और प्रोड्यूसर उन्हें टरकाते रहे। फिर अगर कहीं फिल्म फ्लॉप हो गई तो आपके पैसे डूब गए समझो। सिर्फ सेक्शुअल इश्यूज नहीं हैं, इस तरह की घटनाएं भी इंडस्ट्री में होती रही हैं। आज सोशल मीडिया के जमाने में क्या है कि लोग खुलकर बोल सकते हैं।

...तो जिम्मेदार लोगों से सवाल किया जाना चाहिए

आज के समय में सिर्फ युवा ही नहीं, हर कोई तनाव में है। लोगों को अपने भविष्य की चिंता करनी चाहिए। कमाई का जरिया, नौकरियां, अच्छे इंस्टिट्यूशंस और बेहतर मेडिकल सुविधाएं नहीं होंगी तो हर कोई तनाव में आ जाएगा। ऐसे में जनता को जिम्मेदार लोगों से सवाल करना चाहिए कि आखिर हमारे लिए क्या किया जा रहा है। झंडा लेकर घूमना, तलवारों के साथ डांस करना और त्योहारों पर अश्लील गाने गाना ये सही नहीं है। अपने हक के लिए आवाज उठाना बेहद जरूरी है। अगर हम आवाज नहीं उठाएंगे तो हमारा इस्तेमाल ऐसे ही होता रहेगा।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.- UPHIN/25/RAA18, मो0.9456884327, E-mail- officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।